जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 179 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 3 मई, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बांग्लादेश में गत कुछ समय से टाइगर के अंगों से बनी वस्तुओं व दवाओं का उपभोग बढ़ गया है। इससे यहाँ के संकटग्रस्त बंगाल टाइगर के लिए खतरा और बढ़ गया है। आमतौर पर तो विदेशी मांग पूरी करने के लिए इनका शिकार किया जाता था पर अब स्थानीय स्तर पर भी बंगाल टाइगर के अंगों से बने उत्पादों की मांग बढ़ रही है। अध्ययन के प्रमुख लेखक, चीन में यूनान के शीशाँगबाना ट्रॉपिकल बॉटैनिकल गार्डन के नासिर उद्दीन ने कहा कि, एतिहासिक रुप से बांग्लादेश जीवित टाइगर और टाइगर के अंगों का प्रमुख सप्लायर रहा है, पर हाल ही में हमने देखा कि घरेलू स्तर पर इन उत्पादों की खपत बढ़ी है, खासकर सम्पन्न वर्ग में। इस मांग की पूर्ति के लिए भारत और म्यानमार में टाइगर के अवैध शिकार में तेजी आई है। शोध में पता चला है कि, बांग्लादेश 15 देशों तथा उन स्थानों पर, जहाँ बड़ी संख्या में बंगलादेशी रहते हैं, टाइगर के अंगों की आपूर्ति करता है। इनमें भारत, चीन, मलेशिया टॉप पर हैं तथा यू.के., जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया एवं जापान जैसे देश भी इसमें शामिल हैं। शोध के अनुसार, टाइगर की खाल, हड्डियां, दांत और सुखाए हुए मांस की मांग बहुत ज्यादा है। टाइगर के शावकों की तस्करी के प्रमाण भी मिले हैं। मोहम्मद सनाउल्लाह पटवारी, जो कि बांग्लादेश वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल यूनियन के प्रमुख हैं, ने कहा कि, वन्यजीवों की तस्करी भारी चुनौती है। बांग्लादेश के विभिन्न समुदायों में टाइगर के अंगों को लेकर जो सांस्कृतिक मान्यताएं हैं, उनकी वजह से यह अवैध व्यापार ज्यादा बढ़ा है और अब यह देश टाइगर और उसके अंगों की तस्करी का केन्द्र बन गया है। वर्ष 2022 में आई रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2000 से जून 2022 के बीच टाइगर व उसके अंगों की बरामदगी के 36 मामले सामने आए, जिसमें 50 टाइगर बरामद किए गए। लेकिन, इस अवधि में मात्र 6 लोगों को ही जेल हुई और चार पर जुर्माना हुआ।

''दरबार पॉलिटिक्स'' के कारण अभी तक अटका हुआ है कांग्रेस का अमेठी व रायबरेली का निर्णय

प्रियंका गाँधी, रायबरेली से चुनाव लड़ने के लिये काफी आतुर दिखती हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मई। अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीटों पर कांग्रेस से कौन चुनाव लड़ेगा, इसे लेकर बहुत ज्यादा भ्रामक स्थिति बनी हुई है।

कल नामांकन पत्र दाखिल करने का अंतिम दिन है और गाँधी परिवार के अलावा इस विषय में किसी के पास कोई जानकारी नहीं है और यह परिवार इस बात को लेकर बिल्कुल चुप्पी साधे हुए है कि, क्या राहुल और प्रियंका क्रमशः अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ेंगे।

जयराम रमेश जब यह कहते हैं कि, प्रत्याशियों की लिस्ट आ रही है, तब उनके चेहरे पर बेचैनी स्पष्ट नज़र आती है क्योंकि पिछले कुछ दिनों से यही कुछ चलता रहा है।

उधर, भाजपा ने उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री दिनेश को रायबरेली से अपना उम्मीदवार बनाने की घोषणा की है। दिनेश पिछली बार रायबरेली में सोनिया गाँधी से चुनाव हार गए थे और अमेठी में स्मृति ईरानी, राहुल गांधी के

- **पर, राहुल उनको यह चुनाव नहीं लड़ाना चाहते।**
- **राहुल के सलाहकारों ने राहुल को पूरी तरह समझा रखा है कि, अगर प्रियंका रायबरेली से चुनाव जीत कर संसद में पहुंच जाती हैं तो वे एक बड़े ''पावर सेन्टर'' के रूप में उभरकर, राहुल के लिये, उनके नेतृत्व के लिए भारी चुनौती बन सकती हैं।**
- **अतः राहुल गाँधी, प्रियंका को रायबरेली से चुनाव लड़ाने के काफी खिलाफ हैं।**
- **हाल ही में कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे राहुल गाँधी से शिमोगा एयरपोर्ट पर मिले तथा पूरा प्रयास किया, राहुल को अमेठी से चुनाव लड़ने के लिए मनाने का। इसके बाद के.सी. वेणुगोपाल ने भी राहुल को अमेठी से चुनाव लड़ने के लिये मनाने की कोशिश की, सोनिया गाँधी भी यह तर्क सही मानती हैं कि, राहुल अगर अमेठी से चुनाव नहीं लड़ेंगे तो इण्डिया गठबंधन को नुकसान होगा।**
- **पर, राहुल गाँधी इन सभी तर्कों से सहमत नहीं है, अतः अमेठी का टिकट कांग्रेस के गले की घंटी हो गया है तथा इस मुद्दे का कोई समाधान किसी की भी समझ में नहीं आ रहा है।**

चुनाव मैदान में उतरने की प्रतीक्षा कर रही है।

राहुल गांधी पिछली बार अमेठी में स्मृति ईरानी से सामने चुनाव हार गए थे। स्मृति ने उसके बाद अमेठी में एक घर खरीदा और वहीं बस गईं।

अमेठी और रायबरेली के कांग्रेसी राहुल अैर प्रियंका, दोनों से यह पुरजोर अनुरोध कर रहे हैं कि वे अपने परिवार की सीटें बचाएं।

सोनिया गाँधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और इण्डिया गठबंधन की सहयोगी पार्टियों द्वारा भी यही तर्क दिया जा रहा है कि, चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय उत्तर भारत में कांग्रेस और विपक्ष के इंडिया गठबंधन को क्षति पहुंचाएगा क्योंकि कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ जो गति पकड़ी है वह इससे समाप्त हो जाएगी।

ज्ञात हुआ है कि अमेठी और रायबरेली की सीटों को लेकर राहुल और मल्लिकार्जुन खड़गे ने शिमोगा एयरपोर्ट पर चर्चा हुई थी, लेकिन सूत्र बताते हैं कि राहुल असहमत से नज़र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चूरू में भाजपा प्रत्याशी कांग्रेस के राहुल कस्वां से नहीं बल्कि अपनी पार्टी के वसुंधरा गुट से हारेगा?

राहुल कस्वां को हमेशा से वसुंधरा गुट का माना जाता है, पर इस बार राहुल कस्वां का टिकट काट दिया गया

चूरू, 2 मई (कासं.)। चूरू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के पक्ष में चली हवा मतदान से पहले ही बदल गई। ये बदली हुई हवा भाजपा उम्मीदवार देवेन्द्र झांझड़िया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के साथ-साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए भी हानिकारक साबित होगी। क्योंकि भजनलाल शर्मा अपनी चुनावी सभाओं में बार-बार यह दावा कर चुके हैं कि राजस्थान में भाजपा सभी 25 सीटों पर जीत हासिल करेगी, वो भी 5 लाख मतों से पर चूरु इसमें अड़चन बनता लग रहा है। सूत्रों का कहना है कि सभी 25 सीटें जीतने का दावा वसुंधरा गुट की वजह से नामूमकिन प्रतीत हो रहा है।

चूरु में भाजपा ने दो बार सांसद रहे राहुल कस्वां का टिकट काटकर पैरालम्पिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झांझड़िया को मैदान में उतारा। समझा जाता है कि यह कदम क्षेत्र के दिग्गज नेता राजेन्द्र राठौड़ के इशारे पर उठाया गया था। हालांकि कांग्रेस आलाकमान ने भाजपा के बागी सांसद राहुल कस्वां को रातों-रात मैदान में

- **टिकट कटने के बाद राहुल कस्वां रातोंरात कांग्रेस के प्रत्याशी बन गए, इससे कांग्रेस में भारी असंतोष फैला और टिकट के दावेदार माने जाने वाले सभी नेता घर बैठ गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उदासीनता को आमजन ने भी समझ लिया था, कस्वां पिछड़ से रहे थे।**
- **राहुल कस्वां को हो रहे इस नुकसान की भरपाई वसुंधरा गुट ने कर दी। इस गुट ने भाजपा में रह कर ही भाजपा के देवेन्द्र झांझड़ियां की भारी खिलाफत की। समझा जाता है कि, इन्हीं लोगों ने राजेन्द्र राठौड़ को तारानगर चुनाव हरवाया था।**
- **पूरे चुनाव में जाट राहुल कस्वां के पक्ष में तो राजपूत झांझड़िया के पक्ष में लामबंद नज़र आए और अन्य जातियों, जैसे ब्राह्मण, वैश्य, सैनी, प्रजापत, आदि की बात करे तो इनके वोट बंट गए, लेकिन एस.सी., एस.टी. के वोट भारी तादाद में कांग्रेस को मिले।**

उतार दिया पर कहीं ना कहीं अपनी पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं का विश्वास खो दिया था। उन कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी उम्मीदवार कस्वां से दूरी बना ली थी। कांग्रेस कार्यकर्ता या तो कस्वां की किसी सभा में गए ही नहीं और गए तो बेमन से गए। जनता ने उनके भावों को समझ लिया। एक बार तो लगा कि ये कांग्रेसी नेता राहुल कस्वां की जमानत ही जब्त करवा देंगे।

इन नेताओं में सरदारशहर विधायक अनिल शर्मा, राजगढ़ की पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया और चूरू लोकसभा सीट व विधानसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार रहे रफीक मंडेलिया का नाम खुलेआम लिया जा रहा है। इतना ही नहीं तारानगर विधायक नरेंद्र बुढ़ानिया ने भी अपनी पार्टी के उम्मीदवार राहुल कस्वां के पक्ष में मन से प्रचार नहीं किया। कांग्रेस की टिकट के अन्य दावेदार तनवीर खान, रेहाना रियाज आदि एवं कई अन्य नेता तो अंडरग्राउंड ही हो गए। इसलिए कांग्रेस का वोट बैंक माने जाने वाले मुस्लिम वर्ग के 50 प्रतिशत मतदाताओं ने तो मतदान ही नहीं किया। इसका एक कारण यह भी रहा कि राहुल कस्वां ने भाजपा या नरेन्द्र मोदी के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला सिर्फ राजेन्द्र राठौड़ पर ही निशाना साधा। मुस्लिम वर्ग के मतदाताओं को राहुल कस्वां थोपे हुए उम्मीदवार लगे और उन्होंने वोट नहीं करने का निर्णय ले लिया। इस कारण भी कांग्रेस को काफी नुकसान उठाना पड़ा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कॉमेडियन श्याम रंगीला मोदी के खिलाफ चुनाव मैदान में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मई। वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस ने जहाँ उत्तर प्रदेश के पार्टी अध्यक्ष अजय राय को चुनाव मैदान में उतारा है, वहीं कॉमेडियन श्याम रंगीला भी राजस्थान स्थित अपने गृह नगर श्रीगंगानगर से

- **गंगानगर के श्याम रंगीला ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। ज्ञातव्य है कि, मोदी की मिमिक्री करके ही श्याम रंगीला फेमस हुए थे।**

रवाना हो गए हैं। वह भी लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में वाराणसी से चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

रंगीला ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि, वे वाराणसी के वोटर्स को एक विकल्प उपलब्ध करवा रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'दबदबा थाः दबदबा रहेगा'

जन भावना के दबाव में भाजपा ने कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह का टिकट काटा केसरगंज से

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मई। सार्वजनिक दबाव के चलते एक असाधारण घटनाक्रम में भाजपा नेतृत्व ने केसरगंज से वर्तमान सांसद बृजभूषण शरण सिंह को तो पार्टी का टिकट नहीं दिया है लेकिन, उनके बेटे करण भूषण सिंह को इस सीट से नामांकित किया है।

सांसद प्रज्वल रेवन्ना से संबंधित प्रचण्ड विवाद के बीच, स्वाभाविक ही है कि भाजपा बृजभूषण के मामले में कोई खतरा नहीं मोल लेना चाहती लेकिन, इसके साथ ही वह केसरगंज सीट पर बृजभूषण के परिवार के ही सदस्य को टिकट देने के लिए विवश है।

बृजभूषण का केसरगंज और आसपास के इलाकों में काफी दबदबा है, और उन्होंने समय-समय अपना दबदबा दिखाया भी है।

शीर्ष मैडल जीतने वाली, देश की महिला पहलवानों के बृजभूषण पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के कारण उपजे आक्रोश और विरोध के बीच, बृजभूषण शरण सिंह ने पिछले वर्ष जून महीने में अयोध्या के रामकथा पार्क

- **पर साथ ही बृज भूषण सिंह के पुत्र करण भूषण सिंह को केसरगंज से टिकट दिया।**
- **गौंडा, बहराइच, बलरामपुर, सरस्वती जिलों के अलावा अयोध्या व बारांबकी में बृजभूषण सिंह का भारी प्रभाव है। जिसका पूरा प्रमाण बृज भूषण सिंह ने उस वक्त उस वक्त दिया था जब अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मैडल जीतने वाली महिला रैसलर्स ने यौन शोषण का आरोप लगाया तथा बृज भूषण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की थी।**
- **बृज भूषण सिंह ने यौन शोषण के आरोपों के खिलाफ विशाल रैली आयोजित की अयोध्या के राम कथा पार्क में।**
- **बृज भूषण ने तीस आम सभाओं को संबोधित किया तथा कभी हैलीकॉप्टर से तो भी कार से अपने प्रभाव वाले क्षेत्र का सघन दौरा किया था। उस समय पूरा इलाका बृज भूषण सिंह के पोस्टरों से आच्छादित कर दिया गया था।**

में एक ''जन चेतना महारैली'' का आयोजन किया था। घोषणा के कुछ घंटों के अंदर ही गौंडा, बहराइच, बलरामपुर और श्रावस्ती जिलों के मुख्य मार्ग और अयोध्या एवं बाराबंकी के समीपवर्ती जिले, बृज भूषण के पोस्टर्स से भर गये थे। अगले दस दिनों तक, सिंह ने इन जिलों के चप्पे-चप्पे का दौरा किया। इन दौरों में कई बार हैलीकॉप्टर का इस्तेमाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गैर जमानती वॉरंट साधारण बात नहीं है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मई। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक नवीनतम निर्णय में कहा है कि, गैर जमानती वारंट रुटीन तरीके से जारी नहीं किया जा सकता। यह तभी

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, गैर जमानती वॉरंट जारी करना कोई नियमित प्रक्रिया नहीं है, यह तभी जारी किया जा सकता है, जब अपराध जघन्य हो और आरोपी द्वारा सबूतों से छेड़छाड़ करने की संभावना हो।**

जारी किया जा सकता है, जब आरोपी पर किसी जघन्य अपराध का केस दर्ज हो तथा यह आशंका हो कि, वह कानून

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या इस बार फिर हरीश मीणा मुकद्दर का सिकंदर होंगे?

क्या टोंक-सवाई माधोपुर में हरीश मीणा का मुकद्दर कांग्रेस का मुकद्दर भी बना देगा

-टोंक संवाददाता द्वारा-

टोंक, 2 मई। पूर्व डायरैक्ट जनरल ऑफ पुलिस (डी.जी.पी.) हरीश मीणा, राजनीति में बहुत ''लक्की'' रहे हैं। वे पार्टी बदल चुके हैं। पहले वे भाजपा के टिकट पर सांसद बने, फिर 2018 में कांग्रेस के विजयी उम्मीदवार के रूप में विधानसभा पहुंचे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में हरीश मीणा ने अपने बड़े भाई और कांग्रेस प्रत्याशी नमोनारायण मीणा को चुनाव में हराया था, जो काफी पहले राजनीति में आ गये थे तथा अपने चुनाव क्षेत्र में काफी मिलनसार व लोकप्रिय रहे हैं तथा केन्द्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। बाद में हरीश मीणा ने 2018 व 2023 में कांग्रेस के टिकट पर देवली उनियारा से विधानसभा चुनाव लड़ा, सभी चुनाव कठिन थे तथा कांटे की टक्कर रही थी, पर, हरीश हर चुनाव जीतते गये और उनके चुनाव क्षेत्र में यह आम धारणा बनी कि, हरीश का मुकद्दर बहुत मजबूत है और उनको साधारण तौर पर मीणा बहुल सीट पर हराना कठिन ही नहीं नामुमकिन है।

इस बार भी कुछ ऐसा ही होता लगता है,

- **2014 में दौसा से भाजपा सांसद के रूप में चुनाव जीते हरीश मीणा ने 2018 में भाजपा छोड़कर कांग्रेस का दामन थामा था और 2018 व 2023 में देवली-उनियारा से विधानसभा चुनाव लड़ा और जीता भी। अब वे टोंक से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं।**
- **टोंक-सवाई माधोपुर गुर्जर और मीणा बहुल सीट है। मीणा मतदाता हरीश मीणा के पक्ष में पूरी तरह लामबंद दिखे, वहीं गुर्जर मतदाता दुविधा ग्रस्त और बंटा हुआ नज़र आया।**
- **गुर्जर मतदाताओं की दुविधा का कारण सचिन पायलट को बताया जा रहा है। आमतौर पर पायलट उन क्षेत्रों में प्रचार के लिए नहीं जाते जहां, भाजपा का गुर्जर प्रत्याशी मैदान में होता है। पर टोंक-सवाई माधोपुर सीट पर पायलट ने अपने करीबी हरीश मीणा के लिए जम कर प्रचार किया व सभाएं कीं।**
- **यही नहीं, भाजपा के गुर्जर नेता भी भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनपुरिया के साथ पूरे मन से खड़े नज़र नहीं आए। संभावना है कि, 2014 और 2019 में टोंक-सवाई माधोपुर से चुनाव जीत चुके जौनपुरिया, जिनके खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी भी है, को इस बार कांटे की टक्कर मिल रही है।**

टोंक-सवाईमाधोपुर सीट पर, जहां लगातार दो बार सांसद रहे भाजपा के उम्मीदवार सुखबीर सिंह जौनपुरिया व कांग्रेस के हरीश मीणा के बीच टक्कर है और इस बार लोकसभा चुनाव का अजीबोगरीब पहलू यह है कि, नैशनल स्तर का चुनाव स्थानीय मुद्दों पर लड़ा जा रहा है। क्या इस तथ्य का सीधा अर्थ यह नहीं है कि, मोदी लहर का वेग इस बार वह नहीं है जो, गत दो बार 2014 एवं 2019 के लोकसभा चुनाव में देखा गया था तथा दोनों बार भाजपा 25-0 के स्कोर से जीती थी राजस्थान में। क्या इसमें भी हरीश मीणा का मुकद्दर काम आया?

साथ ही क्योंकि मीणा व गुर्जर मुख्य प्रतिद्वंदी हैं, यह भी अपेक्षित ही था कि, दोनों जातियां अपनी-अपनी जाति के उम्मीदवार के पक्ष में लामबंद होंगी, मीणा मतदाता तो जरूर जोर-शोर से हरीश मीणा को जिताने के लिए पूर्णतया अपनी जाति के साथ बंधे नज़र आये।

पर गुर्जरों में कुछ दुविधा की स्थिति दिखी, मतदान के दिन। दुविधा का कारण थे, सचिन पायलट। आमतौर से सचिन, उस सीट पर अपने उम्मीदवार का प्रचार करने से बचते हैं, जहां प्रतिद्वंदी उम्मीदवार गुर्जर हो। मकसद शायद था कि, गुर्जर वोटों का विभाजन न हो। पर, टोंक-सवाईमाधोपुर में उनके करीबी उम्मीदवार हरीश मीणा के खिलाफ एक गुर्जर, प्रत्याशी, जौनपुरिया मैदान में था। पायलट ने पहली बार अपनी नीति को बदला और हरीश मीणा के पक्ष में जम कर प्रचार किया। आमसभाएं की। स्वाभाविक ही था गुर्जर वोट दुविधा की स्थिति में आ गया। साथ ही यह भी देखा गया कि, भाजपा के पुराने गुर्जर नेता जैसे विजय बैंसला, अलका गुर्जर, विक्रम सिंह गुर्जर, पूरे मन से जौनपुरिया के पक्ष में सक्रिय नहीं हुए। कुछ उदासीन दिखे। उनका शायद सोच था कि, अगर हरीश मीणा सांसद बन जाते हैं तो, उनकी विधायक की सीट खाली हो जायेगी और भाजपा के टोंक-सवाईमाधोपर क्षेत्र के गुर्जर नेता, विधायक का चुनाव लड़ सकेंगे और जीत गये तो मंत्री बनने की लाइन में खड़े

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कांग्रेस तो पाकिस्तान की मुरीद है'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी लहर को भाजपा के पक्ष में मोड़ने के एक दृढ़ प्रयास के

- **प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के आणंद की एक सभा में यह टिप्पणी की और पाकिस्तान के एक नेता फवाद हुसैन द्वारा सोशल मीडिया पर राहुल की प्रशंसा में वीडियो पोस्ट करने को मुद्दा बनाया।**

तहत कांग्रेस को पाकिस्तान का ''शिष्य'' बताते हुए कहा कि, पड़ोसी देश कांग्रेस के ''शहज़ादे'' को भारत का अगला प्रधानमंत्री बनाने का उत्सुक है।

मोदी की यह टिप्पणी, आज इन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो मेरा धन चुराता है वह मेरी सबसे तुच्छ वस्तु ले जाता है। –शेक्सपियर

विरासत कर सरकारी लूट का दूसरा नाम है

भारत जब आजाद हुआ, उस समय समाजवाद की बयार बह रही थी। राजस्थान के एक कवि ने अपनी कविता में, यह कहकर धूम मचा दी थी, ''धन धरती सब बंटकर रह सी'' राजाओं, जागीरदारों आदि की जमीनें अधिग्रहण की गई और गरीबों में बांटी गई। विनोबा जी के नेतृत्व में भूटान का कार्यक्रम भी, सफलता के साथ देश में चला। इन सबका उद्देश्य एक ही था, देश की जो सम्पत्ति कुछ लोगों में संचित हो गई थी, उसका जनहित में वितरण हो। संविधान में प्रोपर्टी राईट को समाप्त कर दिया। संविधान के प्रियम्बल में स्पष्ट कर दिया कि देश एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोक तंत्रात्मक गणराज्य है।

इसी क्रम में कई देशों में Inheritance Tax अर्थात् वंशानुक्रम कर, विरासत कर अथवा उत्तराधिकार कर सम्पत्तियों पर लगाया गया। यह ऐसा टैक्स है जो मृत्यु के बाद मिली सम्पत्ति पर लगाया जाता है। अमेरिका, ब्रिटेन, जापान में 7 प्रतिशत से 55 प्रतिशत तक विरासत टैक्स है। अमेरिका में यदि किसी के पास 100 करोड़ डॉलर की सम्पत्ति हो तो उसके मरने के बाद 45 प्रतिशत सम्पत्ति ही उसके वारिसान को मिलती है, शेष सम्पत्ति 55 प्रतिशत पर सरकार का मालिकाना अधिकार हो जाता है। कभी यह टैक्स भारत में भी सम्पत्ति शुल्क के नाम से था, जिसे राजीव गांधी ने समाप्त कर दिया। भारत में 1968 में Compulsory Deposit Scheme भी थी। भारत में एक समय कांग्रेस रूल में आयकर 90 प्रतिशत था। भारत में पूर्व में Wealth Tax व Gift Tax भी था। वे क्रमशः 2015 व 1968 में समाप्त कर दिये।

सत्येन्द्र गोवर्धन दास पित्रोदा जिन्हें लोग सैम पित्रोदा कहते हैं, राजीव गांधी के सलाहकार थे। सैम पित्रोदा ने ही राजीव गांधी को भारत के आधुनिकीकरण के लिये 'फाइव मिशन मोड' का विचार दिया था। सैम पित्रोदा ही ने टेलीकॉम रेवोल्यूशन की सफलता राजीव गांधी को दिलाई थी। उसी कारण से भारत का आईटी सेक्टर चमका था।

भारत में वर्तमान में विरासत कर अथवा Estate Duty Act जैसे कोई कानून नहीं हैं। भारत में सबको समान अधिकार दिये हैं। न कोई बड़ा है और न छोटा। भारत इस समय 2024 के संसद के चुनावों में फंसा हुआ है। ऐसे समय सैम पित्रोदा का कथन कि भारत में विरासत कर अमेरिका आदि यूरोपियन देशों के तरह लागू होना चाहिये। सैम का संबंध कांग्रेस से बहुत पुराना है, अतः इसे कांग्रेस के भविष्य की योजना के साथ जोड़ा गया है। इसका परिणाम था कि मोदी सरकार ने चुनावों में यह कहना शुरू कर दिया कि कांग्रेस शीघ्र पूर्व की तरह विरासत कर लाने जा रही है। कांग्रेस ने अपने बचाव में इतना ही कहा कि सैम पित्रोदा के विरासत कानून की बात, सैम का अपना विचार है। कांग्रेस का इससे कोई संबंध नहीं है। चूंकि भारत में विरासत कर नहीं है अतः वर्तमान में जो टैक्स के कानून हैं, उन्हीं से टैक्स लागू होता है।

अमेरिका के 6 राज्यों में Inheritance Tax लागू है। वहां टैक्स उस राज्य में लिया जाता है जहां मृतक रहता है न कि वहां जहां Beneficiary रहता है।

भारत में व्यक्ति की सम्पत्ति सक्सेशन एक्ट के अुनसार उसके कानूनी वारिसों में बंटती है अथवा मृतक द्वारा की गई वसीयत से उनका बंटवारा होता है। जायदाद का मालिक अपनी सम्पत्ति की वसीयत अपने जीवन काल में करता है, उसे कानून की जानकारी होनी चाहिये। अपनी स्वःअर्जित सम्पत्ति की वसीयत करना कठिन कार्य नहीं है पर इसे आसान भी नहीं समझना चाहिये। जहां तक संभव हो वसीयत करते समय कानून सहायता प्राप्त करनी चाहिये।

वसीयत लिखित में होनी चाहिये, कानून में इस पर कोई स्टाम्प डयूटी नहीं लगती। वसीयत करने वाला व्यक्ति उस समय वसीयत कर सकता है जब वह अपने होश हवास में हो, स्वस्थ हो, उसका विवेक जागृत हो। वसीयत के लिये स्टाम्प डयूटी आवश्यक नहीं है और न इसकी पंजीयन ही आवश्यक है, किन्तु उचित होगा, इसे स्टाम्प पर लिखा जावे और इसकी रजिस्ट्री कराई जावे। सबसे आवश्यक है वसीयत का अटेस्टेशन कराना। दो गवाह होने आवश्यक हैं। वसीयतकर्ता को अपने हस्ताक्षर गवाहों के समक्ष करने चाहिये और गवाहों के हस्ताक्षर भी वसीयतकर्ता के सामने हों।

भारत भगवान महावीर का देश है। जैन धर्म संसार का प्रथम धर्म है। यही कारण है जैन अपने प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव को आदिनाथ कहते हैं। जैनों की संस्कृति को अंहिसा, अपरिग्रह, अनेकान्त के दर्शन से समझा जाता है। अपरिग्रह का अर्थ है, उतना ही संग्रह करो जो आपकी आवश्यकता के लिये जरूरी हो, शेष समाज को अर्पित कर दो।

अमेरिका में विरासत टैक्स पुश्तैनी सम्पत्ति पर लगता है वह भी जब सम्पत्ति की कीमत एक सीमा से बढ़कर हो। 10 लाख डॉलर की वैल्यू तक सम्पत्ति पर कर से छूट है। दादा, परदादा या पिता से, सम्पत्ति मिली है तो उस पर टैक्स लगेगा। अमेरिका में जब पिता अपने पुत्र को सम्पत्ति देता है तो सरकार 55 प्रतिशत हिस्सा टैक्स के रूप में लेती है।

सैम पित्रोदा के कथन के बाद चुनाव प्रचार में मोदी ने कहा कि कांग्रेस यदि पावर में कभी आई तो वह टैक्स लगायेगी। पीएम मोदी ने चुनाव सभा में कहा कि कांग्रेस सर्वे करायेगी, मालूम करेगी व्यक्ति के पास कितनी प्रोपर्टी है। महिलाओं के पास जितने सोने के गहने व मंगल सूत्र हैं। मोदी का कथन था, आपके पास अपना कुछ भी नहीं रहेगा।

अन्तर्राष्ट्रीय टैक्स कानून सम्पत्ति कर और विरासत कर के मध्य अन्तर करता है। विरासत कर उस व्यक्ति द्वारा भुगतान किया जाता है जो मृतक व्यक्ति का धन था और सम्पत्ति विरासत में प्राप्त होती है जबकि सम्पत्ति कर उस व्यक्ति की सम्पत्ति पर लगाया जाता है जो मर चुका है।

फाइनेन्स मंत्री निर्मला सीतारमन ने विरासत टैक्स लगाने के प्रस्ताव को गलत बतलाया है। उनका कथन है कि अब तक भाजपा ने जो विकास किया है वह भी समाप्त हो जावेगा। कांग्रेस राज में 10 साल पूर्व जो विकास किया था वह नगण्य सा था। कांग्रेस से 10 वर्ष पूर्व 5000 किमी. रेल्वे का विद्युतीकरण किया वही मोदी के 10 वर्षों में 44000 किमी. का विद्युतीकरण किया है।

टैक्स एक्सपर्ट का कहना है कि विरासत टैक्स एस्टेट डयूटी से जो आय होती थी लगभग उतना ही खर्चा टैक्स को लगाने व वसूली में हो जाता था। विरासत कर लगाना लूट जैसा कार्य है। जो जिन्दगी के समय भी लगता है और मरने पर भी।

विरासत टैक्स कई देशों में लगाया जाता है और सबसे अधिक Misunderstood है। भारत में हो रहे चुनावों के समय यह चुनाव भाषणों का विषय बना हुआ है। इसके माध्यम से भाजपा कांग्रेस की आलोचना करने का कोई भी मौका नहीं छोड रही है। दिनांक 24 अप्रैल, 2024 की चुनाव स्पीच में मोदी ने कहा कि यदि कांग्रेस जीती तो विरासत कर लगा कर लोगों का जीना दूभर कर देगी।

विरासत टैक्स फ्रांस में 60 प्रतिशत, जर्मनी में 50 प्रतिशत, यूके में 40 प्रतिशत, स्पेन में 33 प्रतिशत, हंगरी में 18 प्रतिशत, जापान में 55 प्रतिशत, साउथ कोरिया में 50 प्रतिशत, चिली में 25 प्रतिशत है। भारत में परिवार का गठन अन्य देशों से भिन्न है। हिन्दू संयुक्त परिवार का जो कन्सेन्ट भारत में है, वैसा अन्यत्र कहीं भी नहीं है। भारत भगवान महावीर का देश है। जैन धर्म संसार का प्रथम धर्म है। यही कारण है जैन अपने प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव को आदिनाथ कहते हैं। जैनों की संस्कृति को अंहिसा, अपरिग्रह, अनेकान्त के दर्शन से समझा जाता है। अपरिग्रह का अर्थ है, उतना ही संग्रह करो जो आपकी आवश्यकता के लिये जरूरी हो, शेष समाज को अर्पित कर दो। कस्तूरवा गांधी के यहां चोरी हुई, मालूम पडा 'बा' की चार साडियां चोरी हो गई थी। गांधीजी को जब पता चला कि 'बा' के पास चार साडियां थीं तो वे बा से बहुत नाराज हुये। इतनी सदियों के संचय से आपने अपनी बहिनों को वंचित कर दिया है, अच्छा हुआ चोर ले गये ये साडियां किसी के काम तो आवेंगी। घटना के बाद बा ने बापू से कहा ये साडियां उसे अपनी बहु–बेटियों को देनी थी। अपरिग्रह का इससे सुन्दर उदाहरण कहीं नहीं मिल सकता। कर का आरोपण व्यक्ति को अपरिग्रह की सीमा में रखने का है।

संविधान के अनुच्छेद 51क में नागरिकों के कर्त्तव्य दिये हैं। यह प्रावधान संविधान 86वां संशोधन से लाया गया था। जिस कमेटी ने संशोधनों का सुझाव दिया उनके सरदार स्वर्णसिंह जी चेयरमैन थे। एक माननीय सदस्य ने सुझाव दिया था कि टैक्स का कानून समाप्त किया जावे। इसके स्थान पर यह प्रावधान हो कि अपनी आवश्यकता की पूर्ति के बाद जो बचे उसे सरकार को अर्पित कर दो। सच्चा समाजवाद यही है।

पीएम मोदी व अन्य नेताओं के भाषणों से यह स्पष्ट है कि देश में निकट भविष्य में विरासत कर (उत्तराधिकार कर) लगाने का प्रश्न ही नहीं उठता। किसी भी लोकतंत्र से उम्मीद की जा सकती है कि वह कल्याणकारी होगा। भारत में 85 प्रतिशत तक विरासत कर लगता था, अतः राजीव गांधी सरकार ने इसे समाप्त कर दिया।

संविधान के नीति निदेशक तत्वों के भाग 4क अनुच्छेद 39(ख) में आदेशात्मक रूप से यह स्पष्ट किया है कि राजय अपनी नीति का विशिष्टतया इस प्रकार संचालन करेगा कि सुनिश्चित रूप से समुदाय के भौतिक संसाधनों का स्वामित्व और नियंत्रण इस प्रकार बांटा हो जिससे सामूहिक हित का सर्वोच्च रूप से साधन हो। दिनांक 30.04.2024 को सर्वोच्च न्यायलाय की 9 जजों की पीठ के समक्ष यह बहस की गई कि प्राइवेट इन्वेस्टमेन्ट्स को अधिक महत्व देना चाहिये।

भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्म निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य है, जय हो!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

माननीय कुलाधिपति, कुलपति–एक संदेश

(एक कुलपति की अनकही कहानी)

प्रो. अशोक कुमार

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में कुलपति के पद पर मेरी नियुक्ति के पहले मेरा एक इंटरव्यू इंटरेक्शन माननीय तत्कालीन राज्यपाल कुलाधिपति महोदय से हुआ था कुलाधिपति महोदय ने मुझसे कहा था यदि आपकी नियुक्ति कानपुर विश्वविद्यालय में कुलपति के पद पर हो जाए तब आप मुझसे तभी धन्यवाद के लिए आइएगा जब आप अपने विश्वविद्यालय की समस्यों को समझेंगे और उसके समाधान के लिए अपनी योजना बनाएँगे इसी के साथ आप अपने 3 वर्ष के कार्यकाल में क्या–क्या कार्य विश्वविद्यालय में करेंगे उसका एक श्वेत पत्र लाइएगा। इसके पहले मुझे धन्यवाद देने नहीं आयेगे।

वर्तमान समय में मैंने पिछले 10 वर्षों से यह अनुभव किया है कि जब भी कभी विभिन्न विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति होती है तो ऐसा देखा गया है कि माननीय कुलपति को पत्र मिलते ही सबसे पहले वह कुलाधिपति महोदय को धन्यवाद देने के लिए जाते हैं। यह परंपरा अपने आप में अच्छी है लेकिन इसमें मेरा दृष्टिकोण अपने अनुभव के अनुसार से भिन्न है।

जब मैंने छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में कुलपति पद के कार्यभार संभाला तब कई व्यक्तियों ने यह सुझाव दिया कि मैं धन्यवाद के रुप में माननीय कुलाधिपति के पास अवश्य जाएं। लेकिन मैंने उनसे यह नहीं बताया कि मैं उनके पास तभी मिलने जाऊंगा जब मैं छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के बारे में जानकारी प्राप्त कर लूँगा। मैंने विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक, प्रशासनिक तथा अन्य समस्याओं के ऊपर ध्यान आकर्षित किया। कुलपति का पदभार संभालने के बाद विश्वविद्यालय के प्रांगण का अवलोकन किया, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया, विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक और अशैक्षणिक विभागों का भी निरीक्षण किया।

कुछ समय के बाद मैंने विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विभागाअध्यक्ष की एक मीटिंग बुलाई और विश्वविद्यालय के बारे में चर्चा की। एक दिन वि.वि. के अधिकारियों के साथ मीटिंग की। एक अन्य दिन विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ मीटिंग करी। अगले कुछ दिनों के अंदर मैंने अकादेमिक, परीक्षा से संबंधित विषयों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। सब गतिविधियां चल रही थी लेकिन विश्वविद्यालय के सभी वर्ग के लोग इस बात के लिए बहुत विचार कर रहे थे या उनके समझ में नहीं आ रहा था कि माननीय कुलपति जी को पदभार ग्रहण करते हुए 10 दिन हो गए लेकिन वह माननीय कुलाधिपति से मिलने लखनऊ नहीं गए। जबकि आप जानते हैं कि लखनऊ से कानपुर की दूरी केवल 80 किलोमीटर है। कई लोग मेरे पास कहने भी आए कि मुझे कुलाधिपति से मिलना चाहिए और उनको धन्यवाद ज्ञापित करना चाहिए। मैंने उनको बताया कि जैसे ही मुझे समय मिलेगा मैं उनसे जरूर मिलना चाहूंगा। विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया कि कुलपति लगता है बहुत ही घमंडी आदमी है और इनकी नियुक्ति विश्वविद्यालय में बहुत हाई कमान के माध्यम से हुई है इसलिए वह कुलाधिपति को कुछ भी नहीं समझते। कई लोगों ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया कि ऐसा ही इनका व्यवहार रहा तो कुलपति विश्वविद्यालय में ज्यादा दिन तक टिक नहीं पाएंगे। मैं अपना कार्य करता रहा। यह एक ऐसी बात थी जो मैं किसी से व्यक्तिगत रूप से कह नहीं सकता था। मैंने पूरी मेहनत से विश्वविद्यालय के सभी समस्याओं को समझा, श्वेत पत्र बनाए। श्वेत पत्र बनाकर समस्याओं के बारे में लिखा। विश्वविद्यालय में क्या–क्या समस्या है जैसा कि आप सब जानते हैं कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक और छात्रों की प्रवेश और परीक्षा परिणाम फल आदि समस्याएं होती हैं। शिक्षकों की विभिन्न समस्याएं होती हैं : उनके शैक्षणिक वातावरण की, उनके प्रमोशन की, या नियुक्तियां की। कर्मचारियों की अपनी समस्याएं होती हैं। इन सब समस्याओं को मैंने समझा और फिर उसको लिखा और फिर यह कोशिश की इन समस्याओं को किस प्रकार से समाधान किया जा सकता है। विश्वविद्यालय में कुछ नए विषय भी खोलने के लिए मैंने लिखा। इन सबको तैयार करने में लगभग 1 माह से ज्यादा लग गया और उसके बाद में कुलाधिपति से मिलने गया। माननीय कुलाधिपति को मैंने पत्र दिया कुलाधिपति ने बहुत ध्यान से उस पत्र को पढ़ा। पत्र पढ़कर वो बहुत प्रसन्न हुए और मुझसे कहा कि उन्होने कुलपति रूप में सही व्यक्ति को नियुक्त किया है। माननीय कुलाधिपति ने बहुत से सुझाव भी दिये और मुझमे यह विश्वास प्रकट किया कि मैं पूरी मेहनत और ईमानदारी से नियमानुसार विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए कार्य करूंगा। एक बहुत महत्वपूर्ण विषय के बारे मे कहना चाहता हूं कि जो भी विश्वविद्यालय का कुलपति बने उसको विश्वविद्यालय की समस्याओं के बारे में अवगत होना चाहिए और इसी के साथ–साथ उसकी यह दूरदर्शिता होनी चाहिए कि उन समस्याओं को किस प्रकार से समाधान किया जा सकता है। मैं समझता हूं कि विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करते समय किसी भी कुलपति के लिए यह प्रथम प्राथमिकता होनी चाहिए। अगर वह समय पर इन विभिन्न समस्याओं को समझ ले तब मेरे अनुभव के अनुसार उसको आने वाले भविष्य के 3 सालों में कष्ट नहीं होगा और सभी की समस्याओं को समाधान करने में आसानी होगी। इन सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक और विद्यार्थी के सहयोग की आवश्यकता होती है। यहां यह कहने की भी आवश्यकता है कि विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां होती हैं और इन गतिविधियों के कारण आपको जिला प्रशासन से भी एक अच्छा संपर्क संबंध बनाए रखना चाहिए ताकि अनुकूल परिस्थितियों में जिला प्रशासन आपकी मदद कर सके। आमतौर पर यह देखा गया है कि विश्वविद्यालय के कुलपति अपने दफ्तर से बाहर नहीं निकलते या निकल पाते या निकलना नहीं चाहते लेकिन जहां तक मैं समझता हूं मेरे अनुभव के अनुसार से विश्वविद्यालय के कुलपति को दफ्तर में अपने काम जरुर करना चाहिए लेकिन साथ ही साथ समय–समय पर विभिन्न विभागों में, प्रशासनिक कार्यालयों में, विद्यार्थियों से, अधिकारियों से और कर्मचारियों से मिलते रहना चाहिए। यदि आप निरंतर इस प्रकार के प्रयास करेंगे तो कभी भी कोई भी गंभीर समस्या आपके सामने नहीं आएगी। जब आप निरंतर सबसे मिलते हैं तो समय–समय पर आपको विश्वविद्यालय की समस्याओं के बारे में जानकारी होती है और समय अनुसार उनका समाधान भी होता है। जब कभी हम इस प्रक्रिया को नहीं अपनाते तो ऐसा देखा गया है कि समस्याएं इकट्ठा होती रहती हैं, समाधान उनका नहीं होता। एक समय ऐसा आता है जबकि सारी समस्याएं एक साथ इकट्ठा हो जाती हैं और वह एक बहुत ही भयंकर रूप ले लेती हैं और एक बहुत ही कठिन स्थिति हो जाती है।

मैं अपने अनुभव के आधार से यह एक संदेश देना चाहता हूं कि विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में विश्वविद्यालय के सभी वर्गों से मधुर संबंध रखना चाहिए, वार्तालाप करना चाहिए, उनसे संपर्क बनाए रखना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण–विश्व विद्यालय विद्यार्थियों के लिए होता है, विश्वविद्यालय का प्रमुख अंग है। हमको यह चाहिए कि हम विद्यार्थियों की समस्याओं के बारे में जाने और हमे उनके समाधान का यथासंभव प्रयास करना चाहिए। मुझे आशा और विश्वास है कि आने वाले समय में विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को अच्छे और उज्जवल भविष्य के लिए दिशा प्रदान करेगा।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

सिडियास गांव में तीन दिन से एक दर्जन घरों में लग रही रहस्यमयी आग

परबतसर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के बस्सी ग्राम पंचायत के सिडियास गांव के गुर्जरों का बास में रहस्यमयी ढंग से आग लगने की वारदातें हो रही है। चार दिन से दोपहर तीन बजे के बाद से ही जगह–जगह आग लगने की घटनाएं हो रही हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मामले में अभी तक कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन कच्चे मकान समेत अन्य सामग्री का काफी नुकसान हुआ है।

बस्सी सरपंच प्रतिनिधि जगदीश मेघवाल ने बताया कि सोमवार को चार जगहों पर आग लगी। इसके बाद मंगलवार को भी अलग–अलग चार जगहों पर आग लगने की घटना हुई। एक ओर ग्रामीण इन अजीब घटनाओं का कारण जानने में जुटे हैं तो वहीं दूसरी ओर रोजाना अलग–अलग जगह पर आग लगने से भय का माहौल भी बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि आजकल हर घर में गैस सिलेंडर है और इस इलाके में कच्चे छप्पर भी हैं, ऐसे में आगजनी की घटनाओं से बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। इससे फिलहाल भय का माहौल बन रहा है।

परबतसर के बस्सी ग्राम पंचायत के सिडियास गांव के गुर्जरों का बास में रहस्यमयी ढंग से आग लगने की वारदातें हो रही है।

- **अभी तक कोई जनहानि नहीं हुई है, कच्चे मकान व अन्य सामग्री का काफी नुकसान हुआ**
- **गुर्जरों के बास में रोज हो रहे हादसे, जांच के लिए टीम पहुंची, कोई सुराग नहीं लगा**

पीलवा थानाधिकारी विनोद ने बताया कि लगातार हो घटनाओं पर पुलिस ने नजर रखी हुई है। लगातार आगजनी के कारणों का पता चल नहीं पाया है। तहसीलदार ने पुलिस कार्मिक साथ मौके पर जाकर मुआयना किया है। पटवारी रिपोर्ट बन नुकसान का आंकलन भी किया जा रहा है, लेकिन अब आग लगने कारणों का पता लगना बहुत मुश्किल है। क्योंकि लोगों में घटनाओं लेकर भय फैलने की संभान बढ़ती जा रही है। ग्रामीण भागा गुर्जर, भारमल गुर्जर, गोविंद और प्रभुराम गुर्जर ने बताया बुधवार को भी दोपहर में करीब बजे एक घर में आग लग गई।

''नंद घर'' मुहिम से जुड़े अभिनेता मनोज बाजपेयी

जयपुर। 14 लाख आंगनबाड़ियों में सुधार करने के लक्ष्य के तहत नंद घर ने अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ पूरे देश में एक विशेष कैंपेन की शुरुआत की है, जिसका शीर्षक है ''अगर बचपन से पूछा खाना खाया, तो देश का कल बनाया।'' नंद घर द्वारा चलाए जा रहे इस कैंपेन का उद्देश्य भावी पीढ़ी को पोषित करना है, जिसमें समग्र स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्तापूर्ण पोषण और बच्चों को सर्वोत्तम प्री–स्कूल शिक्षा प्रदान करना शामिल है।

इस मुहिम में शामिल होने पर मनोज बाजपेयी का स्वागत करते हुए अनिल अग्रवाल, चेयरमैन, वेदांता, ने कहा कि प्रोजेक्ट नंद घर पूरे देश में बच्चों और महिलाओं को स्वस्थ और सुपोषित रहने में मदद करने पर केंद्रित है। मनोज बाजपेयीजी का इस महत्वपूर्ण मुहिम से जुड़ना हमारे लिए गर्व का विषय है। उनके निजी जीवन के अनुभव भावी पीढ़ियों के जीवन को बेहतर और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जो कि नंद घर के उद्देश्य के साथ बखूबी मेल खाते हैं।

मुहिम के लॉन्च के दौरान, मनोज बाजपेयी ने बतौर युवा थिएटर अभिनेता अपनी कहानी साझा की। नंद घर के साथ जुड़ने को लेकर उत्साहित मनोज बाजपेयी ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर भूख की पीड़ा से गुज़रने के कारण मेरा मानना है कि जो व्यक्ति भूख का सामना करता है, उसका शरीर, मस्तिष्क और भावनाएँ काफी प्रभावित होती हैं। इसके समाधान के रूप में प्रोजेक्ट नंद घर जैसी पहलें बेहद कारगर हैं।

14 लाख आंगनबाड़ियों में सुधार करने के लक्ष्य के तहत नंद घर ने अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ विशेष कैंपेन की शुरुआत की।

- **सोशल इम्पैक्ट प्रोजेक्ट नंद घर का उद्देश्य बच्चों और महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाना है**

मैककैन द्वारा परिकल्पित इस कैंपेन पर अपने विचार रखते हुए प्रसून जोशी, सीईओ और सीसीओ, मैककैन वर्ल्डग्रुप इंडिया और चेयरमैन, एशिया पैसिफिक ने कहा कि यदि हम चाहते हैं कि बच्चे अपनी वास्तविक क्षमता से रूबरू हों, तो उनके बेहतर पोषण पर ध्यान देना बहुत ज़रूरी है। इसे उजागर करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है कि आप भारत के कुछ सबसे लोकप्रिय व्यक्तियों की कहानियां साझा करें, जिन्होंने अपने जीवन में इस मुश्किल का खुद सामना किया है।

नंद घर अनिल अग्रवाल फाउंडेशन (आफ़) का फ्लैगशिप प्रोजेक्ट है। चेयरमैन अनिल अग्रवाल के सपने को प्रखर रखते हुए यह प्रोजेक्ट यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है कि कोई भी बच्चा भूखा न सोए। नंद घर के लिए अभूतपूर्व उपलब्धि के रूप में, हम भारत के 14 राज्यों में स्थित सभी नंद घरों में न सिर्फ प्री–स्कूल्स की उपस्थिति का विस्तार करने, बल्कि कुपोषण के स्तर को कम करने में भी सफल रहे हैं। विगत वर्ष, आफ ने मल्टी–मिलेट न्यूट्री बार लॉन्च किया था।

राशिफल शुक्रवार 3 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 12:06 तक, ब्रह्म योग दिन 2:18 तक, वणिज करण दिन 12:39 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–मेष, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मेष, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 12:06 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा दिन 12:39 से रात्रि 11:25 तक रहेगी। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 7:29 तक, लाभ–अमृत 7:29 से 10:45 तक, शुभ 12:24 से 2:02 तक, चर 5:18 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:47, सूर्यास्त 7:01

मेष

व्यावसायिक और आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में गति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या

आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

तुला

परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक

घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

मित्रों/रिश्तेदारों से मतभेद समाप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित धन प्राप्त होगा।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

सार-समाचार

वृद्धजनों को कराया भोजन

उदयपुर, (कासं)। अखिल भारतीय दिगम्बर जैन दसा नरसिहपुरा संस्थान द्वारा महावीर स्वामी जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में उदयपुर के कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम में निवासरत हरियाणा पंजाब, राजस्थान,केरल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ सहित अनेक राज्यो के वृद्धजन को दिन का भोजन महाप्रसाद सेवा तारा संस्थान पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदयपुर शहर विधायक तारा चंद जैन ने अपने हाथ से वृद्धजन को भोजन परूसकर किया।संस्थान द्वारा सर्वप्रथम अतिथियों नगर निगम उपमहापौर पारस सिंघवी आनन्द वृद्धाश्रम के संरक्षक दीपेश मित्तल, रिनु नागर, क्षेत्रीय पार्षद महेश त्रिवेदी एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान किया। संस्थान परम संरक्षक कुन्ती लाल जैन ने वर्ष भर चलने वाली गतिविधियों को बताया। कार्यक्रम संस्थान कार्याध्यक्ष चेतन मुसलिया , कोषाध्यक्ष जीवंधर हाथी, प्रचार प्रसार मंत्री हँसमुख गनोडिया , धनपाल गांगावत, प्रकाश भंवरा , मोहन लाल किकावत , अनिल जैन , रेखा जैन एव अन्य कई संस्थान पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू

उदयपुर, (कासं)।हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के तत्वावधान में सात दिवसीय संभाग स्तरीय स्काउट गाइड, कब मास्टर, फ्लॉक लीडर का बेसिक व एडवांस कोर्स प्रशिक्षण शिविर मंगलवार को महावीर जैन कॉलेज विद्यालय संस्थान कीर की चौकी भींडर में शुरू हुआ। शिविर में राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) प्रदीप मेघवाल, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) चित्रलेखा शुक्ला, जिला सचिव मदन लाल वर्मा, जिला ऑर्गेनाइजर गाइड शांता वैष्णव, डाइट व्याख्याता एवं बीएसटीसी दल उदयपुर के प्रभारी गिरीश कुमार चौबीसा, जिला मुख्यालय आयुक्त (जनसंपर्क) गोपाल मेहता मेनारिया, मंत्तम बीएसटीसी महाविद्यालय के प्रभारी कृष्ण गोपाल जोशी, अरावली कॉलेज के प्रभारी लक्ष्मीलाल स्वर्णकार ने शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला एवं उपयोगी जानकारी दी। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के जिला मुख्यालय आयुक्त जनसंपर्क गोपाल मेहता मेनारिया ने बताया प्रथम दिन अनुपस्थित रहे अध्यापकों को 3 मई तक शिविर में उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया है, इसके बाद भी शिविर में उपस्थित नहीं देने वाले कार्मिकों की सूची एवं कार्यमुक्त नहीं करने वाले संस्था प्रधानों की सूची जिला कलेक्टर एवं उच्च शिक्षा अधिकारियों को प्रेषित कर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए पत्र भेजा जाएगा।

प्रियंका प्रदेशाध्यक्ष मनोनीत

उदयपुर, (कासं)। खटीक समाज राष्ट्रीय संगठन की कार्यकारिणी की बैठक गुरुवार को स्थानीय कार्यालय में संस्थापक जय निमावत एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आकाश बागडी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मातृशक्ति को समाज में आगे लाने के लिए संस्थापक निमावत एवं अध्यक्ष बागडी ने खटीक समाज राष्ट्रीय संगठन महिला मण्डल कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें प्रियंका चौहान को प्रदेशाध्यक्ष, गंगा कुमारी खटीक को प्रदेश उपाध्यक्ष, तुलसी चन्देल को उदयपुर शहर जिलाध्यक्ष, प्रमिला बागडी व मीनाक्षी कटारिया को उदयपुर शहर जिला उपाध्यक्ष, निशा चंदेल को उदयपुर जिला महामंत्री पद पर मनोनीत किया।

ग्रीष्मकालीन शिविर 15 मई से

उदयपुर, (कासं)। भारतीय लोक कला मण्डल में 15 मई से एक माह तक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। मानद सचिव सत्य प्रकाश गौड ने बताया कि प्रति वर्ष आयोजित किये जाने वाले ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षिण शिविर का आयोजन 15 मई से आयोजित हो रहा है। संस्था निदेशक डॉ. लईक हुसैन ने बताया कि शिविर में 10 वर्ष से अधिक सभी आयु वर्ग के प्रतिभागीयों को लोक नृत्य, लोक गीत, लोक वादन, एवं दस्ताना कठपुतली निमार्ण के साथ शिल्प कलाओं का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। शिविर में भाग लेने हेतु इच्छुक सभी आयु वर्ग के प्रतिभागी कार्यालय समय में आकर 10 मई से 14 मई तक पंजीयन करा सकते है।

धमकाने का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। फैक आईडी बना कर शीररिक संबंध बनाने के लिए पीडिता को धमकाने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडिता ने गांधीनगर अम्बामाता निवासी तोसिफ नामक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीडिता ने बताया कि आरोपी मेरा पिछा करता रहता है तथा मुझसे दोस्ती करने के लिए दबाव डालता रहता है। गत दिनों आरोपी ने मेरा फोटों लगा कर मेरे परिचितों एवं रिश्तेदारों को अश्लील मेसेज भेज दिए तथा मुझे शारीरिक संबंध बनाने की बात कही तथा एसा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी।

लॉफ्टर डे 5 मई को

उदयपुर, (कासं)। वर्ल्ड लॉफ्टर डे पर सहेलियों की बाडी मे लोगो को लाफ्टर योगा कराकर न सिर्फ हसायेंगे बल्कि उससे होने वाले स्वास्थ्य लाभो की जानकारी भी देंगे। सहेलियों की बाडी मे पोस्टर का विमोचन सेलेब्रिटी लॉफ्टर गुरु डॉ. प्रदीप कुमावत के मुख्य आतिथ्य मे हुआ। 5 मई को प्रातः 6:45 बजे सहेलियों की बाडी पार्क के गार्डन में सेलेब्रिटी लॉफ्टर गुरु डॉ. प्रदीप कुमावत द्वारा लाफ्टर का आयोजन होगा।

फसलों की नई किस्में विकसित की जाएं : कुलपति कर्नाटक

उदयपुर, (कासं)। क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति संभाग चतुर्थ-अ की बैठक अनुसंधान निदेशालय के सभागार में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि, उदयपुर के कुलपति की अध्यक्षता में गुरूवार को कृषि अनुसंधान केन्द्र, अनुसंधान निदेशालय, उदयपुर में आयोजित की गई।

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि, उदयपुर के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने बैठक में कहा कि महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि ने गत वर्षों में विभिन्न प्रौद्योगिकी पर 32 पेटेंट प्राप्त किये साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर बकरी की तीन नस्लें एवं भैंस की एक नस्ल को रजिस्टर्ड कराया। गत वर्ष को विविने मिलेट वर्ष के रूप में मनाया एवं एक पिक्टोरियल गाईड भी जारी की। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष अफीम की चेतक किस्म, मक्का की पीएचएम-6 किस्म के साथ असालिया एवं मूंगफली की किस्में विकसित की। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों को आहवान किया कि सभी फसलों की नई किस्में विकसित की जाये ताकि कृषकों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

एमपीयूएटी में दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति खरीफ-2024 संभाग चतुर्थ-अ की बैठक आयोजित हुई।

इस अवसर पर डॉ. कर्नाटक ने कहा आज कृषि में स्थायित्व लाने के लिए कीट बीमारी प्रबंधन एवं जल प्रबंधन पर कार्य करना होगा। निदेशक अनुसंधान डॉ. अरविन्द वर्मा ने बैठक में सम्बोधन में विवि के द्वारा विभिन्न फसलों पर किये अनुसंधान द्वारा विकसित तकनीकियों के बारे में बताया साथ ही उन्होंने जैविक खेती पर विकसित पैकेज ऑफ प्रेक्टिस की जानकारी सदन को दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि विवि ने गत वर्ष विभिन्न फसलों की चार किस्में विकसित की। डॉ. वर्मा ने बताया कि हरित क्रांति के बाद कृषि तकनीकों के क्षेत्र में खासतौर पर बीज, मशीन तथा रिमोट संचालित तकनीकों में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में तकनीकी हस्तान्तरण अन्तराल ज्यादा था, लेकिन अब किसान ज्यादा जागरूक होने से तकनीकी हस्तान्तरण ज्यादा गति से हो रहा है।

डॉ. पी. के. सिंह, अधिष्ठाता, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ने सरकार द्वारा संचालित योजनाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. लोकेश गुप्ता, राजस्थान कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता ने दुध की गुणवश्रा एवं उत्पादकता बढाने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में अतिरिक्त निदेशक कृषि विभाग,भीलवाडा डॉ. राम अवतार शर्मा तथा संयुक्त निदेशक उद्यान, भीलवाडा एवं संयुक्त निदेशक कृषि,भीलवाडा, संयुक्त निदेशक कृषि चित्तौडगड, राजसमन्द एवं अन्य अधिकारी एवं एमपीयूएटी के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. अमित त्रिवेदी ने अतिथियों का स्वागत करते किया। बैठक में विभिन्न वैज्ञानिकों व अधिकारियों द्वारा गत खरीफ में किये अनुसंधान एवं विस्तार कार्यो का प्रस्तुतीकरण किया तथा किसानों को अपनाने हेतु सिफारिशें जारी की गई। अंत में अनुसंधान निदेशालय के सहायक आचार्य डॉ. बृज गोपाल छीपा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

वन्यजीव गणना 23 से 24 मई तक

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान में वन्यजीव गणना 23 से 24 मई तक होगी। वन विभाग ने कार्यक्रम जारी कर संबंधित जिलों में गणना कराने को लेकर योजना बनाना शुरू कर दिया है। इस बार की गणना वाटर होल पद्धति से होगी। प्रदेश में कोरोना और उसके बाद तूफान व बारिश से वन्यजीव गणना नहीं हो पाई। अब जाकर इस साल में वन्यजीव गणना का कार्यक्रम बना है।

उपवन्य जीवसंरक्षक अजय चित्तौडा के अनुसार जारी आदेश के तहत वैशाख पूर्णिमा पर 23 मई को सुबह 8 बजे वन्यजीवों की गणना शुरू होगी जो 24 मई सुबह 8 बजे तक चलेगी। गणना सटीक हो इसके लिए वन्यजीव प्रभाग के प्रधान मुख्य संरक्षक जयपुर से पूरी गाइडलाइन जारी की गई है। प्रदेश में बाघ-बघेरा और अन्य वन्यजीवों की संख्या आंकलन के लिए सभी संरक्षित क्षेत्रों, प्रादेशिक वन मण्डलों एवं महत्वपूर्ण वन्यजीव बाहुल्य क्षेत्रों में वाटर होल संख्या आकलन पद्धति से बैशाख पूर्णिमा पर 24 घंटे तक कराई जाएगी। चित्तौड़ा ने बताया कि वन्यजीव संख्या आकलन के लिए बीट को इकाई मानकर गणना की जाएगी। बीट में उपलब्ध पानी के स्त्रोतों को 23 मई को पानी की उपलब्धता देखते हुए सूचीबद्ध किया जाएगा। ऐसे वॉटर हॉल्स जहां पर अधिक संख्या में विभिन्न प्रजाति के वन्यजीव आने की संभावना हो वहां पर कैमरा ट्रेप लगाए जाए। सभी वन मंडलों को वन्यजीव गणना के आंकडे अपने मंडल के जरिए सीधे जयपुर मुख्यालय को 4 जून तक भेजने होंगे।

कृषि में श्रम साध्य साधनों के उपयोग पर प्रशिक्षण

कृषि में श्रम साध्य साधनों के उपयोग पर प्रशिक्षण का आयोजन हुआ।

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि, उदयपुर के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा लघु एवं सीमांत कृषक परिवारों में कृषि मशीनरी को बढावा देने हेतु व कृषि में श्रम साध्य साधनों के उपयोग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र चित्तौड़गढ़ पर किया गया। प्रशिक्षण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रयोजित परियोजना के अन्तर्गत आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के आरम्भ में निदेशक प्रसार शिक्षा एवं प्रोजेक्ट इन्चार्ज डॉ. आर.ए. कौशिक ने कृषक महिलाओं को कहा कि बढती जनसंख्या को देखते हुए किसानों को जरूरत है सघन एवं सुक्ष्म अवधी कृषि की। इसके लिए उन्नत बीज, खाद एवं समय पर कृषि कार्यो को सम्पन्न करने के लिए आधुनिक कृषि यंत्रो का उपयोग करना आवश्यक हो गया है। इनके कृषि में उपयोग ये से मानव श्रम न्यूनतम हो जाता है। अनुसंधानों के आधार पर कहा जा सकता है कि कृषि यंत्रों के उपयोग से कृषि कार्यों में लगने वाले श्रम व समय को 20-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है। इसके अतिरिक्त उर्वरकों, बीजों व रसायनों पर होने वाले खर्च में भी तकरीबन 15-20 प्रतिशत की कमी आ जाती है।प्रशिक्षण की मुख्य वक्ता डॉ. हेम राठौड, वैज्ञानिक एक्रिप ने कृषक महिलाओं के श्रम व साध्य साधनों के उपयोग पर प्रकाश डाला साथ ही उन्नत दरांती, मक्का छीलक यंत्र, मूंगफली छीलकयंत्र, ट्रांस्प्लान्टर, वेजीटेबल पिकिंग बैग, सोलर हेट, अंगुली मे पहने जाने वाली सब्जी कटर आदि पर प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में डॉ. लतिका व्यास, आचार्य ने कृषि में महिलाओं के योगदान पर चर्चा की और बताया कि कृषि में खेती की तैयारी से भण्डारण तक की 90 प्रतिशत क्रियाएं महिलाओं द्वारा सम्पादित की जाती है। इसी दिशा में कृषि को और भी समृद्ध बनाने के लिए कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण आयोजित किये जा रहे है।

सार-समाचार

अपहरण एवं दुष्कर्म का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। प्रकरण के अनुसार गत दिनों पीडिता ने ने अपनी नाबालिग पुत्री के लापता होने की पुलिस थाने में रिपोर्ट दी थी। इस मामले में कोटड़ा थानाधिकारी अशोक कुमारसिंह ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर पीडिता को दस्तियाब किया। इस दौरान पीडिता के चार माह का गर्भ होने की जानकारी सामने आने पर आरोपी अकरम खां पुत्र सलीम खां, सलीम पुत्र रकीम खां, हकीम खां पुत्र कुरबानुद्दीन निवासी कोटड़ा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। आठ माह पूर्व अकरम पीडिता की नाबालिग पुत्री को अपने साथ ले गया था एवं उससे शादी कर ली थी। आरोपी की मां भी आदीवासी होकर पति को छोड़ जाने एवं आरोपी व उसके परिवार जनों को समाज से बहिष्कृत करने की जानकारी सामने आई। इस दौरान आरोपी अपने नाना के पास रह रहा था एवं टेक्सी चलाने का काम करता था। इस मामले की जानकारी कोटडा थानाधिकारी कर रहे है।

बदमाशों ने महिला का पर्स छीना

उदयपुर, (कासं)। बाइक सवार बदमाश स्कूटी सवार महिला का पर्स छिन ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडिता बाईन्दर इस्ट बी सिद्धि विनायक टावर अपार्टमेंट कमलाकर पाटिल मुम्बई हॉल हिरणमगरी सेक्टर 11 सविना ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसने उसने बताया कि 29 मई रात में मैं स्कूटी लेकर गवरी चोराहा से सेक्टर 14 की तरफ जा रही थी। जहां बीच रास्ते मे बाइक सवार बदमाश मेरे कंधे में लगा पर्स छिन ले गए। जिसमें मोबाईल व 5 हजार रूपये नकदी थी। इस मामले में सविना थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच हेडकांस्टेबल बिनेश कुमार कर रहे है। इसी तरह कल्याणपुर थाना पुलिस ने मनिषा पत्नी हाजर मीणा निवासी भागला फला हेरवाली अमरपुरा की रिपोर्ट पर अज्ञात बदमाश के खिलाफ 7अप्रेल को राह चलते मोबाईल व 1500 रूपये छिन ले जाने का प्रकरण दर्ज किया।

युवती का शव सौंपा

उदयपुर, (कासं)। फतहसागर में कूद कर आत्महत्या करने वाली युवती का शव परिजनों को सौंपा। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र फतहसागर में बुधवार सांय युवती ने कूद कर आत्महत्या कर ली। जिसे पुलिस ने बाहर निकाल शव को मोर्चरी में रखवा कर उसकी शिनाख्त माणस बाघपुरा हॉल धामनण्डी निवासी किरण पुत्री फतहलाल पारगी के रूप में शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी। गुरूवार को परिजनों के आने पर एएसआई शिवदत्तसिंह ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि किरण अपनी बहन के पास धानमण्डी क्षैत्र में रहते हुए पढाई करती थी एवं बेबी केयर का काम भी करती थी। गत दिनों से वह पढाई एवं काम को लेकर मानसिंक तनाव में थी। इसी के चलते बुधवार सांय फतहसागर में कूद कर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

महिला का अंतिम संस्कार कराया

उदयपुर, (कासं)। एमबी चिकित्सालय में उपचाररत अज्ञात महिला की मौत होने पर पुलिस ने सामाजिक संस्था के जरिये मृतका का अंतिम संस्कार करवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में स्थित आशाधाम आश्रम में रहने वाली अज्ञात सुनिता (59) को बीमार होने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जिसकी मौत होने पर एएसआई अशोक कुमार ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा वैकुण्ठ धाम की मदद से मृतका का अंतिम संस्कार करवाया। 29 जून 2022 को ऋषभदेव थाना पुलिस ने अज्ञात महिला सुनिता को आशाधाम आश्रम में छोडा था। जिसकी तबीयत खराब होने पर उसे एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया था।

अठारह जुआरी गिरफ्तार, नकदी जब्त

उदयपुर, (कासं)। शहर के नाई थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अठारह जुआरियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से एक लाख रूपये की नकदी जब्त की। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक गजेन्द्रसिंह राव के सुपरविजन में नाई थानाधिकारी नरतपसिंह के नेतृत्व में एवं जिला स्पेशल टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए 18 जुआरियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 1 लाख 3 हजार रूपये नकदी, जुआ उपकरण जब्त कर मामला दर्ज किया।

टावर में आगजनी का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के बडगांव थाना पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ टावर में आगजनी करने का मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसर पीडित सावंतसिंह पुत्र भंवरसिंह चौहान निवासी बम्बोरा कुराबड़ हॉल सुरखा अकिधकारी इण्डसन टावर कंपनी उदयपुर ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि दो दिन पूर्व जयपुर से इसवाल स्थित टावर बंद होने की सूचना मिली। इस पर मौके पर जाकर देखा तो 30 अप्रेल रात में इसवाल स्थित टावर के सेल्टर होम मे आग लगी हुई होकर सभी बेटरिया जली हुई पडी थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच बडगांव थाना एएसआई अमरसिंह कर रहे है।

अर्जी लगाई

उदयपुर, (कासं)। हिंदूवादी नेता उपदेश राणा ने अपने पासपोर्ट में पता बदलवाने के लिए गुरुवार को अनापत्ति प्रमाणपत्र लेने के लिए उदयपुर न्यायालय में प्रार्थना पत्र पेश किया।इस दौरान राणा से मिलने हिन्दू संगठनों के पदाधकारी भी अदालत पहुंचे जिसके कारण पुलिस को अदालत परिसर में भारी पुलिस बल लगाना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में राजसमंद में शंभूलाल रेगर द्वारा किया गए हत्याकांड के संबंध में हिंदूवादी नेता उपदेश राणा का एक वीडियो वायरल हुआ था, इस वीडियो से धार्मिक भावनाएं आहत होने पर उदयपुर की हाथीपोल थाना पुलिस ने प्रसंज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया।

नाम परिवर्तन

मैं SUBUHI BEGAM निवासी MAMA BHANEJ ROAD RAJNAGAR तह. RAJASAMAND ने अपना नाम बदल कर SUBUHI KHAN रख लिया है।
भविष्य में मुझे इसी नये नाम से जाना जावे।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार के पत्र क्रमांक: No. F1 (4)/DEIAA /Mines/2016/2122 Dated 18/4/2017 के द्वारा मैसर्स श्री सांईनाथ मिनरल्स ML नम्बर 5/2013 क्षेत्रफल 4.8236 हेक्टर वास्ते खनिज क्वार्ट्ज फैल्सपार निकट ग्राम टणका तहसील आमेट जिला राजसमंद (राज.) Production Capacity 35693 TPA के लिए पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति की प्रति DEIAA एवं राजस्थान प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल कार्यालय में जन साधारण के लिए उपलब्ध है एवं प्रदूषण मण्डल की वेबसाईट www.rpcb.nic पर देखी जा सकती है। श्री सांईनाथ मिनरल्स

गीतांजली में रोबोटिक्स कार्यशाला आयोजित

विद्यार्थियो के लिए रोबोटिक्स कार्यशाला का आयोजन हुआ।

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नीकल स्टडीज, डबोक, उदयपुर में सिरोही जनपद के प्रमुख स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए रोबोटिक्स कार्यशाला का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने हेण्ड्स ऑन ट्रेनिंग के माध्यम से ब्लूटुथ नियंत्रित रोबोट एवं ऑटोमेटिव रोबोट बनाकर जानकारी हासिल की।

संस्थान के निदेशक डॉ. एन. एस. राठौड ने बताया कि बच्चे देश के भविष्य होते हैं। उनके जीवन को संवारने की जिम्मेदारी शिक्षकों की होती हैं। एक इन्जिनियरिंग कॉलेज होने के नाते हमारा दायित्व बनता हैं कि विद्यार्थियों को स्कूल स्तर पर ही तकनीकी शिक्षा क्षेत्र में अग्रसर बनाया जाये। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत उसकी रक्षा, अंतरिक्ष, रोबोटिक्स, ऊर्जा और बॉयो टेक्नोलोजी के क्षेत्र में 5 वें स्थान पर है। उसको पहले पायदान पर लाने के लिए हमें स्कूल स्तर पर ही तकनीकी वातावरण का परिवेश देना होगा। इस कार्यशाला में पिण्डवाडा के विवेकानन्द सीनियर सैकण्डरी स्कूल, बी. एस. जे.जी. एस.एस.लक्ष्मीपत सिंघानिया स्कूल बनास और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आबुरोड आदि के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यशाला में 40 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों ने भाग लेकर रोबोट का निर्माण किया तथा बनाये हुए रोबोट को कॉलेज की तरफ से विद्यार्थियों को प्रदान किया। विद्यार्थियों को ट्रेनिंग असिस्टेंट प्रोफेसर लतिफ खान द्वारा प्रदान की , संयोजन डॉ. चिंतल पटेल ने किया।

दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन

उदयपुर, (कासं)। भूपाल नोबल्स विवि की संगठक इकाई भूपाल नोबल्स स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भौतिकी विभाग द्वारा रिसेंट ट्रेड एंड डेवलपमेंट इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए मुख्य अतिथि डॉ. संजीव तिवारी, लॉकहीड मार्टिन सोलर एंड एस्ट्रोफिजिक्स लैबोरेट्री एंड बे एरिया एनवायरमेंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट केलिफोर्निया, यूएसए ने मैग्नेटिक फील्ड ऑफ सन विषय पर बताया कि चुंबकीय क्षेत्र उन चीजों द्वारा निर्मित होते हैं जो चुंबकीय होती है या गतिमान आवेशित कण। जैसे-जैसे सूर्य घूमता है सूर्य की चुंबकीय क्षेत्र रेखाएं समय के साथ उलझती जाती है। यह उलझे हुए चुंबकीय क्षेत्र सन स्पॉट और सौर गतिविधि जैसे सौर फ्लेयर्स और कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) को जन्म देते हैं। डॉ सोनालिका अग्रवाल, रिसर्च साइंटिस्ट, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एडवांस्ड साइंस एंड इंजीनियरिंग, हिरोशिमा यूनिवर्सिटी, जापान ने मेटल ऑक्साइड नैनो स्ट्रक्चर के उपयोग को प्रस्तुत करते हुए बताया कि फोवोकिल्ट प्रभाव, सौर ईंधन, प्रकाश उत्सर्जक, नैनो डिवाइस, लेजर तकनीक आदि का संभावित अनुप्रयोग चिकित्सा, कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यावरण,ऊर्जा आदि क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संगोष्ठी अध्यक्ष डॉ. रेणू राठौड एवं संगोष्ठी आयोजन सचिव

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ।

डॉ. देवेंद्र पारीक ने कार्यक्रम को विस्तृत रूप से बताते हुए कहा कि डॉ. जयंत जोशी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, बैंगलोर ने नेशनल लार्ज सोलर टेलीस्कोप पर चर्चा करते हुए कहा कि इसे सौर चुंबकीय क्षेत्र की उत्पत्ति और गतिशीलता से संबंधित प्रमुख वैज्ञानिक मुद्दों की एक श्रृंखला को संबोधित करने के लिए डिजाइन किया है। प्रो. मुकेश श्रीमाली, डायरेक्टर पेसिफिक यूनिवर्सिटी उदयपुर ने नेचर अवेयरनेस तथा डॉ. मल्केश कुमार पटेल, प्रिंसिपल रिसर्चर, डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इंचियोन नेशनल यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया ने सॉलिड स्टेट डिवाइसेज पर प्रकाश डाला। डॉ.अरुण कुमार अवस्थी, स्पेस रिसर्च सेंटर पीएएस रॉक्ला, पोलैंड ने सन अर्थ कनेक्शन की विस्तृत व्याख्या की। इसी क्रम में डॉ. विशाल जोशी, डॉ. कुमार अल्केंद्र प्रताप सिंह, डॉ. एस आर मदन शंकर.प्रो. एस एन ए जाफरी आदि ने उपस्थित मंच से विषय से संबंधित अपने विचारों को सभी के समक्ष साझा किया। संगोष्ठी निदेशक डॉ. रितु तोमर, अधिष्ठाता पी जी स्टडीज डॉ. प्रेम सिंह रावलोत, डॉ. कमल सिंह राठौड सहित सभी संकाय सदस्य इसमें उपस्थित रहे। संगोष्ठी के मुख्य संरक्षक कर्नल प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत, संरक्षक डॉ. महेंद्र सिंह राठौड, सह संरक्षक मोहब्बत सिंह राठौड ने सफल आयोजन पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। संगोष्ठी समन्वयक डॉ. विमल सारस्वत एवं सह समन्वयक डॉ .निकुंज जैतावत ने देश के विभिन्न राज्यों से आए 125 शोधार्थियों के शोध पत्रों के बारे में जानकारी दी एवं शोधार्थियों ने भी शोधपत्रों के वाचन के साथ ही दो दिवसीय अपने अनुभवों को साझा किया। संगोष्ठी का प्रतिवेदन एवं धन्यवाद भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र पारीक ने प्रेषित किया। संगोष्ठी सदस्य डॉ.लोकेश सुथार एवं सुश्री दीपाली बारेगामा ने बताया कि ओरल प्रेजेंटेशन में प्रथम स्थान पर प्रांजल जोशी, आंचल नलवाया एवं अमीना अबूबाकर, द्वितीय स्थान पर पुष्पेंद्र व्यास तथा तृतीय स्थान पर सुधीर सवासिया विजेता रहे।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

उदयपुर (मुख्य) शाखा, पोस्ट बॉक्स नं. 11, टाउन हॉल, उदयपुर-313001 (राजस्थान), फोन: 0294-2410226, 2422148, 2420671, 2421673 ई-मेल: udaipu@bankofbaroda.com

अनुबंध-क अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
"परिशिष्ट-IV-क" [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।
आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जैसी है जहां है", "जो है जैसी है", "जितनी भी उपलब्ध है" और "दायित्व रहित" के आधार पर बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं के नाम एवं पते- मैसर्स प्रिसियस मेटल्स रिसाइकलर्स प्रोपराईटर एवं जमानतदार- श्रीमती रानू सिंघवी पत्नी श्री कमल सिंघवी 248/18, अशोक नगर, उदयपुर-313001, राजस्थान एवं जमानतदार- मैसर्स प्रिसियस मशीनरी टूल्स प्रोपराईटर श्रीमती रानू सिंघवी पत्नी श्री कमल सिंघवी एवं श्री नितिन पारीख पुत्र श्री के एल जैन 248/18, अशोक नगर, उदयपुर-313001, राजस्थान

कुल बकाया राशि मांग पत्र के अनुसार- रूपये 2,39,99,009.20 दिनांक 08.10.2022 को बकाया एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।

वर्तमान बकाया राशि- रूपये 2,57,58,930.48 दिनांक 30.04.2024 को बकाया एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।

कब्जे की स्थिति (प्रलक्षित/वास्तविक)- वास्तविक

संपत्ति निरीक्षण की दिनांक व समय- 31.05.2024, सुबह 11:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक

ई-नीलामी की दिनांक- 06.06.2024

ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय- दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक

ज्ञात संपत्ति के साथ अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	आरक्षित मूल्य, धरोहर राशि (ईएमडी) एवं बोली वृद्धि राशि
श्रीमती रानू सिंघवी पत्नी श्री कमल सिंघवी के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो प्लॉट नं. 18-बी, अम्बावगढ़, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 4005.00 वर्ग फीट है। सीमाएं- उत्तर: प्लॉट नं. 18-यू, दक्षिण: प्लॉट नं. 18-डब्ल्यू, पूर्वः रोड़, पश्चिम: रोड़ अन्य ऋण भार: ज्ञात नहीं	आरक्षित मूल्य- रूपये 1,98,25,000/-
	धरोहर राशि- रूपये 19,82,500/-
	बोली वृद्धि राशि- रूपये 50,000/-
विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं https://ibapi.in देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से दूरभाष नं.- 0294-2410226, 2422148, 2420671, 2421673, मोबाईल नं. 8875006669 पर संपर्क कर सकते है।	विवरण के लिए यहां स्कैन करें

दिनांक: 01.05.2024 हस्ता.
स्थान: उदयपुर (मुकेश कुमार फुलवारी), प्राधिकृत अधिकारी

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, अजमेर व जयपुर से चुराई बाइक बरामद

आरोपी के कब्जे से पुलिस ने चोरी की 19 मोटरसाईकिलें बरामद की

अजमेर, (कासं)। शहर में चोरी नकबजनी, लूट व सम्पति संबंधी अपराधों की रोकथाम, वाहन चोरी की वारदातों पर अकुंश लगाने व अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई के दिशा निर्देशों पर कार्यवाही करते हुए क्लॉक टावर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी के कब्जे से चुराई गई 19 मोटरसाइकिलें भी बरामद की है। आरोपी ने अजमेर सहित जयपुर के कई थाना क्षेत्रों में वारदात अंजाम देना कबूला है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर अनुसंधान में जुटी है।

सिटी एडिशनल एसपी दुर्ग सिंह ने गुरुवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि क्लॉक टावर थाने 29 अप्रैल को प्रार्थी मुकेश पुत्र छोटूलाल रेगर निवासी जेठाना हाल जवाहर की नाडी चन्द्रवरदाई नगर ने एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया कि 24 अप्रेल को किसी कार्य से मार्टिण्डल ब्रिज के पास एलजी शोरूम के सामने अपनी मोटरसाईकिल खड़ी की थी, जब वापस आया ता मोटरसाईकिल वहां नहीं मिली। अज्ञात चोर चोरी करके ले गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया गया कर सीसीटीवी फुटेज का गहनता से अवलोकन कर फुटेज में दिखे हुलिये के आधार पर अज्ञात चोर की तलाश आरम्भ की तथा सादा वस्त्रों में टीम बनाकर तलाश हेतू जगह-जगह लगाये गए।

अजमेर की क्लॉक टावर थाना पुलिस ने वाहन चोर को गिरफ्तार कर मोटरसाइकिलें बरामद की।

- पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज खंगाले

एएसपी दुर्ग सिंह ने बताया कि आरोपी को पकड़े के लिए एसपी विश्नोई के दिशानिर्देशों पर टीक का गठन किया। टीम ने मुखबिर की सूचना पर शातिर वाहन चोर को चोरी गई मोटरसाईकिल के साथ डिटेन किया व थाने लाकर पूछताछ कर आरोपी अनिल कुमार वर्मा पुत्र छीतरमल निवासी बलाईयों का मोहल्ला साकून पुलिस थाना नरैना जिला जयपुर को प्रकरण में गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पूछताछ में शातिर वाहन चोर चोरी की गई मोटरसाईकिल को बेचने की फिराक में ग्राहक की तलाश में घूम रहा था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अजमेर शहर व जयपुर के कई थाना क्षेत्रों में मोटरसाईकिलें चोरी करना कबूल किया।

महिला पार्षद, पार्षद पति सहित अन्य पर अवैध वसूली के आरोप

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र के नगरा स्थित एक भवन निर्माण कार्य करवाने की एवज में अवैध वसूली करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थाने में शिकायत देते हुए वार्ड की महिला पार्षद, पार्षद पति सहित अन्य पर अवैध राशि वसूली के आरोप लगाए हैं। रकम नहीं देने पर स्थानीय लोगों के साथ मिलकर निर्माण कार्य रुकवाने और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलवर गेट थाना क्षेत्र नगरा निवासी पीड़ित रविंद्रपाल सिंह छाबड़ा ने थाने में लिखित शिकायत देते हुए वार्ड की महिला पार्षद लक्ष्मी बुंदेल, अन्य महिला पार्षद के पति ईश्वर राजोरिया सहित अन्य लोगों के खिलाफ अवैध वसूली करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित छाबड़ा ने बताया कि वर्ष 2017 में अपनी जमीन पर चारदीवारी का निर्माण करवाना शुरू किया था, जिसे आरोपियों ने अन्य स्थानीय लोगों के साथ मिलकर रोकने का प्रयास किया। पुनः जनवरी 2024 को अपने निर्माण कार्य को शुरू किया तो महिला पार्षद लक्ष्मी बुन्देल ने निर्माण कार्य की एवज में अनाधिकृत राशि की मांग की। छाबड़ा ने कहा कि महिला पार्षद को रकम देने से इंकार कर दिया। जिस पर पार्षद ने पुलिस, नगर निगम सहित एडीए को शिकायत कर दी।

- पीड़ित ने मुकदमा दर्ज कराया, निर्माण कार्य करवाने की एवज में अवैध वसूली का आरोप

धमकी और समझौते का बनाया दबाव :- पीड़ित छाबड़ा ने बताया कि पार्षद के कहने पर अलवर गेट थाने से दो पुलिस वाले आए और ठेकेदार को काम बंद करवाने की धमकी दी गई, लेकिन काम बंद करने से मना कर दिया। पीड़ित ने बताया कि उसी दिन एक व्यक्ति उसके पास आया और कहा कि वह महिला पार्षद को 5 लाख या दुकान दे दे तो वह किसी प्रकार का विरोध नहीं करने के लिए उन्हें समझाकर चुप करवा देगा, लेकिन उसने उस व्यक्ति को भी पैसे देने से मना कर दिया।

पीड़ित छाबड़ा ने आरोप लगाते हुए बताया कि दूसरे दिन आरोपियों ने आपसी मिलीभगत कर अन्य लोगों को भडक़ते हुए उसकी निजी संपत्ति को मंदिर परिसर की संपत्ति बताते विरोध किया। बाद में निर्माण कार्य रुकवाने का प्रयास किया, इसके साथ ही उसे झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी गई। उसने इसकी शिकायत अलवर गेट थाने में दी लेकिन किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने बताया कि महिला पार्षद लक्ष्मी बुन्देल और अन्य महिला पार्षद के पति ईश्वर राजोरिया ने उसकी जमीन को मंदिर संपत्ति बताते हुए स्थानीय लोगों को भडक़ा रहे हैं। साथ भीड़ का फायदा उठाकर उसकी संपत्ति पर जाकर तोड़फोड़ की गई। पुलिस में शिकायत करने के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने कहा कि उसे परेशान किया जा रहा है। इसके बाद उसने कोर्ट के जरिए थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वहीं अन्य महिला पार्षद पति ईश्वर राजोरिया ने मामले में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि सार्वजनिक संपत्ति का मामला है, मंदिर विकास समिति की जमीन है, जिस पर अवैध निर्माण और फर्जी दस्तावेज बनाकर कब्जा किया गया है। क्षेत्रवासियों ने इसकी शिकायत उन्हें दी थी। मामले में प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करवाया था, जिसके निर्माण कार्य का काम बंद करवाया गया। उसके बाद ही उन पर झूठे आरोप लगाये जा रहे हैं। वहीं मामले में जब महिला पार्षद लक्ष्मी बुन्देल से फोन जानकारी लेनी चाही, तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हंगामा

भरतपुर, (निसं)। मथुरा गेट थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हंगामा हो गया। हंगामे की सूचना पर सीओ सिटी सुनील प्रसाद, मथुरा गेट थाना अधिकारी करण सिंह राठौड़, कोतवाली थाना अधिकारी रूपराम पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और हंगामा शांत कराया। फिलहाल नगर निगम के द्वारा स्थिति की जांच की जा रही है।

मथुरा गेट थाना क्षेत्र में काफी समय से आरबीएम अस्पताल के सामने की जमीन पर विष्णु बंसल व डॉ. जगवीर का विवाद चल रहा है। इस जमीन पर विष्णु बंसल के द्वारा चारदीवारी का कार्य करवाया जा रहा था। जिस पर डॉ. जगवीर पक्ष के लोगों ने इसका विरोध किया। जिस पर दोनों पक्षों में विवाद हो गया और हंगामे की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर सीओ सिटी सुनील प्रसाद, मथुरा गेट थाना अधिकारी करण सिंह राठौड़, कोतवाली थाना अधिकारी रूपराम पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और हंगामा शांत कराया। जहां विष्णु बंसल के द्वारा पुलिस व नगर निगम के अधिकारियों को जानकारी दी कि वह इस जमीन का मामला कोर्ट में चल रहा था। कोर्ट ने उसके पक्ष में फरवरी 2024 में फैसला सुनाया है इसलिए चारदीवारी का निर्माण कराया जा रहा है। वहीं डॉ. जगवीर सिंह का कहना है कि इस जमीन को लेकर कोर्ट में मामला चल रहा है। जिसकी आगामी जुलाई में सुनवाई होनी है। ऐसे में जमीन पर निर्माण कार्य कराना सही नहीं है। फिलहाल अधिकारी दोनों पक्षों के कागजातों की जांच में जुटे हुए हैं।

खेत में बनी डिग्गी में नहाने उतरे चार बच्चे, दो चचेरे भाइयों की मौत

पदमपुर के गांव 5 ईईए में हुआ हादसा, बकरियां चराने गए थे

पदमपुर, (निसं)। क्षेत्र के गांव 5 ईईए में बड़ा हादसा हो गया। वहां खेत में बनी डिग्गी में नहाने के लिए उतरे चार बच्चों में से दो की डूबने से मौत हो गई। श्रमिक परिवार से जुड़े दोनों बच्चे चचेरे भाई बताए जा रहे हैं।

जानकारी अनुसार गांव 5 ईईए के श्रमिक परिवारों के पांच बच्चे बकरियां चराते हुए खेत में बनी के नजदीक चले गए। दोपहर में तेज गर्मी के चलते इनमें चार बच्चे नहाने के लिए पानी में उतर गए। इस दौरान शोर सुनकर बाहर खड़े बच्चे ने वहां पड़ी एक रस्सी को डिग्गी में फेंका। इसे पकड़कर दो बच्चे किसी तरह डिग्गी से बाहर से निकल आए लेकिन गहराई में जाने से अन्य दो बच्चे बाहर नहीं निकल सके। यह देख बाहर खड़े बच्चे ने शोर किया तो वहां अन्य लोग एकत्र हो गए। वहां पहुंचे लोगों ने मशक्कत कर दो बच्चों हरीश (15) पुत्र शंकरलाल नायक और सागर (11) पुत्र सुभाषचंद नायक को बाहर निकाला और बचाव के प्राथमिक प्रयासों के बाद उन्हें सीएचसी पर ले जाया गया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। दोनों बच्चों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। श्रमिक परिवारों से जुड़े दोनों बच्चों की मौत का समाचार सुनकर ग्रामीणों में शोक छा गया।

- श्रमिक परिवार से जुड़े दोनों बच्चे चचेरे भाई बताए जा रहे हैं

डिग्गी में डूबे दोनों बच्चों को बचाने का काफी प्रयास किया गया लेकिन विफल रहा। जानकारी अनुसार डिग्गी में से बच्चों को निकालने के लिए पानी में रस्सी डालने के साथ ग्रामीण खुद भी पानी में उतर गए और मशक्कत कर बच्चों को बाहर निकाला। इस दौरान मौके पर उन्होंने बच्चों की सांस वापस लाने के लिए कई प्रयास किए लेकिन विफल रहे। उधर, पदमपुर थाने के एसएचओ सुरेंद्र राणा ने बताया कि पोस्टमार्टम करवाकर बच्चों के शव परिजन को सौंप दिए गए। उन्होंने यह भी बताया कि श्रमिक परिवार से जुड़े बच्चे घर की बकरियों को ही चराने के लिए निकले थे।

लापता कोचिंग छात्रा पंजाब से दस्तयाब

कोटा, (निसं)। शहर के अनंतपुरा थाना इलाके में पीजी में रहकर नीट यूजी की तैयारी कर रही यूपी के कुशीनगर निवासी छात्रा पिछले दिनों लापता हो गई थी। करीब 10 दिन की तलाश के बाद पुलिस ने छात्रा को दस्तयाब कर लिया है। छात्रा पंजाब से दस्तयाब की गई है। कोचिंग छात्रा ने पूछताछ में बताया कि उसने ज्यादातर समय वृंदावन में ही बिताया है।

कोटा सिटी एसपी डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि उत्तरप्रदेश के कुशीनगर नगर निवासी 21 वर्षीय छात्र तृप्ति सिंह गोबरिया बावड़ी ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक पीजी में रहती थी। वह 21 अप्रैल को कोचिंग के लिए पीजी से निकली थी जिसके बाद वापस नहीं आई। उसके पीजी रूम की तलाशी लेने पर वहां सुसाइड नोट भी मिला था। इस संबंध में पीजी संचालिका ने 23 अप्रैल को गुमशुदगी दर्ज की थी। तृप्ति की तलाश में पुलिस टीम मुस्तैदी से जुट गई। उसके परिजनों से भी बातचीत की गई थी। छात्रा की तलाश में चंबल नदी में गोताखोरों ने अभियान भी चलाया था। अनंतपुरा थानाधिकारी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि जिस कॉपी में सुसाईड नोट लिखा था वहां पर तृप्ति ने राधा-कृष्ण भी लिखा था। उसके मोबाइल डिटेल के अनुसार उसके वृंदावन जाने की पुष्टि हुई। ऐसे में टीम को वृंदावन और मथुरा भेजा गया। यहां पुलिस को सूचना मिली कि तृप्ति वहां से लुधियाना गई है। इसके बाद पंजाब के लुधियाना से तृप्ति को दस्तयाब किया गया और परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा।

पिकअप और ट्रैक्टर की भिड़ंत में एक की मौत, आठ घायल

- छह की हालत गंभीर होने पर नीमकाथाना व झुंझुनूं किया रैफर
- परिवारजन शोक सभा में शामिल होने नीमकाथाना से भिटेरा आए थे

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के बडाऊ के पास गुरूवार दोपहर को एक पिकअप और ट्रैक्टर की भिडंत हो गई। इस दौरान हुए हादसे में पिकअप में सवार करीब आठ लोग घायल हो गए। हादसे में छह जनों की हालत गंभीर होने पर उन्हें नीमकाथाना व झुंझुनूं रैफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार पंडाली की ढाणी तन महुवा नीमकाथाना के रहने वाले सीआरपीएफ में कार्यरत रघुवीर सिंह अपने ससुराल भिटेरा में एक महिला की मौत होने पर शोक व्यक्त करने के लिए पिकअप गाड़ी में परिवार के लोगों के साथ आए थे। जब वह शोक सभा में शामिल होने के बाद वापस अपने गांव जा रहे थे तो बडाऊ पंचायत के रामनगर के पास ट्रैक्टर से पिकअप की टक्कर हो गई। इस दौरान हादसा होने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा हादसे में घायलों को बडाऊ के सामुदायिक अस्पताल में पहुंचाया गया। इस दौरान हादसे में घायल पप्पू, सतवीर, मोहनलाल, ओमप्रकाश, तुलसी देवी की हालत गंभीर होने पर उन्हें नीमकाथाना तथा रघुवीर सिंह को झुंझुनूं रैफर कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इसके अलावा अन्य घायलों को हल्की चोटें होने पर उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से सड़क निर्माण का कार्य करवाया जा रहा है। हादसे में टक्कर लगने वाला ट्रैक्टर सड़क का निर्माण कार्य कर रहा था। इस दौरान सवारी भरकर आ रही पिकअप के अनियंत्रित हो जाने से ट्रैक्टर से टकरा गई, जिससे हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि हादसे में गंभीर चार घायल पिकअप गाड़ी के ऊपर बैठे हुए थे, जिसके चलते उनको गंभीर चोटें आई है। हादसे के दौरान ट्रैक्टर व पिकअप गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे की सूचना पर खेतड़ीनगर पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना के बारे में जानकारी जुटाई।

थानाधिकारी विजय कुमार चंदेल ने बताया कि रामनगर में गौशाला के पास ट्रैक्टर व पीकअप गाड़ी की टक्कर लगने से हादसा हुआ है। एक रघुवीर सिंह नाम के व्यक्ति की हालत गंभीर होने पर झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में रैफर गया था, जिसकी मौत हो गई है। अभी ओर घायलों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। हादसा का मुख्य कारण जानने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी फर्म बनाकर रकम हड़पी

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने फर्जी फर्म बनाकर मार्बल ग्रेनाइट की रकम हड़पने के आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। पीसांगन निवासी पीड़ित किशन वैष्णव ने एडवोकेट रुपेश शर्मा के जरिये अदालत में जाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बजरंग कॉलोनी में रहने वाले राजू पुत्र सुवादास व इसका भाई भगवानदास ने अक्टूबर, दिसम्बर 2023 सहित जनवरी 2024 में करीब 58 लाख रूपये का नौ गाड़ी ग्रेनाइट बतौर उधार क्रय किया गया था, किंतु दोनों भाईयो ने समय अवधि निकल जाने के वावजूद भुगतान नहीं किया। इस बीच पीड़ित द्वारा फर्म के बारे में जानकारी करने पर पैरों तले जमीन खिसक गई कि आरोपियों ने श्याम ग्रेनाइट नाम से फर्जी फर्म बना ली। धोखाधड़ी सामने आने पर तत्काल न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत कर न्याय की गुहार लगाई।

सूने मकान से चार लाख रूपए सहित लाखों के गहने चोरी

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी कस्बे में चोरों ने बुधवार को एक निजी कॉलेज संचालक के घर में दिनदहाडे चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। इस दौरान चोर चार लाख रूपए नगद सहित लाखों रूपए के गहने लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची खेतड़ी पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया, लेकिन अभी तक आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग पाया है।

पुलिस के मुताबिक वार्ड 17 निवासी मनोज कुमार वर्मा ने रिपोर्ट दी कि वह जसरापुर में निजी कॉलेज का संचालन करता है। रोजाना की तरह सुबह करीब साढे दस बजे अपनी पत्नी के साथ कॉलेज चले गए थे, वहीं उनके बच्चे स्कूल गए हुए थे। इस दौरान चोरों ने घर को सूना देखकर चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला। जब बच्चे स्कूल से लौटे तो घर के ताले टूटे थे तथा सामान भी बिखरा हुआ था। इस दौरान बच्चों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी तो वह मौके पर पहुंचे और घर में रखे सामान की तलाशी ली तो सामने आया कि कॉलेज की फीस के लिए रखे चार लाख रुपए नगद व करीब दो लाख रुपए गहने सहित अन्य सामान गायब मिला। इस दौरान चोरी होने की सूचना उन्होंने पुलिस को दी तो पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना के बारे में जानकारी जुटाई।

- चोरों ने दिनदहाड़े कॉलेज संचालक के घर में वारदात को अंजाम दिया

इस दौरान आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि तीन व्यक्तियों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। इसमें एक व्यक्ति निगरानी कर रहा था तथा दो व्यक्ति घर में घुसकर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। थानाधिकारी भंवरलाल कुमावत ने बताया कि चोरी की घटना को लेकर मौका निरीक्षण किया गया है। पीड़ित की ओर से चार लाख रुपए नगद और गहने ले जाने की रिपोर्ट दी गई है। पुलिस की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। सीसीटीवी फुटेज में तीन युवको के वारदात को अंजाम देने की बात सामने आई है, जिनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है तथा जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया जाएगा।

फर्जी दस्तावेज से कृषि भूमि बेचने वाला गिरोह पकड़ा

गिरोह के चार सदस्यों को पकड़ गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की पहचान कर रही है पुलिस

टिब्बी, (निसं)। फर्जी दस्तावेज, फर्जी जमीन मालिक तथा फर्जी गवाह बनाकर किसी अन्य किसान की कृषि भूमि को बेचकर लाखों की ठगी करने वाला एक गिरोह स्थानीय पुलिस के हत्थे चढ़ा है। गिरोह के सदस्य हरियाणा के एक किसान को फर्जी दस्तावेजों व जमीन के फर्जी मालिक से कृषि भूमि की खरीद दिखाकर लाखों रूपए की ठगी करने के प्रयास में थे। पुलिस गिरोह के चार सदस्यों को पकड़कर उनसे पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की पहचान कर रही है। हालांकि गिरोह के सदस्यों को पकड़वाने में गिरोह से कृषि भूमि की खरीद कर रहे किसान की जागरूकता काम आ गई इससे किसान लाखों की ठगी से बच गया साथ ही गिरोह के सदस्य भी पुलिस की गिरफ्त में आ गए।

थानाधिकारी जगदीश प्रसाद पांडर के अनुसार आदराम नायक निवासी गांव बाहिया तहसील राणियां (हरियाणा) को क्षेत्र में कृषि भूमि खरीद करनी थी। इसको लेकर वह कृषि भूमि के सौदे करवाने वाले जीतराम पुत्र कुरडाराम मेघवाल निवासी ढुढियावाली तहसील राणियां से मिला तो उसने सूरेवाला निवासी दलाल मंगत सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह के बारे में जानकारी दी। जिससे मिलने के लिए वह, विनोद खींचड निवासी बाहिया व जीतराम 24 अप्रेल को सूरेवाला पहुंचे।

जहां पर मंगत सिंह ने पन्नीवाली के चक 30 एनजीसी की 5 बीघा जमीन बिकाउ होने के बारे में बताया तथा कहा कि जमीन मुख्तयार सिंह व हरनेक सिंह पुत्रगण बन्ता सिंह निवासी सूरेवाला की है, बाद में मंगत सिंह ने दो अन्य लोगों से यह कहकर मिलवाया कि ये मुखत्यार सिंह व हरनेक सिंह जमीन के मालिक है। बाद में चक 30 एनजीसी की प.नं. 171/254 के कि.नं. 16,17, 18,19,20 की जमीन व जमाबन्दी दिखाई तथा पन्नीवाली गांव में एक घर में ले गए जहां चार-पांच अन्य लोगों के सामने उक्त जमीन का सौदा 43 लाख 21 हजार में तय हुआ। मौके पर एक लाख रूपये साई तथा 30 अप्रैल को बैयनामा का इकरार एक सादे कागज पर किया गया।

इकरारनामा के अनुसार 30 अप्रैल को टिब्बी तहसील कार्यालय में जमीन का बैयनामा करवा रहे थे तो आदराम नायक ने जमीन मालिक मुख्तयार सिंह व हरनेक सिंह के पहचान सम्बन्धी दस्तावेज आधार कार्ड देखे व उनकी जांच की तो पता चला कि दोनों व्यक्तियों ने फर्जी आधार कार्ड बना रखे है। इनके साथ बलविन्द्र सिंह निवासी 3 जीजीआर, राजुसिंह निवासी सूरेवाला, याकूब निवासी सूरेवाला, पप्पु खां निवासी टिब्बी व सुखदेव सिह निवासी ढोबरियां भी थे।

आरोपियों ने दस्तावेज सही बताते हुए लिखापढ़ी करवाने का दबाव बनाया लेकिन असली दस्तावेज मांगने पर आनाकानी करने लगे। इस दौरान किसान आदराम ने इसकी सूचना टिब्बी थाने में दे दी जिसके चलते मौके पर पहुंची पुलिस ने राजू सिंह पुत्र अमरजीत सिंह रायसिख निवासी सूरेवाला, याकूब पुत्र शोकत निवासी सूरेवाला, पप्पू खा पुत्र यासीन खां निवासी सूरेवाला व जीतराम पुत्र कुरडाराम निवासी ढूढियावाली को पकड़ लिया जबकि अन्य फरार हो गए।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में पथराव, पुलिस पर भी पत्थर बरसाये

पुलिस ने भी हल्का बल प्रयोग किया, जिसमें एक नाबालिग सहित कुछ लोग घायल हो गए

भुसावर, (निसं)। पेट्रोल पम्प की जमीन पर निर्माण कार्य का विरोध करने पहुंचे ग्रामीणों ने गुरुवार को पुलिस पर पथराव कर दिया, इससे अफरा-तफरी मच गई। जवाबी कार्रवाई ने पुलिस ने भी हल्का बल प्रयोग किया, जिसमें एक नाबालिक सहित कुछ लोग घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

घटना भरतपुर के भुसावर स्थित हिंडन रोड पर मन्नू वाली हनुमान मंदिर के पास दोपहर 12 बजे हुई, जहां ग्रामीण पेट्रोल पंप के निर्माण को लेकर ग्रामीण प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस की कार्रवाई के बाद गुस्साए लोगों ने कार्यालय के पास हिंडौन सड़क मार्ग पर पत्थर और झाड़ियां डालकर जाम कर दिया साथ ही पुलिस पर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर हंगामा किया। मौके पर क्यूआरटी टीम वैर भुसावर हलेना थाने के 100 से अधिक पुलिस के जवान तैनात हैं और ग्रामीणों से समझाइश का प्रयास किया जा रहा है। मामले में नगर पालिका अध्यक्ष पालिका अध्यक्ष नेवी जमीन के विवाद में जांच शुरू कर दी है।

हंगामे के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस जाब्ते ने स्थिति को संभाला।

भुसावर एसएचओ सुनील गुप्ता ने बताया भुसावर के हिंडौन रोड पर मन्नू वाली हनुमान मंदिर के सामने जमीन पर पेट्रोल पंप के लिए गुरुवार सुबह निर्माण कार्य शुरू किया था। जिसकी सूचना के बाद जमीन के मालिक मूलचंद सैनी के परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए काम बंद करने का प्रयास किया। सूचना के बाद पुलिस जाब्ते के साथ पहुंची। पुलिस ने प्रदर्शन कार्यो को खरीदने का प्रयास किया तो गुस्साए लोगों ने पथराव किया।

पुलिस ने बताया कि घाटरी के पूर्व सरपंच कप्तान के नाम पेट्रोल पंप अलॉट हुआ था। पूर्व सरपंच ने मूलचंद सैनी से 20 साल के लिए जमीन लीज पर ली थी। इसके बाद पट्टा लेकर नियमानुसार विभागीय कार्रवाई के बाद कलेक्टर से एनओसी लेकर पेट्रोल पंप आवंटित कराया था। कप्तान ने शिकायत की थी कि कुछ लोग कुछ लोग पेट्रोल पंप का कार्य नहीं करने दे रहे हैं। इसी वजह से पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और समझाइस का प्रयास किया। गब्बर सैनी ने बताया कि पूर्व सरपंच जमीन पर कब्जा कर पेट्रोल पंप लगाना चाहता है। फर्जी तरीके से मूलचंद सैनी की जमीन पर पट्टा बनवा लिया। नगर पालिका में शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई 2 महीने पहले फिर भी कराई थी। लेकिन कुछ नहीं हुआ जमीन पर निर्माण कार्य का विरोध करने पहुंचे तो पुलिस ने मारपीट की।

- जमीन पर पेट्रोल पंप के लिए निर्माण कार्य का लोगों ने विरोध कर काम बंद कराने का प्रयास किया

पेपर लीक के मास्टर माइंड जगदीश विश्नोई सहित 25 आरोपियों के खिलाफ चालान पेश

एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक व डमी कैंडिडेट बैठाने का मामला

- **करीब पांच दर्जन से अधिक के खिलाफ जांच लंबित रखी गई है।**
- **2369 पेज के चालान की कॉपी लेकर एसओजी की 15 से ज्यादा सदस्यों की टीम अदालत पहुंची।**
- **एसओजी ने अपनी जांच में माना कि आरोपियों ने एक संगठित गिरोह बनाकर सुनियोजित तरीके से आपराधिक षडयंत्र रचते हुए एसआई भर्ती-2021 के पेपर लीक किए थे और उन्हें धन कमाने के लिए आगे भी बेचा था।**

जयपुर। एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक और डमी कैंडिडेट बैठाने के मामले में एसओजी ने गुरुवार को सीएमएम कोर्ट में मास्टर माइंड जगदीश विश्नोई सहित 25 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया है। एसओजी ने करीब पांच दर्जन से अधिक के खिलाफ जांच लंबित रखी है। एसओजी को मामले की जांच करते हुए 60 दिन का समय हो चुका था, इसलिए गुरुवार को कोर्ट में चालान पेश करना था। पीठासीन अधिकारी के ट्रांसफर होने के चलते चालान लिंक अदालत में पेश किया गया।

एसओजी की ओर से 2369 पेज का चालान पेश किया गया। एसओजी की 15 से ज्यादा सदस्यों की टीम चालान की कई कॉपियां लेकर कोर्ट पहुंची। इस आरोप पत्र में आरोपियों पर आईपीसी की धारा 419, 420, 467, 468, 471, 477, 477ए/409, 34, 201, 109, 120 बी सहित सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम की धारा 4, 5 व 6 और आईटी एक्ट की धारा 66 डी के तहत आरोप लगाए हैं। एसओजी ने जिनके खिलाफ चालान पेश किया है, उनमें आरोपी भूपेन्द्र सारण, राजेश खंडेलवाल, शिवरतन मौठ, नरेश खिलेरी, सुरेन्द्र विश्नोई, करणपाल गोदारा, विवेक भामू, मनोहर लाल विश्नोई, गोपीराम, श्रवण विश्नोई, रोहिताश कुमार, प्रेमसुखी, एकता, भगवती विश्नोई, नारंगी कुमारी, राजेश्वरी, चंचल कुमारी, शिक्षक राजेन्द्र कुमार यादव, लाइब्रेरियन राजेन्द्र कुमार, हर्षवर्धन कुमार, जगदीश सियाग, इंदूबाला, अनिल कुमार व अशोक सिंह नाथावत शामिल हैं। एसओजी ने माना कि आरोपियों ने एक संगठित गिरोह बनाकर सुनियोजित तरीके से आपराधिक षडयंत्र रचते हुए एसआई भर्ती-2021 के पेपर लीक किए थे और उन्हें धन कमाने के लिए आगे भी बेचान किया।

गौरतलब है कि एसओजी ने इस मामले में 3 मार्च को रिपोर्ट दर्ज की थी और आरोपी राजेश खंडेलवाल को 4 मार्च को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पूछताछ में अन्य आरोपियों के नाम सामने आने पर उनकी भी गिरफ्तारियां की गई थी।

12 आरोपियों की जमानत मामले पर 6 मई को सुनवाई

एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपरलीक केस में एसओजी ने 36 ट्रेनी एसआई और 7 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 11 ट्रेनी एसआई और एक कांस्टेबल को जयपुर मेट्रो-द्वितीय की सीएमएम कोर्ट ने 12 अप्रेल को जमानत दे दी थी। इसके खिलाफ सरकार हाईकोर्ट गई थी, जहां 15 अप्रेल को सुनवाई के बाद सीएमएम कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी गई थी। इस फैसले के खिलाफ आरोपी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

आरोपियों की ओर से कहा गया था कि उनके रिलीज ऑर्डर जारी हो चुके थे, लेकिन हाईकोर्ट ने गलत तरीके से उनकी रिहाई पर रोक लगाई है। गिरफ्तार ट्रेनी एसआई की एसएलपी पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 26 अप्रैल को हाईकोर्ट को निर्देश दिए थे कि वे 1 मई से सप्ताह भर के अंदर सुनवाई पूरी करके फैसला दे। अब हाईकोर्ट इस मामले में 6 मई को फाइनल सुनवाई करेगा।

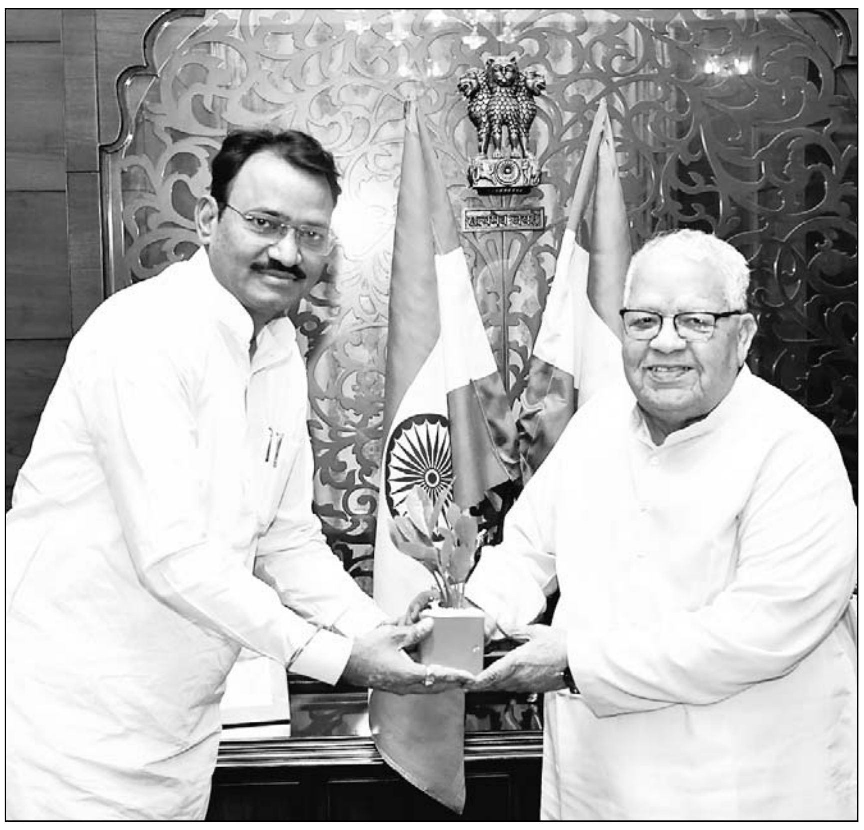

राज्यपाल कलराज मिश्र से गुरुवार को राजभवन में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। वहीं मिश्र से डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश) के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने मुलाकात की। बेरवाल ने राज्यपाल से भेंट के दौरान उन्हें मध्यप्रदेश के सबसे पुराने व सबसे बड़े इस केंद्रीय विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियां और नई शिक्षा नीति के संदर्भ में शैक्षिक गुणवत्ता के संदर्भ में किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

गर्मी के मौसम में पहले सड़क किनारे प्याऊ लगाई जाती थी जिससे लोग पानी पीकर अपनी प्यास बुझाते थे जो आज कम ही देखने को मिलती है। जयपुर अजमेर हाइवे के पास कच्चे रास्ते पर लगे हैंडपंप से पानी निकालकर अपनी प्यास बुझाता एक राहगीर। फोटो : राष्ट्रदूत

'प्रदेश में होने वाले लेनदेन के लिए बाहर से खरीदा स्टांप मान्य नहीं'

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने बीमा पॉलिसियों को लेकर कहा कि राजस्थान में होने वाले लेन-देन के लिए राज्य के बाहर से खरीदा गया स्टांप पेपर मान्य नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट भारतीय जीवन बीमा निगम की अपीलों को खारिज करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने राज्य सरकार से कहा है कि जिस समय बीमा स्टांप नहीं थे, उस समय की स्टांप ड्यूटी के बारे में मांग नहीं की जाए।

न्यायाधीश पीएस नरसिम्हा व न्यायाधीश अरविन्द कुमार की खण्डपीठ ने 20 साल से चल रहे विवाद पर यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने राज्य के 1952 के स्टांप कानून को वैध ठहराया, वहीं कहा कि राष्ट्रपति की मंजूरी से बना राज्य का कानून केन्द्र के कानून से उपर होगा। कोर्ट ने कहा कि स्टांप ड्यूटी भी कर के रूप में है और राज्य सरकार को बीमा पॉलिसियों पर स्टांप ड्यूटी वसूल करने का हकदार है। एलआईसी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि भारतीय स्टांप अधिनियम 1899 के अंतर्गत देश में स्टांप ड्यूटी ली जा रही है, राजस्थान सरकार ने इसी अधिनियम के अंतर्गत राज्य में 1952 का स्टांप अधिनियम बनाया। राज्य को बीमा पॉलिसियों पर स्टांप ड्यूटी लेने का अधिकार नहीं है। राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष सिंघवी ने कहा कि राज्य सरकार को स्टांप ड्यूटी वसूल करने का अधिकार है।

डॉ.रवि प्रकाश मेहरड़ा को दिया ए.सी.बी. का जिम्मा

जयपुर, (का.प्र.)। भारतीय पुलिस सेवा के तीन अधिकारियों का तबादला करते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के नए मुखिया डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा होंगे, जबकि फिलहाल एसीबी के कार्यवाहक डीजी का जिम्मा संभाल रहे एडीजी हेमंत प्रियदर्शी को पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। उन्हें एडीजी साइबर क्राइम के पद पर लगाया गया है।

कार्मिक (क-1) विभाग की ओर से गुरुवार शाम को जारी आदेश के अनुसार डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा का तबादला डीजी (एससीआरबी, साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएं) से डीजी, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पद पर किया गया है। जबकि हेमंत प्रियदर्शी को एडीजी, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से एडीजी, एससीआरबी एवं साइबर क्राइम के पद पर लगाया गया है।

अब तक भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड के साथ साइबर क्राइम के एडीजी का पद संभाल रहे सचिन मित्तल का तबादला एडीजी के पद पर किया गया है। डॉ. मेहरड़ा को सुबह 11 बजे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के मुख्यालय पहुंचेंगे। जहां वे डीजी, एसीबी का पदभार ग्रहण करेंगे।

अंग प्रत्यारोपण प्रकरण में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

जयपुर, (का.सं.)। एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने फर्जी एनओसी से अंग प्रत्यारोपण करने से जुड़े मामले में ईएचसीसी अस्पताल के कोऑर्डिनेटर अनिल कुमार जोशी की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि आरोपी पर गंभीर आरोप है। ऐसे में उसे मुकदमे के इस स्तर पर जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

जमानत अर्जी में कहा गया कि एसीबी ने गत 31 मार्च को गौरव व प्रार्थी अनिल कुमार को गिरफ्तार किया था। तब से आरोपी अभिरक्षा में चल रहा है। जमानत अर्जी में कहा गया कि उसने गौरव सिंह के साथ मिलकर कोई आपराधिक षडयंत्र नहीं किया है और ना ही फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कोई एनओसी जारी कराई है। इसके अलावा उसने एनओसी जारी कराने की एवज में किसी को रिश्वत भी नहीं दी है। प्रार्थी ईएचसीसी अस्पताल का कर्मचारी मात्र है। वह चिकित्सकों व उच्चाधिकारियों के निर्देश पर ऑपरेशन कराने की अनुमति के लिए सक्षम कमेटी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने का काम करता था। इसके अलावा उसका मरीजों से सीधा संपर्क भी नहीं होता है। अंग प्रत्यारोपण की हर फाइल संबंधित चिकित्सक की सिफारिश पर ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर के पास भेजी जाती है। जहां डोनर व मरीज की जांच होने के बाद फाइल अंग प्रत्यारोपण विभाग के मैनेजर को मिलती है और उसके बाद एनओसी के लिए कमेटी के समक्ष आवेदन किया जाता है। इस प्रक्रिया में प्रार्थी का काम सिर्फ आवेदन करना और एनओसी प्राप्त करने का ही होता है। प्रकरण में उसे फंसाया गया है। इसके अलावा उसके कार्यालय से समस्त रिकॉर्ड जब्त हो चुका है। ऐसे में उसे जमानत का लाभ दिया जाए। जिसका सरकारी वकील की ओर से विरोध किया गया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है।

'एफ.एस.एल. रिपोर्ट देरी के कारण कई बार निर्दोष रहते हैं जेल में बंद'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एफएसएल व डीएनए रिपोर्ट आने में देरी से जुडे मामले में गंभीर टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि रिपोर्ट देरी के चलते केसों में फैसले नहीं हो पाते। एनडीपीएस के कई मामलों में एफएसएल रिपोर्ट नेगेटिव आती है और आरोपी बरी हो जाते हैं, लेकिन इस दौरान वे कई दिनों तक जेलों में बंद रहते हैं। यह उसके संविधान के अनुच्छेद 21 का हनन है। जस्टिस समीर जैन ने यह टिप्पणी गुरुवार को एक पॉक्सो केस में एफएसएल की रिपोर्ट आए बिना ही चालान पेश होने से जुडे मामले में विनोद की जमानत अर्जी पर सुनवाई एक सप्ताह टालते हुए की।

सुनवाई के दौरान एफएसएल निदेशक अजय शर्मा भी पेश हुए। लोक अभियोजक शेरसिंह महला ने अदालत को बताया कि गुजरात, मध्य प्रदेश, उतर प्रदेश और महाराष्ट्र की तुलना में प्रदेश में 10 अधिकारी प्रतिदिन 35 सैंपलों की जांच कर रहे हैं, जबकि उन राज्यों में 30 अधिकारियों की जांच का औसत 20 से 30 सैंपल ही है। जिस पर कोर्ट ने कहा कि इसके बावजूद भी एफएसएल रिपोर्ट से फैसलों में देरी होती है। दरअसल पिछली सुनवाई पर अदालत ने अतिरिक्त मुख्य गृह सचिव से कहा था कि वे इस संबंध में शपथ पत्र पेश कर बताए कि एफएसएल व डीएनए रिपोर्ट आने में हो ही देरी को कैसे दूर किया जाए। मामले से जुडे अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सवाईमाधोपुर के खंडार पुलिस थाने में अगस्त 2023 में पॉक्सो का मामला दर्ज हुआ था, लेकिन एफएसएल रिपोर्ट आए बिना ही पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चालान पेश कर दिया। वहीं अब केस की ट्रायल शुरू हो चुकी है।

युवक को अगवा करने वाले दो पकड़े

जयपुर। भांकरोटा पुलिस ने बाइक सवार युवक को अगवा कर 50 हजार रुपए की फिरौती वसूलने के मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस मामले में फिलहाल मुख्य आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर है। पुलिस ने आरोपियों को फतेहपुर सीकर से अरेस्ट किया है। पुलिस फरार अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। गौरतलब है कि हनुमान नगर भांकरोटा निवासी अरबाज खान ने मामला दर्ज करवाया कि उसके जीजा शिवदासपुरा निवासी रहीस खान शादी में शरीक होने आए थे। इसके बाद वे परिवार के साथ मौजमाबाद दूदू बारात में शामिल हुए। वापस भांकरोटा लौट कर वे 29 अप्रेल की रात करीब 2 बजे अपने घर के लिए रवाना हो गए। अजमेर रोड पर कार सवार चार बदमाशों ने गाड़ी आगे लगाकर उसे रोका और मारपीट कर गाड़ी में डालकर ले गए। इसके बाद बदमाशों ने उसके फोन से परिजनों को फोन किया और पचास हजार रुपए की फिरौती मांगी। इस दौरान बदमाशों ने पीडित के दोस्त के एक्सीडेंट की बात कहीं थी। रुपए नहीं डालने पर आरोपियों ने फिर परिजनों कॉल किया। 30 अप्रेल को बदमाशों ने फिर फोन किया और रुपए नहीं देने पर उसे जान से मारने की धमकी दी।

दाधीच और बगड़ी को सौंपा तेलंगाना व आंध्र का जिम्मा

जयपुर। लोकसभा चुनाव के तीसरे और चौथे चरण के चुनाव प्रचार के लिए भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों को अन्य राज्यों की कमान सौंपी गई हैं। चुनाव प्रचार के दौरान प्रदेश के नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जनसभा, रैलियों और रोड शो के समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभाओं की तैयारियों के लिए आंध्रप्रदेश में संचालन करना होगा। वहीं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच को तेलंगाना में बूथ मैनेजमेंट सहित जनसभाओं की तैयारियों का जिम्मा सौंपा गया है। इन दोनों नेताओं ने राजस्थान चुनाव के दौरान पीएम मोदी और गृहमंत्री सहित केंद्रीय नेताओं की सभाओं की तैयारियों में अहम भूमिका निभाई थी।

प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दोनों चरणों के मतदान के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच और प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी के चुनाव प्रबंधन की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा की थी।

लोकसभा के तीसरे चरण के चुनाव प्रचार के लिए पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश मंत्री मिथलेश गौतम एवं प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा आज जयपुर से उड़ीसा के लिए रवाना हो गये। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, ने बताया भाजपा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश मंत्री मिथलेश गौतम एवं प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा सांगानेर एयरपोर्ट से उड़ीसा के लिए रवाना हो गये।

जे.डी.ए. ने अजमेर पुलिया चौराहे से सोडाला तक हटाए 125 अतिक्रमण

करीब 4 किलोमीटर क्षेत्र में कार्रवाई कर सड़कों से थड़ी-ठेले, तिरपाल, होर्डिंग-साइन बोर्ड को हटाया

जयपुर (कासं)। जे.डी.ए. के प्रवर्तन दस्ते ने गुरूवार को अजमेर पुलिया चौराहे से सोडाला तक करीब 4 किलोमीटर क्षेत्र में कार्रवाई कर 125 कच्चे-पक्के अतिक्रमणों को हटाया। राजभवन से 200 फीट जाने वाली रोड पर अवैध रूप से सडक पर लगाई गई थडी-ठेले, तिरपाल, होर्डिग, साइन बोर्ड को हटाकर रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम महापुरा के खटवाड़ा झाई रोड जयश्री पेरीवाल स्कूल के पास करीब 1 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर काटी जा रही अवैध कॉलोनी को भी ध्वस्त किया है। यहां पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन और बिना भू-रूपान्तरण करवाए जमीन समतल कर रातों-रात मिट्टी-ग्रेबल की सडकें, मकानों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य निर्माण कर अवैध कॉलोनी बसाने की तैयारी थी। इस पर प्रवर्तन दस्ते ने कार्रवाई कर अवैध कॉलोनी बसाने का प्रयास विफल किया।

भाजपा युवा मोर्चा का "एक परिंडा मेरा भी" अभियान आज से

जयपुर। भाजपा युवा मोर्चा की ओर से गर्मी के मौसम में पशु-पक्षियों के पानी की व्यवस्था के लिए "एक परिंडा मेरा भी" अभियान का आगाज 3 मई से किया जाएगा। भाजपा युवा मोर्चा की ओर से अभियान के तहत प्रदेश भर में 1 लाख परिंड़े और 1 हजार पानी की टंकी लगाई जाएगी। पशु-पक्षियों के लिए परिंड़े लगाने के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से इनमें पानी डालने तक की जिम्मेदारी तय की जाएगी। चेची ने बताया कि ग्रीष्म काल प्रारंभ होने से गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए पानी पीने हेतु युवा मोर्चा के कार्यकर्ता संपूर्ण राजस्थान में 1 लाख से अधिक परिंडे लगाएंगे। 3 मई को राजधानी जयपुर से पक्षियों के लिए परिंड़े लगाकर "एक परिंडा मेरा भी" अभियान की शुरूआत की जाएगी। 17 मई तक चलने वाले इस अभियान में गैर सामाजिक संस्थाओं (एनजीओ) सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं, धार्मिक स्थलों की समितियों, इनफ्लुएंसरो के व्यक्तियों को जोड़ कर उनको भी जिम्मेदारी दी जाएगी।

दोषी विधानसभा कर्मी को किया निलम्बित

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा जैसी उच्च गरिमामय संस्था के प्रतिकूल आचरण विहिन कृत्य करने पर प्रारम्भिक जांच में दोषी पाये गये, विधानसभा सचिवालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नितिन शर्मा को निलम्बित किया है। उल्लेखनीय है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शर्मा पर विधानसभा व अन्य भर्ती एजेन्सियों में नौकरी लगाने के नाम से रेखा शर्मा, अमित कुमार मीणा व कई अन्य व्यक्तियों से लाखों रुपये की राशि बेईमानी पूर्ण आशय से हड़पने के मामले में पुलिस थाना सांगानेर तथा कोटपूतली में फौजदारी प्रकरण का अन्वेषण लम्बित होने के तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए निलम्बित किया गया है।

देवनानी ने इस मामले को गम्भीरता से लिया। देवनानी की जानकारी में आने के बाद विधानसभा ने इस मामले की प्रारम्भिक जांच कराई।

सहकारी सोसायटी में 11 बजे सुनवाई

जयपुर, (का.सं.)। सहकारिता विभाग द्वारा सहकारी सोसायटी में अपील निगरानी के प्रकरणों की सुनवाई सुबह 11 बजे से होगी। राज्य सरकार द्वारा आदेश जारी कर राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम-2001 की धारा 104 एवं 107 के तहत दर्ज अपील व निगरानी के प्रकरणों की सुनवाई का समय 30 जून तक प्रातः 11 बजे कर दिया गया है।

'इथियोपिया में 600 दिव्यांगों को जयपुर फुट उपलब्ध कराएंगे'

जयपुर, (का.सं.)। अफ्रीकी देश इथियोपिया के प्रमुख शहर समेरा में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयासेग से इथियोपियाई विकलांगों के पुनर्वास के लिये जयपुर फुट का शिविर आरंभ हुआ। इस शिविर में 600 द्विव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम पैर, जयपुर फुट उपलब्ध कराए जाएंगे।

भारत सरकार और भगवान महावीरा विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के आयोजन में विदेश मंत्रालय के "इंण्यिाज फॉर ह्यूमैनिटीज" कार्यक्रम के अन्तर्गत यह 50 दिवसीय शिविर आयोजित किया गया हैं। इस शिविर के लिये बी.एम.वी.एस.एस.के कार्यकारी अध्यक्ष और विदेश मामलों के निदेशक के सतीश मेहता के नेतृत्व में

इथियोपिया एक दल गया हुआ है।

समेरा विश्वविद्यालय अस्पताल में इस विशेष शिविर के आयोजन के उद्घाटन समारोह में हमें इथियोपिया भारत के राजदूत भारत के राजदूत अनिलराय ने कहा कि इथियोपिया और भारत के बीच मित्रता को यह शिविर और मजबूत बनाएगा। राय ने कहा कि पूर्व में संस्था ने वर्ष 2019 में इथियोपिया की राजधानी अदिसअबाबा में इसी प्रकार के शिविर का आयोजन किया था, जिसमें 638 विकलांगों को लाभांवित किया गया।

दलनायक सतीश मेहता ने बताया कि पूर्व में 2016 में टिगरे क्षेत्र के मैकेल शहर में आयोजित शिविर में 400 लाभार्थी रहे। वर्ष 2017 में हरमाया विश्वविद्यालय में आयोजित शिविर में 377 विकलांगों को कृत्रिम पैर जयपुर फुट लगाया गया। इन शिविरों के आयोजन में भारत की एक कंपनी जे.एम.सी.ने सहयोग दिया। अब तक इथियोपिया में 1258 विकलांगों को लाभांवित किया जा चुका है।

उद्घाटन समारोह में हमे राजदूत अनिलराय ने कहा कि "इण्डिया फॉर ह्यूमैनिटीज" कार्यक्रम जो विदेश मंत्रालय ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंजी के अवसर पर आरंभ किया गया था, बहुत सफल सिद्ध हो रहा है।

इस अवसर पर मेरा विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डी.आर.मुहम्मदउसमान, इथियोपिया के महिला और समाज कल्याण विभाग के प्रतिनिधि एम.आर.असालीफीवअमेदीन आदि ने जयपुर फुट की निर्माण विधि का अवलोकन किया।

सूने फ्लैट से नकदी और जेवरात चोरी

- **रिटायर्ड फौजी के टोकने पर बदमाश हमला कर फरार हो गए**

जयपुर। श्यानगर इलाके में बाइक पर आए तीन नकाबपोश बदमाश गुरुवार को दिन-दहाड़े दो सूने फ्लैट के ताले तोड़कर बदमाश लाखों रुपए के गहने-नकदी चोरी कर ले गए। अपार्टमेंट में रहने वाले रिटायर्ड फौजी के टोकने पर बदमाश हमला कर भाग निकले। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि चोरी की वारदात लक्ष्मण कॉलोनी श्याम नगर स्थित अपार्टमेंट में हुई। सुबह करीब 6:45 बजे बाइक पर आए नकाबपोश बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। अपार्टमेंट के फर्स्ट फ्लोर पर रहने वाले पद्माकर शर्मा और शिवानी शर्मा के फ्लैट को बदमाशों ने चोरी के लिए निशाना बनाया। दोनों ही परिवार किसी काम से फ्लैट लॉक कर बाहर गए हुए थे। दोनों सूने फ्लैट्स के लॉक तोड़कर बदमाश अंदर घुसे। महज 15 मिनट में लाखों रुपए के गहने और कैश चोरी कर ले गए। सीढ़ियों से नीचे उतरते समय अपार्टमेंट में रहने वाले रिटायर्ड फौजी पर्वत सिंह ने अजनबी लड़कों को टोका। पर्वत सिंह पर हमला कर बदमाश बाइक लेकर भाग निकले। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सूबत जुटाए। अपार्टमेंट के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए बाइक सवार बदमाशों की पुलिस तलाश कर रही है। श्याम नगर इलाके में चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी की जानकारी मिलने पर सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा गुरुवार को थाने पहुंचे और पुलिस अधिकारियों को लगाम लगाने और जल्द खुलासा करने के लिए निर्देशित किया। विधायक ने सिविल लाइंस क्षेत्र के वार्ड 50 की लक्ष्मण कॉलोनी में चोरी की घटनाओं को लेकर श्याम नगर एसएचओ से मुलाकात की।

सार-समाचार

व्यक्ति ने फंदे से लटककर की आत्महत्या

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के साबली गांव में एक व्यक्ति ने अपने ही घर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। उक्त व्यक्ति का किसी बात को लेकर अपनी पत्नी और बेटे के साथ झगडा हुआ था। उसके कुछ देर बाद पिता ने घर में जाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिछीवाडा थाने के हेड कॉनि. ने बताया कि साबली निवासी शंकरलाल पुत्र जीवा कटारा ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई कन्हैयालाल शराब पीने का आदी था। शराब पीने की बात को लेकर कन्हैयालाल का उसकी पत्नी शांता और बेटे प्रकाश से झगडा हुआ था। झगडे के बाद कन्हैयालाल का बेटा प्रकाश अपनी बुआ को लेने बोखला गांव निकल गया था। वहीं उसकी पत्नी शांता घर के बाहर कोई काम कर रही थी। जब बोखला से प्रकाश वापस लौटा और घर के अन्दर गया तो कन्हैयालाल फंदे से लटका हुआ मिला। जिसके बाद परिजन उसे लेकर डूंगरपुर जिला अस्पताल लेकर आए। जहां पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया, जहां पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विवाहिता पानी के टांके में कूदी

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना क्षेत्र के गैंजी घाटा गांव में एक विवाहिता ने पानी के टांके में कूदकर आत्महत्या कर ली। महिला की 4 महीने पहले ही शादी हुई थी। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। वहीं, पीहर पक्ष ने मौत की परिस्थितियों को लेकर संदेह जताया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। चौरासी थानाधिकारी ने बताया कि बेडा निवासी अर्चना की शादी 4 महीने पहले गैंजी घाटा गांव निवासी जितेंद्र डामोर से हुई थी। अर्चना गुरुवार घर से निकली और घर से 500 मीटर दूर पानी से भरे टांके के कूद गईए जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ओर पीहर पक्ष भी मौके पर पहुंचा। वहींए घटना की सूचना पर लोगों की भीड जमा हो गई। सूचना पर चौरासी थाना पुलिस भी पहुंच गई। इसके बाद पुलिस ने ग्रामीणों के साथ मिलकर शव को टांके से बाहर निकलवाकर जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी पहुंचाया। विवाहिता के आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। वहीं, पीहर पक्ष ने मौत पर संदेह जताया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

समायोजित करने की मांग

बांसवाड़ा, (निसं)।राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर कुक कम हेल्पर को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के रिक्त पदों पर समायोजित करने की मांग की है। प्रदेश प्रशासनिक अध्यक्ष सियाराम शर्मा ने कहा कि राजस्थान में अल्प मात्रा मे कार्यरत कुक कम हेल्पर को रिक्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के हजारों रिक्त पदों पर समायोजित किया जा सकता है क्योंकि राज्य में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 24 हजार 691पद रिक्त है। उन्होंने बताया कि एक ओर बढती मंहगाई में दहाडी मजदूर को भी महंगाई मूल्य सूचकांक आधारित अकुशल श्रमिक को 369 रूपये प्रतिदिन 11 हजार 439 रुपये प्रतिमाह दिए जाने के निर्देश है उनसे भी कम इन कुक कम हेल्पर को मात्र 2 हजार 143 रुपये मासिक दिया जा रहा है जो खुला शोषण है। उन्होंने कहा कि भारत और राजस्थान सरकार को श्रमिक नीति की पालना करनी चाहिए और 19 वर्षो से अल्प मानदेय पर कार्यरत कुक कम हेल्पर का मानदेय मंहगाई के अनुपात में 21 हजार 658 रु प्रतिमाह कर रिक्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पद पर समायोजित करना चाहिए। ज्ञापन भेजने वालों में प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा, ललित आर पाटीदार, जिलाध्यक्ष अनिल व्यास, वीरेंद्र चौधरी, जिलामंत्री नवीन जोशी, सतीश जोशी, नवीन कुमार शर्मा, अरुण व्यास, महिपाल भूता सहित विभिन्न कुक कम हेल्पर प्रमुख रहे।

चूल्हों का किया वितरण

भीम, (निसं)। उपखंड मुख्यालय में नगर पालिका क्षेत्र के धर्मेशपुरी वार्ड में युवासमाजसेवी प्रकाशसिंह रावत के अर्थक प्रयासों से अल्फाबेट ठीन प्राइवेट लिमिटेड मुंबई के तत्वधान में निशुल्क चूल्हा वितरण किया गया । युवा समाज सभी प्रकाश सिंह ने बताया कि निशुल्क चुल्हा वितरण शिविर के दौरान करीब करीब तीन हजार महिलाओं को चूल्हे वितरित किए गए। आसपास के गांवों की महिलाओं को निशुल्क चूल्हा मिलने पर खुशी जाहिर की। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष यशोदा कंवर नरपत सिंह लक्ष्मणसिंह वार्ड पार्षद गणपतसिंह मनोहरसिंह कल्याण सिंह दौलत सिंह धन्नासिंह रमेश सिंह मूल सिंह मोहन सिंह लक्ष्मण सिंह तारु सिंह ललिता देवी धनी देवी पानी देवी सीता देवी गीत देवी लक्ष्मी देवी ममता देवी आदि सहित कई महिलाएं उपस्थित थी।

वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

देवगढ़, (निसं)। विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय मे आज विद्यार्थियों का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया ! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय जी नरानिया, अध्यक्षता विद्यालय के संस्था प्रधान कल्याण सिंह बल्ला ने की बच्चो के वर्ष भर की पढाई की मेहनत का परिणाम वार्षिक परिणाम के रूप मे प्राप्त होता है ! कार्यक्रम मे विद्यालय की कक्षा अरुण से नवमी तक के विद्यार्थियों के कक्षा मे प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त भैया बहिनो को प्रमाण पत्र के साथ प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ! विद्यालय प्रांगण मे बनाये गए बधाई सेल्फी स्टैंड व प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान सेल्फी पॉइंट पर भैया बहिनो अभिभावको ने फोटो खीचवाकर अपनी यादों को संकलित किया !

औचक निरीक्षण किया

बांसवाड़ा, (निसं)। राउमावि अमरथून में मुख्य जिला शिक्षाधिकारी स्कूल शिक्षा के 3 सदस्यीय दल ने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान परीक्षा का औचक निरीक्षण किया। हिन्दी में नामांकित 141 में से 131 परीक्षार्थियों और अरेबिक में एक परीक्षार्थी ने परीक्षा दी। दल में सहायक निरीक्षक भरत पंड्या एवं प्रशासनिक अधिकारी लोकेश शुक्ला शामिल रहे। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षाधिकारी शंभूलाल नायक, ओएसडी डॉ. नितेश कुमार वैष्णव, परीक्षा केंद्राध्यक्ष अरुण व्यास सहित 14 वीक्षक मौजूद रहे।

ढाई करोड़ की लागत से बनेगा पीताम्बरा शक्तिपीठ

बांसवाड़ा, (निसं)। गायत्री मण्डल की ओर से श्री पीताम्बरा आश्रम परिसर में 3 हजार 5०० वर्ग फीट में ढाई करोड रुपए की लागत से विशाल एवं भव्य पीताम्बरा बगलामुखी शक्तिपीठ निर्माण करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए गुरुवार को श्री हनुमत्पीठ साधना एवं प्रशिक्षण केन्द्र में गायत्री मण्डल के प्रमुख पदाधिकारियों, आश्रम प्रबन्धकों एवं वास्तुविदों की बैठक में व्यापक विचार विमर्श कर रूपरेखा बनाई गई।

गायत्री मण्डल के मुख्य संरक्षक नगर परिषद् के पूर्व आयुक्त दिलीप गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में गायत्री मण्डल की चार दशकों से चले आ रहे पीताम्बरा शक्ति पीठ के संकल्प को पूर्ण करने की दिशा में गहन चर्चा में शक्तिपीठ के स्वरूप, निर्माण के विभिन्न आयामों तथा स्थल चयन आदि से संबंधित विषयों पर भूमि के मानचित्रों को केन्द्र में रखकर विचार-विमर्श कर योजना को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में वास्तु विशेषज्ञ अरविन्द मालवीय, वास्तु परिषद के संयोजक चन्द्रशेखर जोशी, विशेषज्ञ अभियन्ता अनन्त गुप्ता, गायत्री मण्डल के उपाध्यक्ष मनोहर जोशी, सचिव विनोद शुक्ला, सह सचिव सुभाष भट्ट, पीताम्बरा परिषद के सह संयोजक मधुसूदन व्यास, आश्रम के कार्यक्रम समन्वयक मनोज नरहरि भट्ट, रमेश आर. भट्ट, अजय अधिकारी, अनिल पण्ड्या आदि ने सुझाव दिये। जिले में बनने वाला यह दैवीय और दिव्य स्थल राज्य में अपनी तरह का पहला पीताम्बरा शक्तिपीठ होगा। इसमें प्रधान देवी के रूप में देवी बगलामुखी की प्रतिमा के साथ ही गणेश, भैरव, शिव आदि की मूर्तियां भी स्थापित की जाएंगी। बैठक के उपरान्त मण्डल के मुख्य संरक्षक दिलीप गुप्ता, निर्माण विशेषज्ञ अभियन्ता अनन्त गुप्ता, राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध वास्तु विशेषज्ञ अरविन्द मालवीय पिण्डवाडा, वास्तुविद् चन्द्रशेखर जोशी एवं तकनीकि विशेषज्ञों की टीम ने पीताम्बरा आश्रम की भूमि का तकनीकी सर्वेक्षण करते हुए शक्तिपीठ स्थल के लिए भूमि का चिह्निकरण किया और मन्दिर निर्माण मानचित्र को अंतिम रूप प्रदान किया। शक्तिपीठ के साथ ही पार्किंग, हरीतिमा विस्तार, दैवीय उद्यान निर्माण आदि कार्य कराए जाएंगे। इस शक्तिपीठ में पीताम्बरा देवी की साधनाओं के साथ ही जिज्ञासु साधकों के लिए देवी साधना का प्रशिक्षण भी दैवी साधकों एवं संतों द्वारा उपलब्ध होगा। राज्य में देवी बगलामुखी का यह पहला भव्य मन्दिर होगा जहां व्यापक पैमाने पर देवी साधकों के लिए सभी सुविधाएं और मार्गदर्शन के साथ ही साधनाओं के लिए सभी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। गायत्री मण्डल के मुख्य संरक्षक दिलीप गुप्ता ने बताया कि यह कार्य सनातनी धर्मावलम्बियों, पीताम्बरा साधना के सिद्धों एवं साधकों तथा सहयोगियों के योगदान से किया जाएगा। साथ ही अगले चरण में गौशाला का निर्माण भी कराया जाएगा। बैठक में श्री पीताम्बरा आश्रम में नवम्बर 2०23 से लेकर निरन्तर चलाए जा रहे निर्माण कार्यों की अब तक की प्रगति की समीक्षा की गई।

पीताम्बरा आश्रम की भूमि का तकनीकी सर्वेक्षण करते ख्यात वास्तु विशेषज्ञ।

निर्माणाधीन टनल का किया निरीक्षण

डूंगरपुर, (निसं)। जला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने गुरुवार को माही बांध का पानी भीखा भाई नहर से सागवाडा तक पहुंचाने के लिए निर्माणाधीन लगभग 6०० मीटर लंबी टनल का निरीक्षण किया। सागवाडा में मसानिया तालाब के ऊपर बन रही टनल में अंदर जाकर जिला कलक्टर सिंह ने कार्य का अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने गर्मी को देखते हुए जल्द से जल्द नहर का पानी लोडेश्वर बांध तक पहुंचाने के निर्देश दिए। सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता फूल सिंह मीणा ने बताया कि यदि परिस्थितियां अनुकूल रही, तो नहर का पानी सप्ताह भर में सागवाडा पहुंच जाएगा।

यहां से पानी लोडेश्वर बांध में ले जाया जाएगा। जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग नहर की सफाई करवा रहा है। लोडेश्वर बांध में नहर का पानी पहुंचने पर सागवाडा शहर सहित आस-पास के 18 गांवों में पेयजल व्यवस्था सुदृढ होगी। वहीं, इससे भविष्य में सागवाडा, आसपुर, साबला, गलियाकोट और चिखली ब्लॉक के सैकडों गांवों में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। पीएचसी का किया निरीक्षण

जिला कलक्टर ने सागवाडा के नया गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जमीनी हकीकत जानी। जिला कलक्टर ने पीएचसी में कार्यरत चिकित्सकों, नर्सिंगकर्मी व अन्य स्टाफ की जानकारी लेते हुए उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया और सभी को समय पर आने और पूरी संवेदनशीलता के साथ इलाज करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने एम्बुलेंस सुविधा, निःशुल्क दवाओं और जांच सुविधा, ओपीडी में मरीजों की संख्या, शौचालयों और भवन की स्थिति का निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

हेल्प डेस्क गठित

राजसमंद, (निसं)। आयोजना विभाग के शासन सचिव ने निदेशालय आर्थिक एवं सांख्यिकी में जन आधार योजना की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान शासन सचिव ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जन को जन आधार के संबंध में आ रही समस्याओं का निस्तारण प्रभावी रूप से किया जावें और सभी जिला-ब्लॉक स्तरों पर शीघ्र हेल्प डेस्क स्थापित करवाए जाए। इसकी पालना में जिला में जिला स्तर पर तथा ब्लॉक स्तर पर हेल्प डेस्क का गठन किया गया है। जिसके प्रभारी कर्मचारी, अधिकारियों के नाम एवं उनके मोबाइल नम्बर जन आधार की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

बाइक चोरी गैंग का सरगना गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)।सागवाडा थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने वाली गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने चोरी के मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामले में एक नाबालिग को डिटेन किया है। पुलिस ने चोरी की 4 बाइक जब्त कर ली हैं। आरोपी शौक पूरे करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

सागवाडा थानाधिकारी ने बताया कि 29 अप्रैल को दर्शन सिंह चौहान पुत्र महेंद्र सिंह चौहान निवासी चिबुडा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसमें बताया कि उसने बजाज पल्सर बाइक सागवाडा गामठवाडा में एक मकान के बाहर खडी की थीए जिसे चोर चोरी कर ले गए। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी। थानाधिकारी प्रभुलाल, हेड कॉनि. मानशंकर, हेड कॉनि. वालचंद, भूपेंद्र सिंह, लोकेंद्र सिंहए घनश्याम सिंह, गजेंद्र सिंह, प्रकाश राजेंद्र की टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध संजय पुत्र दिनेश डोडियार निवासी ओबरी माताजी फला को गिरफ्तार कर लिया।

उदयपुर प्रीमियर लीग में 6 टीमें दिखाएंगी दमखम

उदयपुर, (कासं)। शहर में उदयपुर प्रीमियर लीग का आगाज जून माह के पहले सप्ताह में होने जा रहा है, जिसमें कुल 6 टीमें प्रतिभागी के रूप में अपने खेल का प्रदर्शन करेंगी । शहर की एक निजी होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रीमियर लीग के पीआर चन्द्रा ने बताया कि यह टूर्नामेंट डे एण्ड नाईट टूर्नामेंट होगा, जिसमें पहला मैच मैच सायं 4 बजे एवं दूसरा रात्रि 8 बजे शुरू होगा, सभी मैच शिकारबाडी मैदान में संपन्न होंगे। यह टूर्नामेंट 100 स्पोर्ट्स कम्पनी द्वारा संचालित किया जाएगा । इस टूर्नामेंट में एंटी करप्शन यूनिट का भी गठन किया जाएगा ।

सचिव महेन्द्र शर्मा ने बताया कि टूर्नामेंट का मुख्य लक्ष्य उदयपुर की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है, जो खिलाडी खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते है, उन्हें इस टूर्नामेंट के माध्यम से चयन कर हर तरह से सपोर्ट करते हुए नेशनल लेवल तक लेकर जाना मुख्य उद्देश्य है। 100 स्पोर्ट्स के रविन्द्र सिंह भाटी ने बताया कि टूर्नामेंट की थीम हूबहू आईपीएल जैसी रहेगी, सभी मैच 20-20 ओवर के रहेंगे। लीग में उदघाटन एवं समापन समारोह भी होगा। लीग में 6 टीमों के बीच में कुल 15 मैच राऊंड रोबिन के आधार पर होंगे, उसके बाद सेमी फाइनल एवं फाइनल मैच खेला जाएगा, सभी टीमें अपनी अलग अलग ड्रेस कोड में रहेगी।जिला संघ के मनोज भटनागर ने बताया कि टूर्नामेंट में छह टीमें क्रमश: भीण्डर बुल्स, मावली मेजेस्टिक, गोगुन्दा गन्स, कोटा किंग्स, ऋषभदेव रॉयल्स एवं खेरवाडा नाईट राईडर्स अपने खेल का प्रदर्शन करेंगी । जिला संघ के कोषाध्यक्ष मनोज चौधरी ने बताया कि टूर्नामेंट में विजेता टीम को 5 लाख एवं रनरअप टीम को 3 लाख का नकद पुरस्कार दिया जाएगा, वहीं मैन ऑफ सीरिज को 1 लाख एवं प्रत्येक मैच में से मैन आफ द मैच के रूप में चयनित खिलाडियों को 5 हजार रूपये नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

प्रीमियर लीग के बारे में जानकारी देते पीआर चन्द्रा व अन्य आयोजक।

सार-समाचार

मेले के पोस्टर का विमोचन

कपासन, (निसं)। मेवाड़ के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री शनिमहाराज आली का बैसाखी अमावस्या का तीन दिवसीय वार्षिक मेला 7 मई से शुरू होगा। मेले के प्रचार प्रसार के पोस्टर का विमोचन आज किया गया। मेले में भजन संध्या, राजस्थानी आर्केस्ट्रा और कवि सम्मेलन के कार्यक्रम रखे गए हैं।तीर्थ स्थल कार्य कारिणी कमेटी के सचिव कालुसिंह ने बताया कि गुरुवार को मेले की तैयारी को लेकर बैठक रखी गई। जिसमें मेले की अब तक हुई तैयारियों पर चर्चा की गई। साथ ही अलग अलग व्यवस्थाओं के लिए समितियां बनाई गई। मेले के प्रचार प्रसार के लिए पोस्टर का विमोचन भी किया गया। प्रचार वाहनों को भी रवाना किया गया।कमेटी अध्यक्ष छगन गुर्जर ने बताया कि मेले का शुभारंभ 7 मई को होगा। जिसमें सुबह मंदिर में यज्ञ हवन के साथ धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे और मंदिर पर नई ध्वज चढ्ढा मेले की शुरुआत की जाएगी। मेलार्थियों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन रंगमंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 7 मई को यश म्यूजिकल ठ्रुप की भजन संध्या होगी। जिसमें भजन गायक भेरुलाल बारेगामा, प्रेमशंकर जाट, मंगलसिंह रावत, धनराज मीणा, कॉमेडी कलाकार रमेश कुमावत, डांसर नीलू रंगीली, शालू नागौरी, सुमन, राधिका, पायल चौहान आदि कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।8 मई को समृद्धि फिल्म और टेलीविजन की ओर से राजस्थानी आरकेस्ट्रा का कार्यक्रम होगा। जिसमें हंसा, राखी रंगीली, डिंपल भट्ट, सविता चौहान, मोंटी मीर चंदानी, ऐश्वर्या, मनीष, अनामिका, दीपक, अंश और डांस ग्रुप भोपाल की ओर से प्रस्तुतियां दी जाएगी। 9 मई को कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। जिसमें कवि बुद्धि प्रकाश दाधीच, मनोज गुर्जर, पंडित सुनील व्यास, योगेन्द्र शर्मा, कमलेश कुमार, शंकर सुखवाल, भावना लौहार शामिल होंगे। मेले का समापन धार्मिक अनुष्ठानों के साथ होगा।

पीने के पानी को तरसे मवेशी

डूंगरपुर, (निसं)।गर्मी के मौसम में पेयजल की किल्लत दूर करते हुए आमजन को राहत देने के लिए जिला प्रशासन और जलदाय विभाग के दावे खोखले साबित हो रहे है। ग्राम पंचायत धंबोला के राजस्व गांव मेरोप में ग्रामीण सहित पशुओं को विभागीय उदासीनता के चलते पीने के पानी की समस्या से जूझना पड रहा है।धंबोला पंचायत के राजस्व गांव मेरोप की जनसंख्या 1200 के करीब है। यहां ग्रामीण हैंडपंप और कुओं के पानी पर ही निर्भर रहते है। गांव में पेयजल के लिए नल की कोई व्यवस्था नहीं है। इस साल बारिश की बेरुखी और भीषण गर्मी के कारण गांव के लगभग सभी हैंडपंपों का जल स्तर भी नीचे चला गया है। जिस वजह से हैंडपंप सिर्फ हवा ही बाहर फेंक रहे है। वहीं, कुओं का पानी भी सुख चुका है। पेयजल के संकट के चलते ग्रामीण परेशान है। ग्रामीणों के साथ मवेशियों को भी पीने का पानी नसीब नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया की गांव में नल नहीं है। हैंडपंप ही एक मात्र सहारा है। महिलाओं ने बताया की गांव में हैंडपंप खराब होने से दूर दराज जहां भी पानी मिल जाये। वहां से पानी भरने के लिए सुबह निकल जाती है। पूरा दिन पानी की व्यवस्था करने में ही बीत जाता है। फिर भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है। दूरदराज के जिस.जिस कुएं से पानी अब तक भरते थे। वहां के कुओं में भी पानी सूख चुका है। मेरोप गांव के ग्रामीणों ने बताया की खराब हैंडपंप को ठीक करने सहित पेयजल की समस्या के संबंध में बार.बार पंचायत और जलदाय विभाग को अवगत कराया,लेकिन जिम्मेदार इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

मृतक के आश्रितों को दी राशन सामग्री

राजसमंद, (निसं)। हाल ही में सडक दुर्घटना में बडलिया भील बस्ती निवासी युवक के निधन पर आहत परिवारजनों की सहायता के लिए गुरुवार आनंद मार्ग सेवादल सदस्य पहुंचे। उन्होंने में बस्ती जाकर मृतक के परिवारजनों को राशन सामग्री प्रदान की। गौरतलब है कि गत 28 अप्रैल को भूरवाडा जीएसएस के पास दो मोटरसाइकिलों की हुई भिडंत में बडलिया भील बस्ती निवासी भैरूलाल पुत्र नाथू भील की मृत्यु हो गई। घर के मुखिया के निधन के कारण पत्नी व चार मासूम बच्चें बेसहारा हो गए तथा घर में अब कमाने वाला कोई नहीं होने से परिवार संकट में आ गया है। इसे देखते हुए कानपुर निवासी समाजसेवी विवेक सूर्यवंशी के आर्थिक सहयोग से गुरुवार को आनंदमार्ग महिला सेवा दल सदस्य आनंदमयी व कार्यकर्ता मुकेश साहू ने बस्ती जाकर मृतक के परिवारजनों को राशन सामग्री प्रदान की। साथ ही पीडित परिवार को ढाढस बंधाया एवं समय-समय पर यथासम्भव सहयोग का भरोसा भी दिया। इसी प्रकार सदस्यों ने इसी बस्ती में दिव्यांग शंकरलाल एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ उनके भाई के परिवार को भी राशन सामग्री प्रदान की।

कलेक्टर व एसपी को सौंपा ज्ञापन

राजसमंद, ०(निसं)। चारभुजा थाना क्षेत्र के अमलियार गांव के ग्रामीणों ने गुरुवार को जिला कलेक्टर डॉ भंवरलाल और एसपी मनीष त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपकर गांव के सार्वजनिक चबूतरे पर अतिक्रमण रुकवाने और ग्रामीणों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज करवा रहे अतिक्रमी परिवार को पाबंद करने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि बरसों पुराने गांव के सार्वजनिक चबूतरे के पास की जमीन को भंवरसिंह नामक व्यक्ति ने खरीद लिया था। अब उसने गांव के सार्वजनिक चबूतरे पर भी अतिक्रमण करने की नियत से पत्थर डलवा दिया और वहां 2 दिन पहले आग लगाकर ग्रामीणों को झूठे मुकदमे में फंसाने की कोशिश की।

हमले का आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। राजनगर थाना पुलिस ने लूट व जानलेवा हमले के मामले में लम्बे समय से फरार चल रहे अपराधी नारायणलाल उर्फ प्रवीण उर्फ पप्पु को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी योगेश चौहान ने बताया कि प्रार्थी राजवीरसिह पुत्र शंभुसिंह राव निवासी देवाणा ने 2 दिसम्बर 2023 को एक लिखित रिपोर्ट पेश की कि 1 दिसम्बर 2023 की दरम्यानी रात में करीब 10:30 बजे मुझे फोन पर नारायणालाल सुथार, विष्णु बागोरा, लोकेश विजयवर्गीय एवं मिका उर्फ मयंक सनाढ्य ने फोन पर धमकी दी कि हम तुम्हारे मकान के बाहर खडे हैं। तू बाहर आ उस वक्त मैं घर पर मौजूद नहीं था। थोडी देर बाद रात करीब 12 बजे मैं व मेरा बडा भाई सुखवंतसिंह हाल नाथद्वारा के साथ घर जा रहा था। बडारडा बस स्टैण्ड पर अचानक मेरी गाडी के सामने आकर मेरी गाडी कि चाबी निकाल कर हम दोनों भाइयों पर जानलेवा हमला किया। जिस पर हमारे शरीर व सिर में गंभीर चोटें लगी। इस हमले में मेरी सोने दो तोले की चेन व अंगुठी भी छिन ली। हमारी गाडी को क्षतिग्रस्त कर चाकू से काट दिया। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया।

- लूट व जानलेवा हमले के मामले में लम्बे समय से फरार चल रहा था आरोपी

अनुसंधान के दौरान अपराधी मंयक सनाढ्य उर्फ मिका तथा विष्णु वागोरा को 8 दिसंबर 2023 को गिरफतार किया गया तथा 16 मार्च 2024 को अपराधी लोकेश पुत्र सत्यनारायण विजयवर्गीय को गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश किया था। प्रकरण में लम्बे समय से फरार अपराधी नारायणलाल (32) उर्फ प्रवीण उर्फ पप्पु पुत्र लेहरीलाल सुथार साल निवासी देवाणा के उच्च न्यायालय जोधपुर से गिरफ्तारी पर रोक थी। 29 अप्रैल 2024 को उक्त मुल्जिम की जमानत खारिज होने की सूचना मिलते ही प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसपी मनीष त्रिपाठी, एएसपी महेन्द्र पारीक एवं राजसमंद डीएसपी विवेकसिंह के निर्देशन में टीम का गठन कर कस्बा राजनगर, कांकरोली, कुंवारिया एवं संभावित जगह-जगह दबिश दे कर अपराधी नारायणलाल जो शतिर बदमाश व झगडालू प्रवृति का है, जिसको 1 मई 2024 को जुर्म उपरोक्त में गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश किया।

पुलिस ने लूट व हमले के आरोपी को गिरफ्तार किया।

स्टाम्प घोटाले के दो आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। पुलिस ने 5 करोड 23 लाख 88 हजार 511 रूपये के गबन व चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है वहीं एक सहयोगी को डिटेन करते हुए सामग्री एवं 2 लाख 28 हजार 600 रुपये की नगदी बरामद की है। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि राजकीय कोषालय में चोरी, गबन के मामले में थाना कोतवाली में मामला दर्ज होने के बाद प्रकरण के अनुसंधान के लिये विशेष टीम गठित कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. राजेश भारद्वाज, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह राठौड के सुपरविजन में टीम गठित करते हुए अनुसंधान कर आरोपी नारायणलाल पुत्र हीराजी यादव निवासी पुराना यादव मोहल्ला व आशीष पुत्र पहुपाल जैन निवासी खांदू कॉलोनी को चार घंटे के अंदर दस्तयाब कर लगातार कडी पूछताछ कर उपखंड अधिकारी से दोनों आरोपियों के निवास स्थानों की खाना तलाशी का वारंट प्राप्त कर रिहायशी मकानों की तलाशी ली गयी। तलाशी के दौरान स्टाम्प घोटाले संबंधी दस्तावेज, कूटकृत स्टाम्प टिकिट, प्रिंटर, नगद राशि जब्त की गयी। पुलिस ने आरोपी नारायणलाल द्वारा कोष कार्यालय से चोरी का आरोपी आशीष जैन को दिये गये नोटरी टिकिट, रेवेन्यु टिकिट, नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प, कोपिंग टिकिट, कोर्ट फीस टिकिट, आरोपी आशीष जैन से ईस्टाम्प व ईस्टाम्प से निकालने के 484 स्टाम्प कागज, कूटकृत सरकारी स्पेशल ऐडेसिव टिकिट छापने के लिये कलर प्रिंटर व एक अन्य प्रिंटर, नोट गिनने की मशीन, बडी मात्रा में कूटकृत सरकारी स्पेशल ऐडेसिव टिकिट जिससे नॉन ज्युडिशियल स्टाम्प बनाये जाते हैं, स्टाम्प पर लगाने वाली सरकारी मोहरे व चोरी किए गए स्टाम्प को बेचकर आरोपियों द्वारा अर्जित किये गये 2 लाख 28 हजार 600 रुपये बरामद किये। सहायक प्रशासनिक अधिकारी नारायण ने स्टाम्प वेंडर आशीष कुमार जैन से मिलीभगत कर अवैधानिक रुप से स्टाम्प-टिकिट इत्यादि निकाल कर 5 करोड से अधिक की राशि का गबन व चोरी की। नारायण व आशीष ने अपने सहयोगी भरत कुमार राव के साथ स्पेशल ऐडेसिव टिकिट को कूटकृत रुप से छापकर ग्राहकों को बेचान किया। जिससे चोरी किये गये स्टाम्प का भुगतान कर सके। आरोपियों ने राज्य सरकार द्वारा प्रचलित स्टाम्प पर लगने वाले स्पेशल ऐडेसिव टिकिट को अपने घर पर निजी कलर प्रिंटर से प्रिंटकर कूटकृत कर असली स्टाम्प के रूप में उपयोग करते हुए उसका बेचान किया।

रक्तदान शिविर आयोजित

जीजीटीयू और रेडक्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित शिविर में रक्तदान करते उपकुलसचिव प्रो लक्ष्मण लाल परमार।

बांसवाड़ा, (निसं)। जीजीटीयू और रेडक्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्त्वावधान में कुलपति प्रो केशव सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के अधिकारी वित्त नियंत्रक अरविन्द शर्मा, उपकुलसचिव प्रो लक्ष्मण लाल परमार, इंजिनीरिंग कॉलेज के संकाय सदस्य डॉ हिमांशु स्वर्णकार सहित 15 कार्मिकों और विद्यार्थियों विठ्ठल यादव, मनीष पाठक, हेमल शाह, रजत पंड्या, सुधीर प्रताप सिंह झाला, सचिन मेहता, धीरजमल मईडा, दिनेश बामनिया, रवीन्द्र रावत, सिद्धार्थ पंचाल, अश्विन डोडियार, मनोज जांगिड ने रक्तदान किया। इस अवसर पर कुलसचिव राजेश जोशी, निदेशक शोध प्रोअलका रस्तौगी, परीक्षा नियंत्रक प्रो मनोज पंड्या, प्रभारी सम्बद्धता डॉ नरेंद्र पानेरी, प्रभारी अकादमिक डॉ राकेश डामोर, प्रभारी परीक्षा डॉ अर्पित पाठक, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम कॉर्डिनेटर डॉ वनिता त्रिवेदी, इंडियन रेडक्रोस सोसायटी के कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र सराफ, डिप्टी कॉर्डिनेटर नीलेश सेठ, जिला ब्लड प्रभारी राहुल सराफ, वीरेंद्र भट्ट, हरेश लखानी, नीरज पाठक, धनराज राजोरा, भरत कंसारा, यश सराफ, पूनम सोतानी, प्रेरणा उपाध्याय, रश्मि तलरेजा, कोमल रूपचन्दानी आदि मौजूद रहे। रक्त संग्रहण में ब्लड बैंक से डॉ समीर खान, ब्लड बैंक प्रभारी नरेंद्र बघेल, साकेत भावसार, जितेंद्र, विक्रम सिंह, महेश यादव ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से कुलपति प्रो ठाकुर का अभिनन्दन किया गया।

मुझे तेज गेंदबाजी आक्रमण पसंद नहीं आया। जसप्रीत बुमराह के अलावा, यह उतना अच्छा नहीं है। मुझे लगता है कि भारत तेज गेंदबाज के मामले में कमजोर हो रहा है।'' प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। - मदनलाल

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय गेंदबाजी के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रुतुराज गायकवाड़

आईपीएल के सीजन 17 में ऑरेंज कैप अभी तक विराट कोहली के नाम थी लेकिन अब ये कैप चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सिर पर सज गई है। फिलहाल अभी तक ये है कि ये ऑरेंज कैप किसी भारतीय के सिर पर ही सजी है ना कि किसी विदेशी खिलाड़ी। वहीं पर्पल कैप अभी भी जसप्रीत बुमराह के पास है। उसे उनसे छीनने में हर कोई पीछे है। आईपीएल 2024 ऑरेंज कैप अब रुतुराज गायकवाड़ के सिर पर है। विराट कोहली लंबे समय से इस कैप को अपने सिर पर सजाए हुए थे, लेकिन रुतुराज गायकवाड़ ने बुधवार को एक और अर्धशतकी जड़ा।

क्या आप जानते हैं ?... एकदिवसीय मैच में पहला शतक 1972 में इंग्लैंड के डेनिस एमिस ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध ओल्ड ट्रैफर्ड में बनाया था (134 गेंदों पर 103 रन)।

हैदराबाद ने राजस्थान को एक रन से हराया

भुवनेश्वर ने आखिरी ओवर में 13 रन डिफेंड किए, 3 विकेट भी लिये

हैदराबाद, 2 मई। इंडियन प्रीमियर लीग में गुरुवार के रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हरा दिया। टीम के भुवनेश्वर कुमार ने आखिरी ओवर में रोवमन पॉवेल और रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ 13 रन डिफेंड किए। हैदराबाद से भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट लिए। पैट कमिंस और थंगरासु नटराजन ने 2-2 विकेट लिए। राजस्थान से रियान पराग ने 77 और यशस्वी जायसवाल ने 67 रन बनाए। हैदराबाद ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाए। राजस्थान 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 200 रन ही बना सकी। नितीश कुमार रेड्डी नाबाद (76) और ट्रैविस हेड (58) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 50वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 202 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करनी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पांचवें ओवर में अभिषेक शर्मा (12) का विकेट गवां दिया। इसके बाद अगले ही ओवर में अनमोलप्रीत सिंह (5) रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

ऐसे संकट के समय नितीश कुमार रेड्डी ने ट्रैविस हेड के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए (96) रन जोड़े। ट्रैविस हेड ने 44 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुए (58) रन बनाये। वहीं नितीश कुमार रेड्डी ने 42 गेंदों में तीन चौके और आठ छक्के लगाते हुए नाबाद (76) रनों की पारी खेली। हाइनरिक क्लासन 19 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए (42) रन बनाये। हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवर में तीन विकेट पर 201 रनों का स्कोर खड़ा किया। राजस्थान की ओर से आवेश खान ने दो विकेट लिये। संदीप शर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को तीसरे टी-20 में हराया

3-0 से सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

सिलहट, 2 मई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम को तीसरे टी20 मैच में 7 विकेट से रौंद दिया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सिलहट में खेले गए मैच में मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 117 रन ही बनाए। जिसके जवाब में भारत ने शेफाली वर्मा (51) और स्मृति मंधाना (47) की पारियों की बदौलत 19वें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

बता दें कि, बांग्लादेश के 118 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शेफाली (51 रन, 38 गेंद, आठ चौके) के अर्धशतक और स्मृति मंधाना (47 रन, 42 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) के साथ उनकी पहले विकेट 91 रन की साझेदारी की। इस साल टी20 महिला विश्व कप बांग्लादेश में ही होना है और इसलिए भारतीय टीम का यह प्रदर्शन काफी अहम है। वहीं बांग्लादेश की टीम इससे पहले सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर (25 गेंद में 39 रन) और कप्तान निगार सुल्ताना (28) की उम्दा पारियों के बावजूद 20 ओवर में आठ विकेट पर 117 रन ही बना सकी।

भारत की ओर से राधा यादव ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर और श्रेयंका पाटिल को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को शेफाली और स्मृति ने तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 59 रन जोड़े। स्मृति ने मारूफा अख्तर जबकि शेफाली ने फाहिमा तिश्ना पर चौके से खाता खोला। शेफाली ने शोरिफा खातून का स्वागत तीन चौकों के साथ किया जबकि नाहिदा अख्तर पर भी लगातार तीन चौके मारे। शेफाली ने फाहिमा खातून की गेंद पर एक रन के साथ नौवां अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में रितु मोनी को उन्हीं की गेंद पर कैच दे बैठीं। स्मृति ने राबेया पर पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन नाहिदा की गेंद पर फाहिमा के हाथों लपकी गईं।

सलीमा टेटे बनी भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान

नई दिल्ली, 2 मई। भारतीय महिला हॉकी टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। दरअसल मिडफील्डर सलीमा टेटे को सविता पूनिया की जगह टीम की कमान सौंपी गई है। बता दें कि, इस महीने के आखिर में होने वाले एफआईएच प्रो लीग के बेल्जियम और

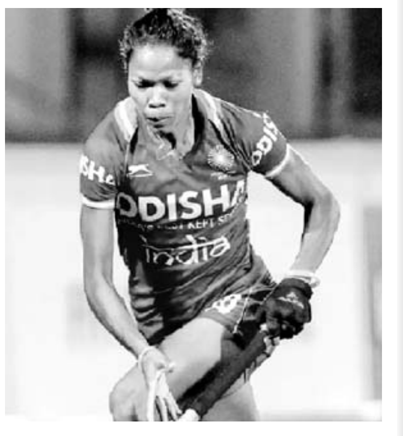

इंग्लैंड चरण के लिए भारत की 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। जबकि नवनीत कौर को उपकप्तान चुना गया है। वहीं सलीमा ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा कि, मुझे खुशी है कि टीम की कप्तानी दी गई है। यह बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। हमारे पास मजबूत टीम है जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं। साथ ही उन्होंने कहा, ''एफआईएच प्रो लीग के आगामी बेल्जियम और इंग्लैंड चरण में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हमें अपनी कमजोरियों से पार पाना है।''

पाकिस्तान क्रिकेट ने की 18 खिलाड़ियों के नामों की घोषणा

पाकिस्तान, 2 मई। इसी महीने पाकिस्तान आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा। वहीं इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। पीसीबी ने ये भी बताया कि इसी स्क्वॉड में से 3 प्लेयर्स को बाहर कर वर्ल्ड कप स्क्वॉड जारी किया जाएगा, जो इंग्लैंड सीरीज के दौरान ही किया जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप से पहले 10 से 14 मई के बीच आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा। इसके बाद 22 से 30 मई के बीच पाकिस्तान और इंग्लैंड टी20 सीरीज होगी। आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए आखिरी स्क्वॉड देने के लिए 24 मई डेड लाइन रखी है।

कांगड़ा जिले में छह मई को पैराग्लाइडिंग, ड्रोन फ्लाइंग पर लगी रोक

धर्मशाला, 2 मई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रस्तावित धर्मशाला प्रवास मद्देनजर सुरक्षा कारणों से कांगड़ा जिला में पैराग्लाइडिंग, ड्रोन फ्लाइंग, हॉट एयर बैलून, एयरो स्पोर्ट्स जैसी गतिविधियों पर छह मई को पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। टी-20 मैच के दौरान 05 और 09 मई को धर्मशाला उपमंडल में पैराग्लाइडिंग, ड्रोन फ्लाइंग, हॉट एयर बैलून, एयरो स्पोर्ट्स जैसे गतिविधियों पर विराम रहेगा। हालांकि इसमें पुलिस प्रशासन तथा सुरक्षा एजेंसियों को छूट रहेगी। जिला दंडाधिकारी हेमराज बैरवा ने आज यहां यह आदेश पारित करते हुए कहा कि विशिष्ट अतिथियों तथा दर्शकों की सुरक्षा के मद्देनजर यह आदेश जारी किए गए हैं।

क्रिकेट में तूफान मचाने के बाद बॉलीवुड डेब्यू करेंगे आंद्रे रसेल

कोलकाता, 2 मई। केकेआर के विस्फोटक बल्लेबाज आंद्रे रसेल क्रिकेट में गर्दा मचाने के बाद अब बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। दरअसल, आंद्रे रसेल को भारत में बहुत प्यार मिलता है, उनके चाहने वालों में बड़ी संख्या में भारतीय फैंस हैं। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में भी कदम रख लिया है जिसके बाद उन्होंने छोटे पर्दे की बालिका वधू यानी अविका गौर के साथ गाना शूट किया है जो 9 मई को रिलीज होगा।

खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई की कोलकाता से भिड़ंत, प्लेऑफ की राह मुश्किल

मुंबई, 2 मई। खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स अपनी कमजोरियों से पार पाने के इरादे से उतरेगी। नौ मैचों में छह जीत के बाद 12 अंक लेकर केकेआर तालिका में दूसरे स्थान पर है और प्लेऑफ में उसकी जगह लगभग पक्की लग रही है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम को हालांकि हर विभाग में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके किसी तरह की कोताही से बचना होगा। केकेआर ने पिछले छह में से तीन मैच गंवाये हैं और पंजाब किंग्स ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके उसे हराया लेकिन फिर केकेआर ने वापसी करके दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से मात दी। बल्लेबाजी में अति आक्रामक रवैये का केकेआर को फायदा मिला है लेकिन गेंदबाजी में सुधार की गुंजाइश है। मिचेल स्टार्क प्रति ओवर 12 की दर से रन लुटा रहे हैं और उन्हें सात ही विकेट मिले हैं। बल्लेबाजों की मददगार पिचों पर आस्ट्रेलिया का यह तेज गेंदबाज कोई कमाल नहीं कर पा रहा। हर्षित राणा ने सर्वाधिक 11 विकेट लिये हैं लेकिन दिल्ली के अभिषेक पोरेल के विकेट पर अति आक्रामक जश्न मनाने के कारण उन पर एक मैच का प्रतिबंध लगा है। वैभव अरोड़ा ने पांच मैचों में नौ विकेट लिये हैं।

वानखेड़े स्टेडियम बल्लेबाजों की मददगार पिच के लिये मशहूर है और इस पर 200 से अधिक का स्कोर बनना तय है। ऐसे में नजरें रिंकू सिंह पर भी होंगी जिन्हें टी20 विश्व कप के लिये भारत की मुख्य टीम में जगह नहीं मिलने से काफी बहस हो रही है। उन्हें इस साल आईपीएल में खेलने का अधिक समय ही नहीं मिल सका। दूसरी ओर मुंबई प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर लग रही है हालांकि उसे पांच मैच और खेलने हैं।

चार विभागीय एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, 2 मई। भारतीय मुक्केबाजों मांदेंगबाम जादुमणि सिंह, निखिल, अजय कुमार और अंकुश ने गुरुवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुष अंडर-22 सेमीफाइनल में जगह बनाई। जादुमणि ने 51 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में भूटान के फुंटशो किनले को 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई।

निखिल (57 किग्रा) ने भी इसी तरह का दबदबा बनाया और उज्बेकिस्तान के बखितियोरव अयूबखोन को 4-0 से शिकस्त दी। अजय (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) ने रेफरी के मुकाबले रोकने (आरएससी) पर अपने-अपने मुकाबले जीते। अजय ने मंगोलिया के दमदिंडोरज पी के खिलाफ पहले दौर में ही मुकाबला जीत लिया जबकि अंकुश ने कोरिया के ली जू सांग के खिलाफ तीसरे दौर में जीत दर्ज की। आशीष हालांकि पुरुषों के 54 किग्रा क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के ओयुन एर्डेन ई के खिलाफ 2-3 से हार गए। बुधवार देर रात आर्यन (92 किग्रा), निशा (52 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) ने युवा वर्ग में अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीते।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए तीन देशों की टीम घोषित, कनाडा-ओमान में 11 भारतीय

नई दिल्ली, 2 मई। टी-20 वर्ल्ड के लिए कनाडा, नेपाल और ओमान ने भी अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। नेपाल ने अपनी टीम में पूर्व कप्तान संदीप लामिछाने को जगह नहीं दी है। कनाडा और ओमान ने पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी को अपना कप्तान बनाया है।

दोनों टीमों में 11 भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। ओमान ने 4 और कनाडा ने 7 भारतीय मूल के खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरी बार क्वालिफाई करने वाली नेपाल की टीम में संदीप लामिछाने को जगह नहीं दी गई है। नेपाल ने रोहित पौडेल को टीम का कप्तान नियुक्त किया है।

टीम में आतिशी बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी भी हैं। उन्होंने हाल ही टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में एक ओवर में छह छक्के जड़े थे। 34 गेंदों पर टी-20 शतक ठोकने वाले कुशल मल्ला भी टीम का हिस्सा हैं।

संदीप लामिछाने पर सितंबर 2022 में रेप का केस हुआ था। निचली अदालत ने उन्हें पुलिस हिरासत में रखकर पूछताछ करने के लिए कहा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में रखने के फैसले को पलट दिया।

रोहित और अजीत अगरकर ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

केएल राहुल से लेकर रिंकू सिंह तक कई सवालों के दिए जवाब

नई दिल्ली, 2 मई। आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय टीम घोषित हो चुकी है। वहीं गुरुवार को चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कई सवालों के जवाब भी दिए। इनमें केएल राहुल को ड्रॉप किए जाने से लेकर रिंकू सिंह को मौका नहीं मिलना और विराट कोहली के स्ट्राइक रेट पर भी उन्होंने अपना मत रखा।

वहीं जब चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से मीडिया ने पूछा कि केएल राहुल को ड्रॉप क्यों किया ? तो इस पर उन्होंने कहा कि, हमें बीच में एक खिलाड़ी की जरूरत थी। केएल राहुल टॉप पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। संजू ने अच्छा प्रदर्शन किया है और यहां तक कि ऋषभ पंत भी नंबर 5 पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। हालांकि, ये इस बारे में नहीं है कि कौन बेहतर है और कौन नहीं? लेकिन पंत और संजू ने निचले क्रम में बल्लेबाजी करने में ज्यादा समय बिताया है।

वहीं रिंकू सिंह को टीम में मौका नहीं दिए जाने पर अगरकर ने कहा कि रिंकू सिंह ने कुछ गलत नहीं किया है। उन्हें ड्रॉप करना सबसे मुश्किल फैसला था, उनकी कोई गलती नहीं है। ये दुर्भाग्यपूर्ण है।टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने शिवम दुबे के चयन पर बताया कि हमारे टॉप ऑर्डर आक्रामक बल्लेबाजी करता है और ये बुरा नहीं है। हम चाहते थे कि मिडिल ओवरों में भी कोई इसी तरह की भूमिका निभाए और फ्री होकर खेले। हमने आईपीएल में शिवम दुबे के प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन किया। हमने इस बारे में बात की और उनका चयन किया।

ओस के कारण हमारे लिए परिस्थितियां मुश्किल हो गयी : ऋतुराज गायकवाड़

चेन्नई, 2 मई। पंजाब किंग्स के खिलाफ 13 गेंद शेष रहते सात विकेट से शिकस्त का सामना करने के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा कि ओस के कारण बाद में बल्लेबाजी करना आसान हो गया था। गायकवाड़ की 48 गेंद में 62 रन की पारी के दम पर सीएसके ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 162 रन बनाये। पंजाब ने 17.5 ओवर में तीन विकेट पर लक्ष्य हासिल कर 10 मैचों में चौथी जीत दर्ज की। गायकवाड़ ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, '' हमने 50-60 रन कम बनाये थे। यह हम पहले बल्लेबाजी कर रहे थे तो पिच काफी चुनौतीपूर्ण थी लेकिन बाद में ओस के कारण चीजें मुश्किल हो गयी।'' उन्होंने कहा, '' ओस के कारण हमारे लिए परिस्थितियां काफी मुश्किल हो गयीं। पिछले मैच में भी हम उस समय आश्चर्यचकित थे जब हमने बड़े अंतर से मैच जीता था। यह कुछ ऐसा है जो हमारे हाथ में नहीं है।'' गायकवाड़ ने कहा, ''हम पहले पारी में भी और अच्छी बल्लेबाजी कर सकते थे।

रूबलेव ने अलकराज के तीसरी बार मैड्रिड ओपन जीतने के सपने को तोड़ा

मैड्रिड, 2 मई। रूस के टेनिस खिलाड़ी आंद्रे रूबलेव ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए स्पेन के कार्लोस अलकराज के लगातार तीन बार मैड्रिड ओपन खिताब जीतने के सपने को तोड़ दिया है। बुधवार को मैड्रिड ओपन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में सातवीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव ने एक सेट में पिछड़ने के बाद स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अलकराज को 4-6, 6-3, 6-2 से हराया।

दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन 20 वर्षीय अलकराज ने 41 मिनट में शुरुआती सेट जीतने के बावजूद अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके। रुबलेव ने एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में जोरदार प्रदर्शन करते हुए अलकराज की 14 मैचों की जीत की लय को तोड़ते हुए मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। रुबलेव ने मैच के बाद कहा, सर्विस ने आज मुझे कई बार बचाया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह मेरे पहले मैचों में से एक था जहां मैं पूरी तरह से शांत था। मैंने एक शब्द भी नहीं कहा, भले ही मैं हार रहा था। मैं और भी बेहतर सर्विस करने में सक्षम था क्योंकि शुरुआत में, मैं उतनी अच्छी सर्विस नहीं कर पा रहा था, लेकिन धीरे-धीरे, एक सेट के बाद मैं बेहतर होता गया और मैंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया।

शास्त्री और यूनाइटेड भारत ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की

नयी दिल्ली, 2 मई। शास्त्री एफसी और यूनाइटेड भारत ने गुरुवार को अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए सुपर सिक्स के लिये अपना दावा मजबूत किया। आज यहां विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स पर खेले गए तेज रफ्तार मुकाबले में गौतम और प्लेयर ऑफ द मैच दीपू एल्सन के शानदार गोलों की मदद से शास्त्री एफसी ने अजमल एफसी को 2-0 से हरा कर डीएसए सीनियर डिवीजन लीग के सुपर सिक्स में पहुंचने की मजबूत दावेदारी पेश की। शास्त्री ने अधिकांश समय मैच में अपना दबदबा बनाए रखा लेकिन तेज हवा के चलते ज्यादा गोल नहीं निकल पाएं। आज की जीत के साथ शास्त्री ने 10 मैचों में 14 और अजमल ने 11 अंक बनाए हैं।

मैच फिक्सिंग में फंसे विंडीज विकेटकीपर

कैरेबियाई क्रिकेटर डेवोन थॉमस पर लगा 5 साल का बैन, समेत साबित हुए 7 बड़े आरोप

वेस्टइंडीज, 2 मई। वेस्टइंडीज के एक विकेटकीपर खिलाड़ी पर गाज गिरी है। 34 वर्षीय कैरेबियाई क्रिकेटर डेवोन थॉमस पर आईसीसी ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों में खेलने पर 5 साल का बैन लगा दिया है। थॉमस ने स्वीकार किया है कि उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट, अमीरात क्रिकेट बोर्ड और कैरेबियन प्रीमियर लीग के 7 एंटी करप्शन कोड्स का उल्लंघन किया है। इसी के चलते ने उन पर कड़ा एक्शन लेते हुए उन्हें 5 साल बैन की सजा सुनाई है। बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल ने पिछले साल मई में 7 आरोप लगाते हुए डेवोन थॉमस को सस्पेंड कर दिया था, लेकिन अब उन्हें पूरी तरह बैन कर दिया गया है। उनपर मैच फिक्सिंग के आरोप भी लगे थे और अपनी सफाई के लिए उन्हें 14 दिन की मोहलत दी गई थी।

इंटीग्रिटी यूनिट के जनरल मैनेजर एलेक्स हेल्स ने स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा, ''प्रोफेशनल तौर पर अंतर्राष्ट्रीय, डोमेस्टिक क्रिकेट और फ्रैंचाइजी क्रिकेट खेल चुके डेवोन थॉमस ने कई भ्रष्टाचार विरोधी सत्रों में भाग लिया था। वो जानते थे कि एंटी करप्शन कोड्स के तहत उनकी जिम्मेदारियां क्या थीं लेकिन वो अपने दायित्वों को पूरा करने में नाकाम रहे। ये बैन सही लगाया गया है और इससे भ्रष्टाचार करने वाले अन्य खिलाड़ियों को संदेश भी जाता है कि ऐसा करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।''

डेवोन थॉमस अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वेस्टइंडीज के लिए केवल 1 टेस्ट मैच खेल पाए, जिसमें उन्होंने 31 रन बनाए और 2 विकेट भी लिए थे। इसके अलावा उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए 21 वनडे मैचों में 238 रन बनाने के अलावा 2 विकेट भी लिए। वहीं 12 टी20 मैचों में थॉमस केवल 51 रन बना पाए थे। उन्हें आखिरी बार साल 2022 में वेस्ट इंडीज के लिए खेलते देखा गया था।

थॉमस कप के क्वार्टरफाइनल में पुरुष और महिला टीम की हार के साथ भारतीय अभियान समाप्त

चेंगदू, 2 मई। भारतीय पुरुष और महिला बैडमिंटन टीम को थॉमस और उबेर कप 2024 के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में गुरुवार को मिली हार के साथ टूर्नामेंट में उसका अभियान समाप्त हो गया। चीन के चेंगदू में आयोजित क्वार्टरफाइनल में आज पुरुष टीम को चीन के खिलाफ 3-1 और महिला टीम को जापान के खिलाफ मुकाबले में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। एचएस प्रणॉय को चीनी खिलाड़ी शी यू की से 21-15, 11-21,14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

वहीं थॉमस कप के दूसरे मुकाबले में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को वेई केंग-वांग चांग की जोड़ी ने 21-15, 11-21, 21-12 से हराया और इसी के साथ भारत 0-2 से पिछड़ गया। वहीं एकल मुकाबले में राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन की जीत ने भारत की उम्मीदें बरकरार रखीं और स्कोर 1-2 हो गया। लक्ष्य ने ली शी फेंग को 13-21, 21-8, 21-14 से मात दी। लक्ष्य की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने वापसी की और मैच को तीसरे गेम तक पहुंचाया। भारतीय शटलर ने निर्णायक गेम में जीत दर्ज कर मैच अपने नाम कर लिया।

पुरुष युगल मुकाबले में ध्रुव कपिला और साई प्रतीक की जोड़ी को ही जिटिंग-रेन जियांग यू से सीधे गेम में 10-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ पुरुष टीम थॉमस कप से बाहर हो गई। इससे पहले महिला टीम ने एकल मुकाबले से प्रतियोगिता की शुरुआत की। विश्व रैंकिंग में 53वें स्थान पर मौजूद अस्मिता चालिहा को वर्ल्ड रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज अया ओहोरी ने 21-10, 20-22, 21-15 से शिकस्त दी।

वहीं, राष्ट्रीय युगल चैंपियन प्रिया कोन्जेंगबाम-सिमरन सिंघी को दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी नामी मत्सुयामा और चिहारू शिडा ने सीधे गेम में 21-8, 21-9 से हराया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को भाजपा के चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी संभालने दिल्ली पहुंचे। उन्होंने पश्चिम दिल्ली से भाजपा उम्मीदवार कमलजीत सहरावत के पक्ष में रोड शो किया और नामांकन सभा को भी संबोधित किया। सहरावत का रोड शो गुरुवार को सोशल मीडिया पर खूब चर्चित रहा, कमलजीत सहरावत हाथ में धनुष-बाण लेकर ढोल-नगाड़ों के साथ रोड शो करते हुये चुनाव नामांकन कार्यालय पहुँचीं। मुख्यमंत्री भजनलाल का भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया और उनके समर्थन में जोर-शोर से खूब नारे लगाये।

मु.मंत्री भजनलाल ने प. दिल्ली में भाजपा प्रत्याशी के लिए रोड शो किया

- मुख्यमंत्री ने भाजपा प्रत्याशी कमल सहरावत की नामांकन सभा में भी भाग लेकर उनका उत्साह बढ़ाया।
- सभा में जय श्रीराम और मोदी के नारों के साथ ही भजनलाल के लिए भी नारे लगे, ''राजस्थान का एक ही लाल भजनलाल।''

नई दिल्ली, 2 मई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा गुरूवार को लोकसभा चुनाव, 2024, में पश्चिम दिल्ली की भाजपा प्रत्याशी कमलजीत सहरावत के नामांकन अवसर पर उपस्थित हुए।

मुख्यमंत्री गुरूवार को कमलजीत सहरावत के साथ पश्चिम दिल्ली के राजा गार्डन स्थित जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय भी गए तथा जीत के लिए सहरावत को अग्रिम बधाई दी।

इससे पूर्व भजनलाल शर्मा सहरावत के रोड शो में भी शामिल हुए। पश्चिम दिल्ली में जनकपुरी से आरंभ हुए इस रोड शो में हजारों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। करीब चार किलोमीटर लंबे रोड शो में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडों को लहराते हुए डीजे की धुन पर नाचते- गाते हुए भाजपा प्रत्याशी के लिए समर्थन जताया।

रोड शो में कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम और मोदी-मोदी के नारों के साथ-साथ ''राजस्थान का एक ही लाल भजनलाल भजनलाल'' के नारे लगाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। सहरावत द्वारा नामांकन दाखिल करने के अवसर पर केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी तथा दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी भाग लिया।

सहरावत का रोड शो गुरुवार को सोशल मीडिया पर खूब चर्चित रहा, कमलजीत सहरावत हाथ में धनुष-बाण लेकर ढोल-नगाड़ों के साथ रोड शो करते हुये चुनाव नामांकन कार्यालय पहुँचीं।

मुख्यमंत्री भजनलाल का भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया और उनके समर्थन में जोर-शोर से खूब नारे लगाये।

फोर्टिस अस्पताल ने डोनर और रैसिपिएंट लाने के लिए एक प्राइवेट कम्पनी से एम.ओ.यू. कर रखा था

राजधानी जयपुर में मानव अंग तस्करी व ट्रांसप्लांट केस में नया खुलासा

- पुलिस ने मैड सफर प्राइवेट लिमिटेड नामक इस कम्पनी के निदेशक सुमन जाना व कर्मचारी सुखमय नन्दी उर्फ गोपाल को पश्चिम बंगाल में दो अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया है।
- इस कम्पनी के निदेशक तथा उसमें काम करने वाले कर्मचारी आम लोगों को बहला फुसला कर मानव अंगों की खरीद-फरोख्त और तस्करी करते थे।

जयपुर, 2 मई। राजधानी जयपुर में मानव अंग तस्करी व ट्रांसप्लांट के मामले में आरोपियों से रोजाना बड़े खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि, मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए फोर्टिस अस्पताल ने मैड सफर प्राइवेट लिमिटेड नामक कम्पनी के साथ डोनर और रैसिपिएंट लाने का एम.ओ.यू. कर रखा है। पुलिस ने कम्पनी के निदेशक सुमन जाना एवं कर्मचारी सुखमय नन्दी उर्फ गोपाल को पश्चिम बगांल में दो अलग-अलग जगह पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है।

ए.सी.बी. कार्रवाई के बाद जवाहर सर्किल पुलिस थाने में मानव तस्करी व अंग प्रत्यारोपण के सम्बन्ध में चिकित्सा विभाग की ओर से मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस ने इसमें अब तक सवाई मानसिंह अस्पताल के सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह, विनोद सिंह और फोर्टिस अस्पताल के अंग प्रत्यारोपण कोऑर्डिनेटर गिर्राज शर्मा एवं बांग्लादेशी नागरिक नूरुल इस्लाम, मेहंदी हसन शमीम, मो. अहशानुल कोबीर और मो. आजाद हुसैन को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों से की गई पूछताछ व अनुसंधान से सामने आया कि, मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए फोर्टिस अस्पताल ने मैड सफर प्राइवेट लिमिटेड नामक कम्पनी के साथ अंग प्रत्यारोपण के लिए डोनर और रैसिपिएंट लाने का एम.ओ.यू. कर रखा है। इस कम्पनी के निदेशक तथा उसमें काम करने वाले व्यक्तियों द्वारा लोगों के साथ धोखाधड़ी कर मानव अगों की खरीद -फरोख्त की जाती थी। इस कम्पनी के निदेशक एवं अन्य सम्बन्धित व्यक्तियों की कोलकाता के आसपास होने की जानकारी मिलने पर एक विशेष टीम का गठन कर पश्चिम बंगाल भेजा गया। टीम ने तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों का संकलन कर कम्पनी के निदेशक सुमन जाना एवं कर्मचारी सुखमय नन्दी उर्फ गोपाल को पश्चिम बगांल में दो अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है। अभियुक्त सुमन जाना एवं सुखमय नन्दी उर्फ गोपाल से पूछताछ कर अग्रिम अनुसंधान जारी है।

सहरावत का रोड शो गुरुवार को सोशल मीडिया पर खूब चर्चित रहा, कमलजीत सहरावत हाथ में धनुष-बाण लेकर ढोल-नगाड़ों के साथ रोड शो करते हुये चुनाव नामांकन कार्यालय पहुँचीं। मुख्यमंत्री भजनलाल का भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया और उनके समर्थन में जोर-शोर से खूब नारे लगाये।

'कांग्रेस तो पाकिस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खबरों के बीच आयी कि, पाकिस्तान की पूर्ववर्ती इमरान खान सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने अपने सोशल मीडिया हैण्डल पर राहुल गांधी की तस्वीर लगाकर उनकी प्रशंसा की है। कांग्रेस का कहना है कि, प्रधानमंत्री विपक्ष को, खासतौर पर कांग्रेस को मात देने के लिए हिंदू-मुस्लिम, अल्पसंख्यक और पाकिस्तान कार्ड का बार-बार इस्तेमाल करते रहे हैं। मोदी ने कहा कि ''पाकिस्तान रो रहा है क्योंकि कांग्रेस यहाँ मर रही है। पाकिस्तान के नेता कांग्रेस के लिए दुआ कर रहे हैं। पाकिस्तान शहज़ादे (इशारा राहुल गांधी की ओर) को अगला प्रधानमंत्री बनाने के लिए बेताब है। यह आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि हम पहले ही जानते हैं कि, कांग्रेस पाकिस्तान की मुरीद है। पाकिस्तान और कांग्रेस के बीच की साझेदारी उजागर हो चुकी है। इससे पता चलता है कि, देश के दुश्मन भारत में कमज़ोर सरकार चाहते हैं, ना कि मजबूत सरकार।'' मध्य गुजरात के आणंद और खेड़ा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आणंद में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने विपक्ष के नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी मारिया आलम के ''वोट फॉर जिहाद'' आव्हान पर कांग्रेस के लिए चुटकी लेते हुए कहा कि ''हमने अब तक लव जिहाद और भूमि जिहाद के बारे में सुना है, लेकिन इण्डिया गठबंधन अब ''वोट जिहाद'' का आव्हान कर रहा है।''

कॉमेडियन श्याम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि, उनके पास राजनीति, धन अथवा नामांकन का अनुभव नहीं है, अत: वह चुनाव मैदान में उतरने के लिए जनता का सहयोग चाह रहे हैं। श्याम रंगीला हाल ही में तब लोकप्रिय बन गए थे, जब उन्होंने पैट्रोल की बढ़ती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर एक वीडियो बनाया था, लेकिन अपने इस ''सोलो एक्ट'' के लिए उन्हें 11,000 का जुर्माना अदा करना पड़ा था।

क्या इस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो सकेंगे। सुखबीर सिंह जौनपुरिया 2014 व 2019 में इसी सीट से जीत चुके हैं अर्थात गत दस सालों से इसी सीट से सांसद हैं और उनके खिलाफ ''एंटी इन्कमबैंसी'' लहर का भी थोड़ा बहुत असर है। चुनाव प्रचार के दौरान इस क्षेत्र के कई गांवों में उनका विरोध भी देखा गया।

'दबदबा था: दबदबा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- यह पहली बार नहीं है, जबकि केसरगंज सीट पर बृज भूषण सिंह ने अपने ''प्रॉक्सी'' उम्मीदवार को खड़ा किया और जितवाया है। जब बृज भूषण सिंह टाडा में गिरफ्तार थे, उनकी पत्नी उनके एवज में चुनाव लड़ी थीं और जीती थीं।
- इस बार भी बृज भूषण सिंह के पुत्र ''प्रॉक्सी'' उम्मीदवार हैं तथा केसरगंज से पारिवारिक सीट पर जीतेंगे।

भी किया। तीस से ज्यादा सभाओं को संबोधित करते हुए, यौन उत्पीड़न के आरोपों पर अपनी बेगुनाही का दावा किया। इन सभाओं में कथित रूप से भारी संख्या में लोग उपस्थित थे, जिससे संकेत मिलते हैं कि, पिछले कुछ वर्षों में बृज भूषण क्षेत्र में काफी प्रभावशाली बन गए हैं।

बृजभूषण के बाद उसके भरोसेमंद संजय सिंह के भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख चुनने के बाद, उपरोक्त क्षेत्रों में बृजभूषण के पोस्टर्स लगाए गए, जिन पर लिखा था, ''दबदबा था, दबदबा रहेगा।'' यद्यपि उसका टिकट फाइनल नहीं हुआ था, फिर भी भूषण ने पिछले कुछ सप्ताहों में अपने चुनाव क्षेत्र में प्रचार शुरू कर दिया था, जिसमें भारी भीड़ जुट रही थी।

यह पहली बार नहीं है कि, भाजपा ने केसरगंज में एक ''प्रॉक्सी'' उम्मीदवार खड़ा किया है। वर्ष 1996 में जब बृजभूषण टाडा के तहत जेल में था, तब भाजपा ने उसकी पत्नी केतकी देवी सिंह को गौंडा चुनाव क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया था। वह उस वर्ष चुनाव जीत गयीं थीं।

अपनी मां की तरह, करण भूषण को भी राजनीति में अनाड़ी माना जाता है। करण भूषण ने ऑस्ट्रेलिया से बिजनैस मैनेजमैंट में डिप्लोमा किया है और वर्तमान में वह उत्तर प्रदेश कुश्ती महासंघ का अध्यक्ष है। करण के चुने जाने के कुछ दिन बाद, ओलंपिक मैडलिस्ट बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक ने विरोध प्रदर्शनों की धमकी दी थी, यह दावा करते हुए कि, सरकार ने वादा किया था कि, बृजभूषण या उसका कोई भी रिश्तेदार या उसका कोई भी साथी खेल का संचालन नहीं करेगा।

'भारत में लोकसभा चुनाव को प्रभावित कर रहा है अमेरिका'

नई दिल्ली, 2 मई (वार्ता) भारत ने अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग को एक पक्षपाती संगठन और उसकी रिपोर्ट को राजनीतिक एजेंडा करार दिया है तथा कहा है कि इसके जरिये भारत के आम चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां मीडिया की नियमित ब्रीफिंग में कहा, यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) ने कल अपनी रिपोर्ट 2024 जारी की है। वे पहले भी अपनी रिपोर्ट जारी करते रहे हैं। प्रवक्ता ने कहा कि, यू.एस.सी.आई.आर.एफ. को एक पक्षपाती संगठन के रूप में जाना जाता है।

'भारत ज़ैनोफोबिक होने की वजह से पिछड़ा हुआ है'

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि, भारत के आर्थिक शक्ति के तौर पर पीछे रह जाने का यही प्रमुख कारण है

- ''ज़ैनोफोबिक'' शब्द का अर्थ है, बाहरी लोगों का स्वागत करने से डरना।
- राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि, इसके विपरीत अमेरिका ''ज़ैनोफोबिक'' नहीं है। हम बाहरी लोगों का स्वागत करते हैं, बल्कि हमारा जो आर्थिक विकास हुआ है वह बाहरी लोगों की वजह से ही है।

नई दिल्ली, 2 मई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि भारत जैसे देश जेनोफोबिक हैं। यही उनके आर्थिक शक्ति के तौर पर पीछे रह जाने का कारण है। बाइडन ने कहा कि भारत, चीन, जापान और रूस जैसे देश ''जेनोफोबिक'' हैं। इसके चलते उनकी अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। ''जेनोफोबिक'' का अर्थ एक प्रकार के डर से होता है, जो बाहरी लोगों को आने से रोकता है। बाडइेन ने कहा कि भारत, चीन, रूस जैसे देश बाहरी लोगों का स्वागत नहीं करते। यही वजह है कि उनकी इकॉनमी ज्यादा ग्रोथ नहीं कर पाई।

बाइडन ने एक आयोजन में कहा, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। इसकी एक वजह है क्योंकि हम और अन्य लोग भी मेहनत करते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम प्रवासियों का स्वागत करते हैं। बाइडन ने चीन का उदाहरण देते हुए कहा, चीन की अर्थव्यस्था आखिर क्यों रुक गई है? जापान क्यों मुश्किल में है। भारत और रूस की क्या स्थिति है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि वे जेनोफोबिक हैं। ये लोग प्रवासी नहीं चाहते। लेकिन हमें तो प्रवासियों ने ही मजबूत बनाया है। बता दें कि आई.एम.एफ. ने इस साल 2023 के मुकाबले ग्लोबल स्लोडाउन की आशंका जताई है।

आई.एम.एफ. का अनुमान है कि जापान की ग्रोथ 0.9 फीसदी रहेगी। वहीं भारत जैसे विकासशील देश की ग्रोथ 6.8 फीसदी रहेगी। वैश्विक मुद्रा कोष ने अपने अनुमान में यह भी कहा है कि अमेरिका की आर्थिक विकास दर 2.7 फीसदी रहेगी। बीते साल के मुकाबले थोड़ा सुधार रहेगा क्योंकि 2023 में यह 2.5 पर्सेंट पर ही ठहर गई थी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था में इस सुधार की वजह प्रवासी लोगों के आने से होगा। ये लोग वर्कफोर्स में शामिल होंगे और उससे इकॉनमी को भी मदद मिलने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि अमेरिका अकसर कहता है कि, हम अफ्रीका से लेकर एशिया तक के लोगों का स्वागत करते हैं। इसी के चलते हमारी ग्रोथ हुई है। अमेरिका में भारतीय मूल के भी लाखों लोग बसे हुए हैं। हालांकि अमेरिका की राजनीति में प्रवासी लोगों की बढ़ती संख्या भी एक मुद्दा रही है। यही नहीं हेट क्राइम भी वहां बीते कुछ सालों में तेजी से बढ़ा है। इस साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले भी प्रवासी लोगों की बढ़ती संख्या एक बार फिर से मुद्दा बन गई है। राष्ट्रपति बाइडन कई बार इस मामले को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना कर चुके हैं।

'राजनयिक पासपोर्ट पर भागे हैं प्रज्वल रेवन्ना'

- भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि, प्रज्वल रेवन्ना ने अपनी यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय से कोई अनुमति नहीं मांगी थी।

नई दिल्ली, 2 मई (वार्ता)। कर्नाटक में जनता दल सेकुलर (जद-एस) के सांसद और करीब तीन हजार महिलाओं के साथ दुष्कर्म के आरोपी प्रज्ज्वल रेवन्ना राजनयिक पासपोर्ट पर जर्मनी फरार हुआ है और जाने से पहले उसने सरकार से किसी तरह की कोई जानकारी साझा नहीं की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में पत्रकारों के सवालों के जवाब में यह जानकारी दी।

जायसवाल ने कहा, उक्त सांसद की जर्मनी यात्रा के संबंध में विदेश मंत्रालय से न तो कोई राजनीतिक मंजूरी मांगी गई थी और न ही जारी की गई थी। जाहिर है, कोई वीजा नोट भी जारी नहीं किया गया था। कोई वीजा नहीं राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए जर्मनी की यात्रा करना आवश्यक है। मंत्रालय ने उक्त सांसद के लिए किसी अन्य देश के लिए कोई वीज़ा नोट भी जारी नहीं किया है...हां, उन्होंने राजनयिक पासपोर्ट पर यात्रा की थी।

चीन ने पी.ओ.के. की शक्सगाम घाटी में पक्की सड़क बनाई

- भारत ने यह कहकर कड़ा विरोध जताया कि, यह क्षेत्र भारत का अभिन्न हिस्सा है, हम अपनी जमीन की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठा सकते हैं।

नई दिल्ली, 2 मई। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर की शक्सगाम घाटी में चीन की नापाक हरकत सामने आई है। ताजा सैटलाइट तस्वीरों से पता चला है कि, चीन दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र के करीब पक्की सड़क बना रहा है।

दरअसल चीन सियाचिन कॉरिडोर के करीब अवैध रूप से कब्जे वाले कश्मीर में कंक्रीट सड़क का निर्माण कर रहा है। अब इसको लेकर भारत ने बड़ा कदम उठाया है।

भारत ने जमीन पर स्थिति को बदलने के अवैध प्रयास के तहत शक्सगाम घाटी में निर्माण गतिविधियों को अंजाम देने को लेकर चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि शक्सगाम घाटी भारत का हिस्सा है और नई दिल्ली ने 1963 के तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को कभी स्वीकार नहीं किया, जिसके माध्यम से इस्लामाबाद ने गैरकानूनी रूप से इस क्षेत्र को बीजिंग को सौंपने का प्रयास किया था।

''दरबार पॉलिटिक्स''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आए। उसके बाद के.सी. वेणुगोपाल राहुल के अगले प्रचार स्थल रायचूर पहुंचे और उन्होंने भी राहुल को अमेठी से चुनाव लड़ने के लिए राजी करने का प्रयास किया।

भाजपा द्वारा यह धारणा निर्मित की जा रही है कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा की स्मृति ईरानी के हाथों हारने के बाद राहुल यहाँ फिर से चुनाव लड़ने से डर रहे हैं।

राहुल ने केरल के वायनाड से भी चुनाव लड़ा था, जहाँ वे जीत गए थे। अब यदि वह अमेठी में जीत भी जाते हैं तो भी वह वायनाड को नहीं छोड़ना चाहते। वास्तविकता यह है कि अमेठी और रायबरेली के प्रत्याशी तय करने का निर्णय अंतिम क्षणों में लिया जाएगा। इससे यह पता चलता है कि कांग्रेस अपने महत्वपूर्ण निर्णय किस तरह से ले रही है और कांग्रेस के इन क्रियाकलापों पर पूरे देश की नज़र है।

सूत्रों का कहना है कि, प्रियंका गाँधी चुनाव लड़ने की इच्छुक हैं लेकिन, राहुल गाँधी नहीं चाहते कि, वे चुनाव लड़ें, क्योंकि इससे भाजपा को जोर शोर से यह कहने का अवसर मिल जाएगा कि, नेहरू-गाँधी खानदान पूरी तरह सक्रिय है और तीन गाँधी संसद में हैं। लेकिन, इससे भी अधिक, यह राहुल तथा प्रियंका के सलाहकारों के बीच की जंग है और सूत्रों का कहना है कि, राहुल की टीम ने लगातार उन्हें यह सलाह दी है कि, यदि प्रियंका संसद में पहुँच गईं तो वो एक बड़े ''पावर सैंटर'' के रूप में उभरकर राहुल के लिए, उनके नेतृत्व के लिए भारी चुनौती बन सकती हैं।

शायद इसीलिए उन्हें बिना किसी विभाग के ए.आई.सी.सी. महासचिव बनाया गया है और कोई चार्ज भी नहीं दिया है।

सोनिया गाँधी राहुल की सुनती हैं और जो वो कहते और करते हैं उससे सहमत होती हैं, चाहे वो बात या एक्शन प्रियंका के विरूद्ध ही क्यों न हो।

यह है ''दरबार पॉलिटिक्स''।

चूरू में भाजपा प्रत्याशी कांग्रेस के राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- क्षेत्र के माली समाज ने बड़े पैमाने पर राहुल कस्वां का तिरस्कार किया, क्योंकि नामांकन सभा में कस्वां ने अशोक गहलोत की अनदेखी कर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से हाथ मिलाया था और इसे माली समाज ने सहजता से नहीं लिया।

लेकिन कांग्रेस के राहुल कस्वां को हुए इस नुकसान की भाजपा के वसुंधरा राजे गुट ने भरपाई कर दी है। सभी जानते हैं कि चूरू जिले में भाजपा मोटे तौर पर राठौड़ और कस्वां गुट में बंटी हुई है। कस्वां गुट को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का पूरा समर्थन आज भी मिला हुआ है। आरोप है कि इसी गुट ने तारानगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को पराजित करवाया था। भाजपा द्वारा देवेंद्र झांझड़िया के नाम की घोषणा होते ही राहुल कस्वां और उनके समर्थकों ने राजेंद्र राठौड़ पर टिकट कटवा देने के आरोप लगाने शुरू कर दिए थे। कुल मिलाकर चूरू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में न तो मोदी लहर कायम रह सकी और न ही विकास के मुद्दों को उठाया जा सका। यहां तो सिर्फ राजेंद्र राठौड़ द्वारा राहुल कस्वां का टिकट कटवाना ही चुनावी जंग का मुख्य बिंदु बना रहा।

इसका फायदा राहुल कस्वां को यह मिला कि जाट समाज उनके पक्ष में खड़ा हो गया। माना जा रहा है कि जाट समाज के 80 प्रतिशत मतदाताओं ने राहुल कस्वां के पक्ष में मतदान किया है। राहुल कस्वां को टिकट नहीं मिला तो वे कांग्रेस में चले गए, परन्तु उनके कई समर्थकों और भाजपा के वसुंधरा गुट ने भाजपा में ही रहकर ही देवेंद्र झांझड़िया को पराजित करके राजेंद्र राठौड़ की राजनीति को पूरी तरह से खत्म करने की ठान ली। सारा खेल संकेतों के आधार पर ही खेला गया। वसुंधरा राजे गुट के कई भाजपा नेता गुप्त रूप से कांग्रेस के राहुल कस्वां के पक्ष में प्रचार करते रहे।

देवेंद्र झांझड़िया के पास उन्हीं लोगों का जमावड़ा रहा, जिन्होंने राजेंद्र राठौड़ को हराने में अहम भूमिका निभाई थी। जातिगत स्तर पर देखें तो एस.सी. और एस.टी. के 60 प्रतिशत वोट परंपरागत रूप से कांग्रेस के उम्मीदवार को ही मिले हैं। लेकिन सैनी समाज के वोट भी बंट गए, 40 प्रतिशत सैनी मतदाता ही कांग्रेस के साथ रहे। सैनी वोट बंटने के कारण यह रहा कि नामांकन सभा के दौरान राहुल कस्वां ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को छोड़कर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्दसिंह डोटासरा से हाथ मिलाया था। सैनी समाज के लोगों ने उसी दिन इस बात की मन में गांठ बांध ली थी कि कस्वां को वोट नहीं देने हैं। ब्राह्मण, प्रजापत, नाई, स्वामी, खाती आदि जातियों के 50 प्रतिशत मतदाताओं ने कांग्रेस को तो 50 प्रतिशत ने भाजपा को वोट दिया है। राजेन्द्र राठौड़ की वजह से राजपूत समाज के सबसे अधिक 95 प्रतिशत वोट भाजपा के देवेंद्र झांझड़िया को मिले हैं। इस हिसाब से कांग्रेस के राहुल कस्वां जीत के अधिक निकट लग रहे हैं।

मजे की बात है कि चूरू में भाजपा का वसुंधरा गुट अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार पर भारी पड़ रहा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अगर चूरू में भाजपा हारी तो कांग्रेस की बजाय अपनी ही पार्टी के वसुंधरा गुट से ही हारेगी। हालांकि हवा तो कांग्रेस के राहुल कस्वां के पक्ष में ही लग रही है लेकिन भाजपा के देवेन्द्र झांझड़िया को भी कम नहीं आंक सकते हैं। झांझड़िया के साथ भीतरघात हुआ है वैसे ही राहुल कस्वां के साथ भी हुआ है और जिसके साथ भारी भीतरघात हुआ है, वो ही चुनाव हारेगा।

'गैर जमानती वॉरंट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की प्रक्रिया से बचने अथवा साक्ष्य को तोड़ने -मरोड़ने या नष्ट करने की कोशिश करेगा।

जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली एक बैंच ने कहा कि, गैरकानूनी वारंट जारी करने के लिए हालांकि, कोई व्यापक गाइडलाइन्स मौजूद नहीं हैं, फिर भी शीर्ष अदालत ने कई मौकों पर टिप्पणी की है कि, गैर जमानती वारंट जारी नहीं किया जाना चाहिए, जब तक कि आरोपी पर जघन्य अपराध का आरोप ना लगा हो और उसके द्वारा कानून से बचने, साक्ष्य तोड़ने-मरोड़ने या नष्ट करने की आशंका ना हो।

बैंच, जिसमें जस्टिस एस.वी.एन. भट्टी भी थे, ने समन आदेश को खारिज करते हुए कहा कि, ''यह विधि की एक तय स्थिति है कि, गैर जमानती वारंट रुटीन में जारी नहीं किए जा सकते और किसी व्यक्ति विशेष की स्वतंत्रता को तब तक कम नहीं किया जा सकता जब तक कि जनता और देश के व्यापक हित में ऐसा करना जरुरी ना हो।''

वर्ष 2021 में, लखनऊ के स्पेशल चीफ जूडीशियल मजिस्ट्रेट ने मैनेजर सिंह नाम के व्यक्ति के विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी करते हुए कहा था कि, जमानत मिलने से पहले व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दिए जाने का कोई प्रावधान नहीं है।

एक अन्य आदेश में यह बात भी थी कि, चूंकि जमानती वारंट जारी किए जाने के बावजूद आरोपी अनुपस्थित था, इसलिए उसकी व्यक्तिगत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए गैर जमानती वारंट जारी किए गए।

शीर्ष अदालत ने मेनका संजय गांधी व अन्य बनाम रानी जेठमलानी के केस में व्यवस्था दी थी कि, व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने की शक्ति का प्रयोग तभी करना चाहिए, जबकि तथ्य और परिस्थितियों के अनुरुप ऐसी छूट देना जरुरी हो।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908